{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 09 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 137
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

होली पर रेलवे चलाएगा लगभग 1500 ट्रेनें

नई दिल्ली। होली का त्योहार नजदीक है और इस त्योहार पर घर लौटने वाले यात्रियों की संख्या हर साल बढ़ जाती है। इसे देखते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए मार्च महीने में 1,410 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। ये संख्या मांग बढने पर 1,500 तक बढ़ाई जा सकती है। आपको बता दें कि पिछले साल 2025 में 1,144 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। रेलवे का यह कदम सुनिश्चित करता है कि त्योहार के दौरान यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा मिल सके। स्पेशल ट्रेनों का संचालन न केवल भीड़ को नियंत्रित करेगा, बल्कि प्रमुख शहरों और ग्रामीण इलाकों के बीच कनेक्टिविटी भी मजबूत करेगा। इस बार के अभियान में हर जोन ने यात्रियों की बढ़ती मांग के अनुसार ट्रेन परिचालन में वृद्धि की है। आइए जानते हैं कि किस रूट पर कितनी ट्रेनें चलेंगी।

सिक्किम में 4.7 तीव्रता का आया भूकंप, कोई नुकसान नहीं

गंगटोक। सिक्किम के कुछ हिस्सों में शनिवार शाम 4.7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार भूकंप शाम 6:35 बजे आया, जिसका केंद्र पश्चिम सिक्किम के मानेबंग से करीब 11 किलोमीटर दूर स्थित था। राहत की बात यह है कि अभी तक इसमें किसी प्रकार के नुक्सान की कोई खबर नहीं है।

8वें केंद्रीय वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट लांच

नई दिल्ली। 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट लांच कर दी गई है, जो केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी का केंद्र बनेगी। यह कदम पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और सहभागी बनाने के लिए उठाया गया है। नई वेबसाइट पर वेतन आयोग से जुड़े सभी अपडेट, नोटिफिकेशन, पिछली वेतन आयोग की रिपोर्ट्स और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराए गए है। नई वेबसाइट पर जाकर कर्मचारी और पेंशनभोगी आयोग की गतिविधियों, सिफारिशों और बैठकों के बारे में नियमित जानकारी पा सकते हैं। इसमें वेतन संरचना, पेंशन, भत्ते, इंक्रीमेंट सिस्टम और उच्च अधिकारियों के वेतन जैसे विषय शामिल हैं। साथ ही, मायगव पोर्टल के माध्यम से आयोग ने कर्मचारियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स से राय लेने के लिए 18 सवालों वाली प्रश्नावली जारी की है। सभी सुझाव केवल मायगव पोर्टल पर स्वीकार किए जाएंगे और उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कुछ ना कहना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में मोहन भागवत बोले

संघ कहे तो पद छोड़ने के लिए तैयार हूं...

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोडने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है।आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक बनता है। भागवत रविवार को मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी।

भागवत ने कहा कि समान नागरिक संहिता सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढने चाहिए। उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा।

भागवत ने कहा कि आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में। संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। संघ के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर करना पड़ा हो। संघ की कार्यप्रणाली में अंग्रेजी कभी मुख्य भाषा नहीं बनेगी, क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। जहां जरूरत होती है, वहां अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जाता है। हमें अंग्रेजी सीखनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

ब्राह्मणों का संघ वाली छवि पर दी सफाई

संघ की पुरानी छवि पर चर्चा करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि जब संघ की शुरुआत हुई थी, तब वह एक छोटी सी ब्राह्मण बस्ती से शुरू हुआ था। उन्होंने स्वीकार किया कि शुरुआती दौर में संघ छोटा था और एक ब्राह्मण बहुल बस्ती में सक्रिय था, इसलिए स्वाभाविक रूप से पदाधिकारी ब्राह्मण थे। इसी वजह से लोग कहने लगे कि संघ ब्राह्मणों का है और कुछ लोग आज भी यही कहते हैं, क्योंकि वे केवल जाति देखते हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

काई भी हिंदू बन सकता हैं सरसंघचालक

मोहन भागवत ने कहा कि संघ प्रमुख की जिम्मेदारी संभालने के लिए किसी खास जाति का होना जरूरी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या एससी-एसटी समाज का कोई भी व्यक्ति सरसंघचालक बन सकता है।कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि संघ में इस आधार पर कार्यकर्ता नियुक्त नहीं होते कि उनकी जाति क्या है। जो हिंदू है, वह सरसंघचालक बन सकता है। हमारे यहाँ काम करने वाले को जिम्मेदारी मिलती है। एससी/एसटी वर्ग का व्यक्ति भी इस पद पर पहुँच सकता है। सिर्फ ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है और किसी अन्य जाति का होना कोई अयोग्यता नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दो टूक कहा

पत्नी शिक्षित है या माता-पिता का सहयोग.......इसलिए भरण-पोषण की जिम्मेदारी से नहीं भाग सकता पति

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में दो टूक कहा कि तलाक के बाद पति अपनी पूर्व पत्नी के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से केवल इस आधार पर नहीं भाग सकता हैं, कि पत्नी शिक्षित है या उस माता-पिता का सहयोग मिल रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि विवाह केवल आर्थिक समझौता नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव, साथ और पारस्परिक सहयोग की संस्था है।

जस्टिस एस.वी.एन. भट्टी और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि महिला सम्मानजनक और स्थिर जीवन की उम्मीद के साथ विवाह करती है। लेकिन यदि विवाह टूट जाता है, तब पति की जिम्मेदारी सिर्फ इसलिए खत्म नहीं हो जाती कि पत्नी पढ़ी-लिखी है। तलाक के बाद भी पत्नी उस जीवन स्तर के अनुरूप जीवन जीने की हकदार है, जिस तरह विवाह के दौरान रहती रही है।

दरअसल यह फैसला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई याचिका पर आया। फैमिली कोर्ट ने महिला को 15,000 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया था, फैमिली कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट ने बरकरार रखा। लेकिन फैसले से संतुष्ट नहीं महिला ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर कहा कि पति की मासिक कमाई करीब 1.60 लाख रुपये है, इसके बाद 15,000 रुपये पर्याप्त नहीं है। इसके बाद अदालत ने भरण-पोषण की राशि बढ़ाकर 30,000 रुपये प्रतिमाह कर दी।

सुप्रीम कोर्ट पहले कई मामले में कह चुका है कि शादीशुदा जीवन में जो जीवनस्तर और जिंदगी महिला की रही है। तलाक के बाद भी वहीं स्टैंडर्ड कायम रखना होगा। महिला (पत्नी) अपनी शादीशुदा जिंदगी में ससुराल में एक स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग वाली जीवन शैली की आदि रही है। इसके बाद पत्नी का अधिकार है कि तलाक के बाद भी महिला को वहीं लाइफ स्टाइल और जीवन शैली मिलनी चाहिए जो पति के साथ मिला था। मौजूदा मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने इस बात को फिर से अपने फैसले में बल दिया है।

ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन व ट्रेनी घायल

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव में रविवार को रेड बर्ड एविएशन का निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट सवार थे, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिससे पायलट कंट्रोल खो बैठे और खेत में क्रैश लैंडिंग हो गई। विमान सीसना 172 मॉडल का दो सीटर ट्रेनिंग प्लेन था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विमान रेड बर्ड एविएशन कंपनी का था और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। शुरुआती जांच में हादसे की वजह इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के सही कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। प्रशासन और पुलिस ने साफ़ किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी तकनीकी और कानूनी जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सिंधु समझौता सस्पेंड होते ही एक्शन में मोदी सरकार

चिनाब नदी पर सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद मोदी सरकार ने चिनाब नदी पर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा प्रोजेक्ट की दिशा में अहम कदम उठाया है। सरकारी कंपनी एनएचपीसी ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। एनएचपीसी ने चिनाब नदी पर बनने वाले इस सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 5129 करोड़ रुपये की लागत से जुड़ा टेंडर खोला है। यह पूरा प्रोजेक्ट एक ही पैकेज के तहत तैयार किया जाएगा। टेंडर दस्तावेज के मुताबिक, इस पैकेज में डाइवर्जेंट टनल का निर्माण, एडिट, डीटी और कोफर डैम का निर्माण शामिल है। इसके अलावा मांडिया नाला डीटी, इससे जुड़े सडक़ निर्माण कार्य, राइट बैंक स्पाइरल टनल, एक्सेस टनल और डैम से जुड़े सभी सहायक कार्य भी इसी पैकेज का हिस्सा होंगे। यह प्रोजेक्ट चिनाब नदी पर बिजली उत्पादन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एनएचपीसी के टेंडर के अनुसार, इस परियोजना के लिए बोली 12 मार्च से शुरू होगी और 20 मार्च तक चलेगी। बोली की वैधता अवधि 180 दिन रखी गई है। वहीं, निर्माण कार्य को पूरा करने की समयसीमा 3285 दिन तय की गई है। सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से कुल 1856 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ देश की पावर ग्रिड को भी मजबूत करेगा। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस प्रोजेक्ट को भारत की रणनीतिक और आर्थिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। चिनाब नदी पर यह परियोजना भारत के जल संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

एएआई ने सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने हाल ही में लांच हुई देश की पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ एग्रीमेंट (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत भारत टैक्सी देश के कई एयरपोर्ट्स पर कैब सेवाएं देगी। एएआई के चेयरमैन विपिन कुमार ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का मकसद एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सही किराया, तय दरों और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित एक ड्राइवर-ओनर्ड सेवा है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं कोऑपरेटिव के सदस्य होते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल से एयरपोर्ट पर कैब सेवाओं में पारदर्शिता, किराए की स्पष्टता और यात्री-अनुकूल अनुभव सुनिश्चित होगा। साथ ही, ड्राइवरों को भी संगठित प्लेटफॉर्म के जरिए स्थिर और सम्मानजनक रोजगार मिलेगा। एएआई का कहना है कि यह साझेदारी यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ समावेशी परिवहन मॉडल को बढ़ावा देगी। आने वाले समय में इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से विभिन्न एयरपोर्ट्स पर लागू किया जाएगा।

180 करोड़ रुपए की हेरोइन पकड़ी

2 पिस्टल, 4 मैगजीन बरामद; 2 तस्कर गिरफ्तार, पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे

अमृतसर। पंजाब के 2 जिलों (अमृतसर और गुरदासपुर) में 180 करोड़ रुपए की हेरोइन पकड़ी गई है। इसके साथ ही 5.75 लाख रुपए की ड्रग मनी और 2 पिस्टल, 4 मैगजीन और 60 कारतूस भी मिले हैं। पुलिस को शक है कि यह हेरोइन पाकिस्तान से भेजी गई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने गुरदासपुर में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी भारत में अपने हैंडलरों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस घर का मालिक कौन है और इस तस्करी नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में अंतरराष्ट्रीय नशा तस्कर गिरोह की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। अमृतसर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक स्थित गांव घोगा में अमृतसर देहात पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने संयुक्त ऑपरेशन के तहत एक घर से पाकिस्तान से आई 25 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 125 करोड़ रुपय आंकी गई।

30 साल बाद मिला इंसाफ, पर जीवन नहीं बचा

रु. 20 की रिश्वत के आरोप से बरी पुलिसकर्मी की फैसले के बाद मौत

अहमदाबाद। न्याय में देरी कितनी पीड़ादायक हो सकती है, इसका मार्मिक उदाहरण अहमदाबाद में सामने आया है। वर्ष 1996 में मात्र रु. 20 की रिश्वत लेने के आरोप में फंसे पुलिस कांस्टेबल बाबुभाई प्रजापति को 30 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार गुजरात हाईकोर्ट ने निर्दोष करार दिया। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस दिन उनके सिर से 卐भ्रष्टाचारी卐 का कलंक उतरा, उसी के कुछ ही घंटों बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। 4 फरवरी को हाईकोर्ट के फैसले के बाद बाबुभाई अपने वकील नितिन गांधी के कार्यालय पहुंचे थे। वहां वे बेहद भावुक हो गए। कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड बातचीत के अनुसार बाबुभाई ने अपने वकील से कहा, 卐मेरे जीवन से कलंक मिट गया है, अब मैं सिर्फ मुक्ति चाहता हूं।卐 वकील ने उन्हें समझाया कि अब वे रुके हुए सरकारी लाभ और अन्य प्रक्रियाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन बाबुभाई मानसिक रूप से एक गहरी शांति महसूस कर रहे थे। घर लौटने के अगले ही दिन उनका प्राकृतिक निधन हो गया।

इस पूरे मामले की समयरेखा न्याय व्यवस्था की धीमी गति पर गंभीर सवाल खड़े करती है। वर्ष 1996 में बाबुभाई पर रु. 20 की रिश्वत लेने का आरोप लगा। 2004 में सेशंस कोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए चार साल की जेल और रु. 3000 के जुर्माने की सजा सुनाई। इस फैसले को बाबुभाई ने हाईकोर्ट में चुनौती दी, जहां उनकी अपील वर्षों तक लंबित रही।

3 मंजिला बिल्डिंग गिरी, 2 की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा में शनिवार रात करीब 9 बजे एक 3 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। मलबे में स्टूडेंट्स समेत कई लोग दब गए। हादसे में एक कोचिंग स्टूडेंट समेत 2 लोगों की की मौत हो गई, जबकि 8 घायल हॉस्पिटल में भर्ती है। 5 घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। तलवंडी में इमारत गिरने की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हालात यह थे कि मलबे में दबे लोग चीख रहे थे, हमें बचा लो। किसी का हाथ बाहर दिख रहा था तो किसी का पैर। एसडीआरएफ की टीम देर रात तक मलबे में दबे लोगों को निकालने में जुटी रही। रेस्क्यू के दौरान बचाव दल का एक कर्मचारी भी घायल हो गया।

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव में उम्मीदवारों ने नाबालिग बेटों से डलवाया वोट!

-कलेक्टर बोले- जांच कराई जाएगी, मतदान नियमों का उल्लंघन हुआ तो करेंगे कार्रवाई

मुंबई। महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव में नाबालिग को पोलिंग बूथ के अंदर ले जाने के मामले सामने आए हैं। पहला केस सोलापुर और दूसरा छत्रपति संभाजीनगर जिले से जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोलापुर जिले के अकलुज स्थित यशवंत नगर मतदान केंद्र पर उम्मीदवार अर्जुन सिंह मोहिते पाटिल अपने 14 साल के बेटे के साथ पोलिंग बूथ के अंदर गए। आरोप है कि नाबालिग ने ईवीएम का बटन दबाया। वहीं छत्रपति संभाजीनगर जिले में शिवसेना विधायक अपने नाबालिग बेटे को मतदान केंद्र के अंदर ले गए। विधायक ने अपने और बेटे दोनों की उंगली पर स्याही लगवाई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को राज्य के 12 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव हुए। इसमें करीब 67 फीसदी मतदान हुआ। अर्जुन सिंह मोहिते पाटिल ने कहा कि उनका बेटा केवल मतदान की प्रोसेस समझना चाहता था। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा यह जानना चाहता था कि वोटिंग कैसे होती है, इसलिए मैं उसे अंदर ले गया। मतदान अधिकारियों ने आपत्ति जताई थी, लेकिन मैंने अनुरोध किया कि वह मेरे पास खड़ा रह सके। मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता। वहीं छत्रपति संभाजीनगर जिले के पाचोड़ मतदान केंद्र पर शिवसेना विधायक अपने नाबालिग बेटे को मतदान केंद्र के अंदर ले गए। प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियो के मुताबिक विधायक ने अपने और बेटे दोनों की उंगली पर स्याही लगवाई और इसके बाद ईवीएम के जरिए मतदान किया।

गौरव गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

सीएम हिमंता के आरोप- कांग्रेस सांसद की पत्नी के पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध

गुवाहाटी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का ओसीआई/वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है।

असम सीएम का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था। उसका मकसद दुनिया में भारत विरोधी नैरेटिव तैयार करना था।

असम सीएम की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर गौरव गोगोई ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया के सामने मंच पर खुद को शर्मिंदा किया। असम में कोई उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता। असम कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर पूरे असम में 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की। उन्होंने कहा कि राज्य में भविष्य की कांग्रेस सरकार ऐसी जमीनों को गरीबों में बांट देगी।

टेकाड़ी ग्राम पंचायत में हितग्राही के खेत में गड्ढा तक नहीं खुदा, कागजों में दर्शा दिया तालाब ?

तालाब निर्माण के नाम पर निकाली गई राशि पर हितग्राही सहित अन्य ग्रामीणों ने जताई आपत्ति, अधिकारियों की जांच से भी संतुष्ट नहीं ग्रामीण

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी में कुछ शासकीय काम ऐसे किए गए हैं जो धरातल पर तो नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन शासन से स्वीकृत वह कार्य सरकारी कागजों में या तो बनकर पूर्ण हो चुके हैं या फिर उनका निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। बल्कि ऐसा आरोप ग्राम पंचायत टेकाड़ी के हितग्राही, उप सरपंच, पंचगण और अन्य ग्रामीणों द्वारा आए दिनों लगाया जा रहा है। अब ग्राम पंचायत टेकाड़ी में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां शासन की योजना के तहत हितग्राही के खेत से मिट्टी तक नहीं खोदी गई है और सरकारी कागजों में वहां तालाब का निर्माण होना बताया गया है। जहां पंचायत द्वारा न केवल तालाब का निर्माण कार्य करना बताया गया है, बल्कि उस निर्माण कार्य की कुछ राशि भी निकाल ली गई है। जिस पर हितग्राही, उप सरपंच और अन्य ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए मामले की वैधानिक जांच किए जाने की गुहार लगाई है।उधर इस पूरे मामले में सरपंच प्रतिनिधि तारा कावरे का कहना है कि राजनीतिक द्वेषवश झूठी शिकायत कर परेशान करने काम किया जा रहा है।

कागजो में दिखा दिया तालाब निमार्ण का कार्य, निकाली राशि

पर्यटन ग्राम टेकाड़ी पंचायत में अनियमित्ता व कार्य मे गड़बड़ी के लगातार आरोप लग रहे है।जहा बिना काम किए ही कागजो में कार्य दर्शाकर, फर्जी बिल बाउचर के आधार पर शासकीय राशि का गबन किए जाने का आरोप हितग्राही के साथ साथ, स्थानीय ग्रामीणों ने भी लगाया है।पूरा मामला शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान से बनाए गए खेत तालाब से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार गांव की हितग्राही हिरवंती संतोष नागेश्वर के नाम से खेत तालाब स्वीकृत किया गया। जिम्मेदारों ने कागजों में तालाब निर्माण दर्शा कर राशि आहरित ली।शिकायत पर जांच करने जिम्मेदार पहुंचे, लेकिन कार्रवाई के नाम जुर्माना लगाकर कार्रवाई को ही ठंडा बस्ती में डाल दिया जिस पर आपत्ति जलप्रपात आते हुए हितग्राही सहित अन्य ग्रामीणों ने मामले की वरिष्ठ स्तर से जांच किए जाने की मांगती है तो वहीं उन्होंने मामले में इंसाफ न मिलने पर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है।

खेत मे उगी है झाड़ियां,कागजो में बन रहे तालाब की आहरित कर ली 74,646 रु की राशि

शिकायकर्ता संतोष नागेश्वर और गुलाबचंद पटले के अनुसार,हितग्राही हिरवंती नागेश्वर ग्राम पंचायत टेकाड़ी के वार्ड नंबर 05 की निवासी है। 10 मई 2025 को हिरवंती के नाम से जल गंगा संवर्धन खेत तालाब स्वीकृत हुआ था। 01 लाख 37 हजार 203 रुपए की राशि से हिरवंती के खेत की खसरा नंबर 12/6 भूमि पर तालाब निर्माण किया जाना था। पंचायत के जिम्मेदारों ने कागजों में तालाब निर्माण करवाकर मनरेगा के करीब 74,646 रुपए की राशि आहरित कर ली गई। वर्तमान समय तक उनकी जमींन पर न तो खेत तालाब बना है न किसी तरह का कार्य किया गया है। यहां तक की जिस जगह पर तालाब दर्शाया गया है उस जगह पर छोटी बड़ी झाड़ियां वर्तमान समय मे उगी हुई है।जिसपर आपत्ति जताते हुए हितग्राही सहित अन्य ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

अधिकारियों की जांच पर भी उठ रहे सवाल

ग्रामीणों ने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें तब लगी जब तालाब निर्माण में कार्य करने के नाम पर मजदूरों के नाम से फर्जी मस्टरोल तैयार कर राशि आहरित की गई। पूरे मामले की उन्होंने जनपद सीईओ से शिकायत कर जांच की मांग की।लेकिन लंबे समय तक मामले की जांच नही हुई।फिर कई बार मामले की शिकायत करने पर जनपद स्तर से जांच दल गठित किया गया। जांच अधिकारी मौके पर जांच करने पहुंचे लेकिन वास्तविक जांच न करते हुए मौके पर 20 बाई 20 लंबाई, चौड़ाई और 15 फीट की गहराई का तालाब निर्माण किया जाना दर्शा दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार जिस जगह पर जांच अधिकारियों द्वारा नापझौक करके तालाब का काम होना बताता गया है वहां तालाब निर्माण के नाम पर एक इंच मिट्टी तक नहीं खोदी गई है। यहां तक की वहां झाड़ियां उगी हुई है। इस पर ग्रामीणों ने जांच अधिकारियों पर भी सवाल उठाते हुए,मिली भगत की बात कही है।

जांच के बाद 4 लोगो पर लगे जुर्माने पर उठाए सवाल

बताया गया गई इस मामले की पुन: शिकायत पर जब जांच दल निरीक्षण पर आया तो जनपद स्तर से चार लोगों (सरपंच सचिव सहित अन्य) पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिसपर भी ग्रामीणों द्वारा सवाल उठाए गए है।

जांच टीम ने बनाई झूठी रिपोर्ट

डॉ पटले व नागेश्वर, सहित अन्य ने बताया कि हितग्राही हिरवंती ने अपनी जमींन पर पूर्व में फसल लगाई थी। वर्तमान में उनकी जमींन समतल खाली है, जिसे देखकर ही स्पष्ट समझा जा सकता है कि मौके पर किसी प्रकार का कार्य नहीं किया गया है। बावजूद इसके जांच टीम ने झूठी जांच रिपोर्ट बनाई। इस मामले में पुन: उन्होंने शिकायत कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए, दोषियों पर कार्यवाही और उन्हें न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

हम इस जांच से संतुष्ट नही है- हिरवंती नागेश्वर

हितग्राही हिरवंती नागेश्वर ने बताया कि उनके खेत में तालाब का निर्माण हुआ ही नहीं है और सरपंच ने तालाब दर्शाकर उसका आधा पैसा निकाल लिया है, जो कि गलत है। इस मामले की हमने शिकायत भी की, लेकिन मामले की उचित जांच नहीं की गई है।वे इस जांच व कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। हमारी मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच और झूठी जांच रिपोर्ट बनाने वालों पर भी न्याय उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए-संतोष

हितग्राही के पति संतोष नागेश्वर ने बताया कि यहां तालाब बना नहीं है और उसकी 74000 रु की राशि निकाली गई है। मामले की शिकायत किए तो जनपद से टीम आई ,लेकिन हमे बिना बताए ही जांच करके चली गई, जांच में अधिकारियों ने तालाब का काम करना दर्शाया है ,वही तालाब निर्माण कार्य में लापरवाही की बात लिखते हुए सरपंच सहित अन्य पर जुर्माना भी लगाया है। जब यहां तालाब निर्माण किया ही नहीं तो तालाब निर्माण में लापरवाही पर जुर्माना कैसे लग गया,यह समझ नहीं आ रहा है।अब हम तालाब का निर्माण करना नहीं चाहते, हम मामले में निष्पक्ष जांच चाहते हैं और जो भी दोषी हो उसपर कार्यवाही चाहते हैं।

शिकायतकर्ता को जांच से रखा गया दूर- उप सरपंच

ग्राम पंचायत टेकाड़ी उपसरपंच श्रीमती सोनी ने बताया कि हितग्राही नागेश्वर के खेत में तालाब की स्वीकृति मई 2025 में हुई थी,हितग्राही को पता चला कि 74 से 75 हजार रु की राशि, तालाब निर्माण के नाम पर निकाली जा चुकी हैं। जिसकी शिकायत हितग्राही व अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर हमने कलेक्ट में की थी। प्रशासनिक स्तर से एक टीम, यहां जांच के लिए आई थी। उन्होंने शिकायत करने वालों की गैर मौजूदगी में ही जांच की, मौका स्थल पर पंचनामा भी नहीं बनाया, हमें कोई जानकारी भी नहीं दी।अब बताया जा रहा है कि जांच टीम ने अपनी जांच के दौरान यहां पर तालाब होना दर्शाया है जबकि यहां पर तालाब बना ही नहीं है।

नही मिला इंसाफ तो एनजीटी और उच्च न्यायालय जाएंगे- डॉ पटले

ग्रामीण डॉ गुलाबचंद पटले ने बताया कि हितग्राही के खेत में तालाब की स्वीकृति हुई थी, यहां पर सरपंच ने आधा निर्माण कार्य दर्शाकर 74000रु की राशि निकाल ली है। इसकी शिकायत जिला पंचायत जनपद पंचायत और कलेक्टर कार्यालय में की गई थी जहां से जांच टीम आई थी।हमने मौके पर पंचनामा बनाने कहा था, लेकिन सरपंच सहित उनके अन्य साथियों ने यहां हंगामा मचाया, जिसके चलते जांच टीम वापस चली गई।उसके बाद हमें बिना बताए, बिना सूचना दिए ही जांच टीम आई और जांच करके चली गई ,उन्होंने अपने प्रतिवेदन में यहां पर तालाब के निर्माण कार्य के लिए खुदाई करना दर्शाया है, वही निर्माण कार्य में कुछ अनिमियता की बात कहते हुए सीईओ द्वारा सरपंच सचिव सहित अन्य पर जुर्माना भी लगाया है। जब यहां निर्माण कार्य हुआ ही नहीं तो कार्य मे अनिमियता कैसे हो गई, और जुर्माना कैसे लगा दिया। हमें ऐसा लगता है की जांच टीम भी सरपंच से मिली हुई है। हमारी मांग है कि कलेक्टर साहब अपना प्रतिनिधि भेजकर मामले की जांच कराए।यदि हमें जिला स्तर से न्याय नहीं मिला तो हम एनजीटी और उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

जिला पंवार क्षत्रिय संगठन पंवार समाज महिला प्रकोष्ठ की आवश्यक बैठक संपन्न

15 मार्च को जिला सम्मेलन कराने का लिया गया निर्णय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 8 फरवरी को जिला मुख्यालय बालाघाट के स्थानीय पंवार छात्रवास परिसर में जिला पंवार क्षत्रिय संगठन पंवार समाज जिला महिला प्रकोष्ठ की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन एवं अध्यक्षता जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती आशालता कपुरचंद चौहान द्वारा की गई।बैठक की शुरुआत प्रभु श्री राम एवं माँ गढ़कालिका के पूजन अर्चन से की गई, बैठक की प्रारंभिक प्रस्तावना पंवार समाज जिला महासचिव डॉ राजेंद्र एल कटरे द्वारा प्रस्तुत की गई।बैठक में समाज में महिलाओं से संबंधित विभिन्न

प्रस्तावों पर चर्चा की गई एवं प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि आगामी 15 मार्च को जिला मुख्यालय में जिला स्तरीय पंवार समाज का महिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज की ऐसी महिलाएँ जिन्होंने अलग अलग क्षेत्रों में अपनी विशेष पहचान बनाई है उन्हें आमंत्रित किया जाएगा एवं समाज की महिलाओं के सामने उनकी उपलब्धियों पर व्याख्यान दिया जाएगा।बैठक में संगठन पदाधिकारियों को दायित्व पत्र भी दिया गया।बैठक के मुख्य अतिथि विशाल बिसेन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके, समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर किया जा सके और सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाया जाए। जिससे महिलाएँ अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें, उन्होंने आगामी महिला सम्मलन को ऐतिहासिक बनाने की दिशा में काम करने की अपील की है।बैठक की अध्यक्षता कर रही जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती आशालता चौहान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है और इसी कड़ी में आगामी मार्च महीने में जिला स्तरीय पंवार समाज महिला सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।आयोजित बैठक में,जिला संरक्षक श्रीमती लता हरिनखेड़े, श्रीमति सुलोचना रहाँगड़ाले, उपाध्यक्ष डॉ प्रतिभा बिसेन, श्रीमती गरिमा गौतम, महासचिव श्रीमती योगिता बोपचे, सलाहकार श्रीमती अमिता तुरकर, श्रीमती अलका बिसेन, संगठन पदाधिकारी श्रीमती इंदु बिसेन, श्रीमती सुनीता तुरकर, श्रीमती रंजना हनवत,श्रीमती प्रियंका कटरे, श्रीमती किरण बिसेन, श्रीमती रूपाली सोनवाने, श्रीमती दिक्षा गौतम, श्रीमती सपना देशमुख, श्रीमती मोना चौहान, श्रीमती ज्योति पटले, श्रीमती भूमिका टेम्भरे, श्रीमती ममता सोनवाने, श्रीमती मंजू पारधी, श्रीमती रूपल तुरकर, श्रीमती माया कटरे सहित अनेक महिलायें उपस्थित रहीं।

आम सूचना

मैं मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता वारासिवनी अपने पक्षकार पूर्वी एवं आदित्य दुबे दोनो पिता सुशील दुबे निवासी वार्ड नं १७ ग्राम पांढरवानी तह: लालबर्रा जिला बालाघाट की ओर से समस्त आम जनता एवं वर्णित भूमि जो कि मौजा ग्राम अमोली तह:लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित खसरा नंबर क्रमश: ६१,६७, १००/१, १००/२,१३३,१४०, १४२, १४५,१४९, १५०, १५४, १५७/१, १५९, १६३,१८७/१, १८७/२, २५४, २५६, २५८, ३४१, ३५१/२, ३५२, ३५५/१, ३७१/२/१ ३७१/२/३ ,३७२/१ ,३७३,३७८/१,३८२ कुल रकबा ७.९७८ हे. भूमि स्थित थी। जिसका विभाजन होकर बटांकन हो चुका है इस कारण इस भूमि के बटांकन का विवरण इसी भूमि के नंबर से समझा जायेगा और इस खसरा के सहस्वामी को सूचित किया जाता है कि वर्णित खसरा नंबर के संबंध में मेरे पक्षकार के पिता एवं उनके भाई राजेश दुबे के द्वारा तहसीलदार महोदय के न्यायालय में एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। तथा इसी बीच मेरे पक्षकार के पिता सुशील दुबे की मृत्यु दिनांक २३/०४/२०२५ को हो चुकी है और राजस्व न्यायालय के द्वारा सुशील की मृत्यु के बाद मेरे पक्षकार को वैधानिक उत्तराधिकार बनाये बिना वर्णित भूमि के विभाजन का आदेश दिनांक २१/०७/२०२५ को किया गया है जिसकी जानकारी मेरे पक्षकार पूर्वी जिसका विवाह हो चुका है आज दिनांक ०५/०२/२०२६ को ज्ञात हुई तथा मेरे पक्षकार को यह भी जानकारी हुई है कि सहखातेदार जो अवैधानिक विभाजन हुआ है जिसके विरूध्द मेरे पक्षकार द्वारा श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी के न्यायालय में अपील प्रस्तुत कर रहे है। इस तरह वर्णित संपत्ति के संबंध में आम जनता को सूचित किया जाता है कि इस वर्णित भूमि को कोई व्यक्ति किसी अन्य खसरा नंबर की या अपनी होना बताकर हस्तांतरण करता है तो ऐसा हस्तांतरण अवैध व शून्य होगा और मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नही होगा और उस क्रेता व विक्रेता पर मेरे पक्षकार को विवश होकर न्यायालयीन कार्यवाही करने के लिये विवश होना पडेगा।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है
वारासिवनी, दिनांक -५/०२/२०२६

-प्रेषक-
मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता वारासिवनी

त्यागमूर्ति माता रमाई जयंती पर आयोजित धम्मज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न

समारोह के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धार्मिक सामाजिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा

बालाघाट के तत्वावधान में त्यागमूर्ति माता रमाई आंबेडकर जी की जयंती समारोह का आयोजन किया गया।जहा समारोह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन सम्पन्न कराए गए।, डॉ.आंबेडकर चौक समीप स्थानीय कमला नेहरू महिला मंडल सभागृह आयोजित इस समारोह के दौरान माता रमाई, बोधिसत्व डॉ. बाबा साहेब एवं धम्म संस्था बुद्धिस्ट सोसायटी पर आधारित धम्मज्ञान प्रतियोगिता भी सम्पन्न हुई जिसमें लगभग 70 प्रतियोगियों ने भाग लिया,जिनमें कु.नेहा खांडेकर साकडी(डोंगरमाली) ने प्रथम, कु.सुनीता मसूरकर कोसमी(बालाघाट) ने द्वितीय, तो वही कु.चहक रंगारे हट्टा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिन्हें क्रमश: 5000, 3000, और नगद 1000/ रुपए पुरस्कार राशि,स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।आयोजित इस प्रतियोगिता में लड़कियों का पूर्ण रूप से दबदबा रहा।

विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

प्रात: 11.30 बजे धम्म ज्ञान प्रतियोगिता सम्पन्न होने के पश्चात एक रैली के माध्यम डॉ आंबेडकर चौक पहुंचकर बोधिसत्व बाबासाहेब की प्रतिमा पर सामूहिक माल्यार्पण कर कार्यक्रम स्थल में सभी प्रतियोगीयो को भोजनदान कराया गया।मंचीय कार्यक्रम में पूजा वंदना के बाद सभी अतिथियों ने अपने अपने विचार रखे। जिसमें उन्होंने सामाजिक एकता, समाज संगठन को मजबूत बनाकर आगे बढ़ाने सहित अन्य विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए इस दौरान मुख्य अतिथि लताताई तायडे ने बताया कि जब माता रमाई को आस पास की महिलाएं तंज करती थी कि इतने बड़े व्यक्ति की पत्नी होकर एक भी गहना नहीं पहनती, तब माताजी ने बाबासाहेब से गहनों की मांग की, बाबासाहेब ने उन्हें बहुत सारे गहने लाकर दिए, उन्होंने गहने पहने और आईने के सामने कुंकु लगाने हेतु डिब्बी देखी, वह डिब्बी बाबासाहेब ने अपने रखी थी और माताजी को बोले कि रमा आज तुम बहुत सुंदर लग रही हो,तब माता रमाई को बाबा साहेब की बात समझ आ गई और उन्होंने बाबा साहेब से कहा मुझे कुछ भी नहीं चाहिए आप ही मेरी दुनिया हो, संसार हो, इसी प्रकार प्रमुख अतिथि डॉ.चरनदास ढेंगरे जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि माता रमाई एवं सभी महापुरुषों के विचारों को आत्मसात करने से ही सम्पूर्ण मानव जाति का विकास संभव है,आगे उन्होंने बताया कि बालाघाट के लांजी मुख्यालय में 3 मई 2026 को बोधिसत्व डॉ बाबासाहेब के पौत्र एवं संस्था के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ.भीमराव यशवंत राव आंबेडकर साहेब के मुख्यातिथि में मप्र राज्य स्तरीय बौद्ध महासम्मेलन होने जा रहा हैं,जिसमें सबकी उपस्थिति एवं सहयोग की अपेक्षा की गई।

लामता में एकल अभियान का श्री हरि सत्संग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लामता। एकल विद्यालय द्वारा आयोजित श्री हरि सत्संग प्रतियोगिता का लामता के गाँधी चौक में आयोजित किया गया, यहां प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 11.30 बजे लामता सरपंच हुलासमल

कोचर एवं गांव के गणमान्य नागरिकों द्वारा पूजन एवं दीप प्रज्वलित करके किया गया,इस हरि सत्संग प्रतियोगिता कार्यक्रम में लामता क्षेत्र के 10 टीमों ने भाग लिया,जिसमें सभी ने संगीत ,ओर वाद्य यंत्रों के द्वारा संगीतमय प्रस्तुति प्रस्तुत की, इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री बजरंग रामायण मंडल पिंडरई ,दूसरा स्थान श्री कृष्ण रामायण मंडल मोरिया ओर तीसरा स्थान श्री त्रिवेणी सत्संग रामायण मंडल पातादाह ने प्राप्त किया,इस कार्यक्रम में श्री हुलासमल कोचर सरपंच लामता, श्री भुनेश्वर रजक जनपद सदस्य बालाघाट, शत्रुघ्न मोनू असाटी, शत्रुघ्न ठाकरे पत्रकार द्वारा पुरस्कार दिया गया,एवं सभी मंडलियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया,इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में श्री इंदल सिंग वाडिवा,कुंजीलाल बन्देवार,प्रीतेश बेलजी,ओर फुलबांधे जी अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया, कल विद्यालय लामता संच के अध्यक्ष अतुल अग्रवाल, उपाध्यक्ष डी एल हिरेंद्रवार,एकल विद्यालय के सभी सदस्यगण,महिला मंडल एवं

आवश्यकता है
दवा दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता हे
योग्यता- 10वीं पास
पार्ट टाईम जॉब वाले संपर्क न करें।
वेतन-योग्यतानुसार
कार्य सीखे व्यक्ति को प्राथमिकता
संपर्क-9340308019

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ग्राम पंचामा दादर और घोंदी में 100 हेक्टेयर भूमि पर बॉक्साईट खनन ब्लॉक के खिलाफ विधायक के नेतृत्व में ग्रामीण लामबंद

आरोप -ग्राम सभा पंचामा तथा सीमावर्ती ग्राम सभाओं की बिना सहमति के कम्पनियों को खनन हेतु भूमि आबंटित वनों में स्थित इन ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों ने आपत्ति प्रस्ताव किया पारित

पद्मेश विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक महत्वपूर्ण खबर के मुताबिक बैहर तहसील के उकवा, बिठली से लगे ग्रामों की भूमि पर बॉक्साइट ब्लॉक का खनन प्रक्रिया शुरु होने वाला है. उकवा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत लूद के अधीनस्थ ग्राम पंचामा दादर में दादरटोला/दादर में लौह अयस्क का अवयव खनिज बाक्साइड ब्लाकको खोज कर लिया गया है और कम्पनी को अनुमति भी प्रदान कर दिया गया है. जानकारी के मुताबिक कल इन प्रभावित ग्रामों में खनन के लिये दी गई अनुमति का वहां के ग्रामीणों ने विरोध किया हैं।

इस सन्दर्भ में विगत दिवस ग्राम सभा का आयोजन कर ग्रामीणों द्वारा आपत्ति प्रस्ताव पारित किया गया हैं। उल्लेखनीय है कि बैहर विधायक संजय उईके की उपस्थिति में यह ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें ग्रामीणों ने इस बात पर भी अपनी असहमति दिखाई की पंचायत की ओर से किसी तरह का प्रस्ताव नहीं दिया गया है।

इस सन्दर्भ में एक महत्वपूर्ण जानकारी में बताया कि पंचामा दादर में दादरटोला/दादर में बाक्साइड ब्लाक खनन हेतु ग्राम पंचायत लुद में आगामी 18 फरवरी 2026 को मध्यप्रदेश सरकार के खनिज विभाग द्वारा द्वारा लोक-सुनवाई का आयोजन किया गया है।

इस तरह सरकार द्वारा ग्राम सभा पंचामा तथा सीमावर्ती ग्राम सभाओं से बिना सहमति दादर टोला/दादर ग्राम पंचामा मे बाक्साइट खनन के लिए ग्राम पंचामा दादर में वन भूमि 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि आवंटित कर दिया गया है। इसी प्रकार ग्राम घोंदी में 40 हेक्टेयर से अधिक भूमि आवंटित कर दिया गया है।

इस ग्राम सभा के माध्यम से उपस्थितों ने बताया कि उक्त खनन ब्लाकों के लिए ग्राम सभा ने किसी भी प्रकार की सहमति नहीं दिया है। ग्राम सभा घोंदी में फर्जी सहमति प्रशासन द्वारा तैयार किया गया है।जो अनुचित है. यह क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र है पेसा तथा वन अधिकार मान्यता कानून का घोर उल्लघंन किया है। साथ ही आदिवासी एवं परम्परागत निवासियो के मान्यता को आघात पहुंचाने का कृत्य किया जा रहा है।

इस संबंध में उपस्थित विधायक संजय उईके ने कहा कि आदिवासी एवं अन्य परांपरिक मूल निवासीयों धार्मिक व देव आस्था अपमान किया जा रहा है। आदिवासीयों एवं अन्य परांपरिक मूल निवासीयों का मान्यताएं हैं। वन, जल, जीव, वनस्पति तथा पहाड़ों पर उनके रुढी-प्रथा परम्परा से संबंध रखता है तथा इनके जीव देंव है। ऐसे में यहां पर पेसा एक्ट का पालन किये बगैर बाक्साइड खनन ब्लाक की अनुमति दिया जाना गलत हैं। ग्रामीणों ने ग्राम सभा आयोजित कर मुझे आमत्रित किया था। जिसमें ग्रामीणों ने आपत्ति प्रस्ताव पारित किया हैं।

इस अवसर क्षेत्र के विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय उइके, जिला पंचायत सदस्य मंशाराम मंडावी, अडोरी सरपंच परसराम धुर्वे, द्रोप किशोर मेरावी, दलदला एवं घोंदी संरपच ग्राम सभा अध्यक्ष राजस्वकर्मी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, सहायक परियोजना प्रशासक बैहर तथा ग्राम सभा सदस्य महिला पुरुष ग्राम सभा में उपस्थित होकर दादर टोला/दादर बाक्साइट खनन ब्लाक का विरोध किया तथा आपत्ति प्रस्ताव पारित किया।

अब यह आदिवासियों तथा प्रशासन के बीच बेहद संवेदनशील मामला बनता दिख रहा है. जिसमे आदिवासी ग्रामीणों ने अपने अस्तित्व की लड़ाई निरुपित किया है।

मध्य प्रदेश के बालाघाट में नक्सलवाद के खात्मे के साथ वनांचल में खनिज संपदा की खोज शुरु. बेस्ट क्विलिटी आयरन की सम्भावना ढूंढ चुकी मशीनें

बालाघाट पहुंची स्पेशल मशीनें, अब नक्सली नहीं खनिज और बेस्ट आयरन ओर खोज रहे इक्विपमेंट्स

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

तकरीबन 37 सालों से लाल आंतक यानी नक्सलवाद का दंश झेल रहे बालाघाट को अब इससे मुक्ति मिल गई है. विगत 11 दिसम्बर को बालाघाट सहित समूचा मध्य प्रदेश नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया, जो कि एक अच्छी खबर है. जिसके बाद से नक्सल प्रभावित रहे आदिवासी बाहुल्य वनांचल क्षेत्रों में विकास की गति अब तेज हो चुकी है. सड़कों व पुल पुलियों का निर्माण, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली पानी सहित तमाम बुनियादी सुविधाओं पर लगातार कार्य जारी है. इसी बीच एक और खबर निकलकर सामने आ रही है कि अब बालाघाट के जंगलों में लौह अयस्क का पता लगाया जा रहा है।

बेस्ट क्वालिटी का लौह अयस्क का पता लगाने पहुंची मशीनें

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, बैहर तहसील के पोला पटपरी गांव में मशीनें पंहुची हैं, जो यह खोजने में जुटी हुई है कि बालाघाट के जंगलों में बेहतर लौह अयस्क उपलब्ध हो पाएंगे या फिर नहीं. सूत्रों की मानें तो यह प्रारंभिक चरण है, अगर यहां पर लौह अयस्क पाए जाते हैं तो फिर बालाघाट के जंगलों में खुदाई शुरू की जाएगी, और खनन कर जमीन के अंदर से प्राप्त खनिज पदार्थों को निकालने की प्रक्रिया शुरू होगी. हालांकि अगर ऐसा होता है तो निश्चित तौर पर यहां के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, और इन क्षेत्रों का विकास भी होगा।

वनांचल के चिन्हित क्षेत्रों में होगी अयस्क की खुदाई

गौरतलब है कि बालाघाट में वाकई अपार खनिज संपदा विद्यमान है. यदि पूरे वनांचल क्षेत्र में खुदाई की जाए तो कहीं न कहीं कुछ ना कुछ खनिज जरूर प्राप्त हो जाएगा. चूंकि बालाघाट की माटी की प्रवृति ही ऐसी है. यहां पर एशिया की सबसे बड़ी ओपन कास्ट ताम्र परियोजना मलाजखण्ड में स्थित है. हालांकि अब ये भूमिगत खदान हो चुकी है. इसके अलावा देश की सबसे बड़ी भूमिगत मैंगनीज की खदान भरवेली में है. इतना ही नहीं जिले में ऐसी दर्जनों जगहे हैं जहां से खनिज पदार्थ प्राप्त किये जा रहे हैं. इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि अगर वनांचल क्षेत्रों में खुदाई की जाती है तो किसी न किसी प्रकार का खनिज प्राप्त न हो।

चिंता में आदिवासी -क्या धराशायी हो जाएंगे बेशकीमती पेड़

विभिन्न विश्वसनीय सूत्रों तथा वनांचल क्षेत्र के निवासी लोगों से अब यह चर्चा निकलकर आ रही है कि अगर यहां पर खनिज पदार्थों का पता चला और खुदाई शुरू की गई तो फिर यहां के जंगलों का क्या होगा. क्या ये हरे भरे बेशकीमती वृक्ष धराशायी कर दिये जाएंगे? क्या वनों में रहने वाले उन आदिवासियों के सामने रोजगार का संकट उत्पन्न हो जायेगा, जो इन वनों पर पूरी तरह से आश्रित हैं. जो इन्हीं जंगलों से प्राप्त वनोपज से अपना जीवन गुजर बसर करते हैं।

कहीं बेतहाशा खनन से बालाघाट की प्रकृति खत्म ना हो जाए

चिंतनीय यह भी है कि क्या बालाघाट अपनी वह पहचान भी खो देगा, जो 53 प्रतिशत से अधिक वनों के साथ पूरे प्रदेश में अव्वल नंबर पर है. यहां के बेशकीमती वन, यहां की हरियाली, यहां की प्राकृतिक सौंदर्यता, यहां की अनुपम छटा क्या नष्ट कर दी जाएगी। उधर कहा जा रहा है कि रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे7 जिले के आदिवासी वनांचल क्षेत्र ग्राम पोला पटपरी के जंगलों में लौह अयस्क का पता लगाने के लिए एक मशीन पंहुच चुकी है. जो जंगलों में खनिज पदार्थों का पता लगा रही है. अगर इन वनांचल क्षेत्रों में लौह अयस्कों का पता चलता है तो फिर यहां के लोगों के लिये बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे. इन क्षेत्रों में विकास की गति को ब ?ावा मिलेगा, और यहां की आर्थिक स्थिति में बेहतर सुधार देखने को मिल सकते हैं. हालांकि ये प्रारम्भिक चरण है, अगर इन क्षेत्रों में माइनिंग की तलाश हुई तो जिले के दूसरे क्षेत्रों जिनमें माइनिंग संचालित है, उन्ही की तरह वनांचल क्षेत्रों में भी विकास की लहर देखने को मिलेगी, जो कि एक अच्छा संकेत है।

जिले के 7 केंद्रों पर परीक्षार्थी सम्मिलित हुए

उत्कृष्ट मॉडल एवं सर्वोच्च आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार 8 फरवरी को उत्कृष्ट मॉडल विद्यालय एवं सर्वोच्च आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया गया।यह परीक्षा जिले के कुल 7 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्कृष्ट मॉडल विद्यालय चयन परीक्षा 2026 के लिए जिले में कुल 2159 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 1966 परीक्षार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, जबकि 193 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।वहीं सर्वोच्च आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए कुल 35 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 34 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा।

परीक्षा संपन्न कराने जिले में बनाए गए 7 केंद्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस चयन परीक्षा को संपन्न करने के लिए बालाघाट जिले में 7 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जिसमे 1966 परीक्षार्थी ने चयन परीक्षा दी।इसमे एक्सीलेंस स्कूल बिरसा, एक्सीलेंस स्कूल बैहर और एक्सीलेंस स्कूल परसवाड़ा के अलावा बालाघाट नगर मुख्यालय में उत्कृष्ट विद्यालय, रानी वीरांगना दुर्गावती स्कूल, एमएलबी स्कूल और शासकीय कन्या स्कूल में परीक्षा यह चयन परीक्षा सम्पन्न कराई गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों से मिले निर्देशो के तहत संपन्न कराई गई है चयन परीक्षा- जैन

चयन परीक्षा के समन्वयक प्राचार्य मनोज कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया की सर्वोच्च आवासीय विद्यालय जबलपुर में स्थित है, जिसके लिए भी बालाघाट जिले में विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जो शांतिपूर्ण तरीके से सभी परीक्षा केंद्रों में संपन्न हुई। परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं और परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी की गई, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। जो निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त हुए से उसी के तहत यह परीक्षाएं संपन्न कराई गई है।

प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा गणना और पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शिक्षकों ने निकाली रैली

प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर, सौपा ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर 12 अप्रेल को भोपाल में प्रदर्शन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी ना होने से आजाद अध्यापक शिक्षक संघ प्रदेश सरकार से खासा नाराज है।जिन्होंने प्रदेश सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए रविवार को जमकर नारेबाजी की ,तो वही प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा गणना और पुरानी पेंशन बहाली को लेकर नगर में एक आक्रोश रैली निकाल कर, प्रदेश सरकार के नाम कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां प्रमुख इन 02 सूत्रीय लंबित मांगे पूरी ना होने से नाराज अध्यापकों ने,आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले रविवार को नगर के मोती गार्डन में एक बैठक का आयोजन कर सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया।जिसके उपरांत जिले के सभी प्राथमिक शिक्षक,माध्यमिक शिक्षक, उच्च माध्यमिक शिक्षक संवर्गों ने संयुक्त रूप से वर्षो से लंबित अपनी इन मांगों को लेकर नगर में एक रैली निकाली।जहा रैली मोती गार्डन से आम्बेडकर चौक, होते हुए काली पुतली चौक, से जय स्तम्भ चौक, वहां से डॉ विश्वेश्वरैया चौक होते हुए, यह रैली सीधे

कलेक्टर कार्यालय पहुची।जहा कलेक्टर कार्यालय के सामने सांकेतिक प्रदर्शन करते हुए पदाधिकारियो द्वारा प्रमुख रूप से प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा गणना और पुरानी पेंशन बहाली को लेकर प्रदेश सरकार के नाम एक ज्ञापन सौपा है।जिंसमे उन्होंने यूपीएस की जगह ओपीएस का लाभ देने, वही प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा की गणना कर ग्रेच्युटी का पूर्ण लाभ देने,सहित वर्षों से लंबित विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।वही उन्होंने मांग पूरी न होने पर आगामी 12 अप्रैल को प्रदेश के समस्त शिक्षकों के साथ भोपाल पहुंचकर धरना प्रदर्शन करने और प्रदेश संगठन के आह्वान पर भोपाल में ही आगामी रणनीति बनाई जाने की चेतावनी दी है।इस दौरान बड़ी संख्या में आजाद अध्यापक संघ से जुड़े पदाधिकारी सदस्य व अध्यापक शिक्षक साथी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे जिन्होंने जिन्होंने ओपीएस के समर्थन में नारेबाजी कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है।

हमे यूपीएस नही ओपीएस चाहिए

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ पदाधिकारी ने बताया कि सेवा निवृत्त उपरांत शिक्षक सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवनयापन के लिए वर्षो से लड़ाई लड़ रहे है।ये तभी संभव है जब उन्हें पुरानी पेंशन बहाली के लाभ मिलेगा।लेकिन सरकार द्वारा इसे अविलम्ब बंद कर दिया गया है।वही प्रस्तावित युनिफाईड पेंशन स्कीम (यू पी एस) लागू की गई है। जो न्याय संगत नही है। नई पेंशन स्कीम के तहत रिटायर्ड होने पर महज 5000रु की पेंशन बन रही है, इतने से में गुजर होना संभव नहीं है,उन्होंने बताया कि जो भी अध्यापक जिस दिनांक से शासन की नौकरी में नियुक्त हुआ है, उसे उसे दिनांक से वरिष्ठ मानते हुए पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए। इसीलिए हम ओपीएस की मांग कर रहे हैं।इसके अलावा कई वर्षों से शिक्षकों की अनेक जायज मांगें लंबित पड़ी हैं, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। इसी के विरोध में यह पेंशन रैली आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से रविवार के दिन बैठक और रैली का आयोजन किया गया।यहां मांग वर्षो से लंबित है जिसे शासन प्रशासन द्वारा पूरा नहीं किया जा रहा है जिसको लेकर आज संपूर्ण प्रदेश में संगठन द्वारा सांकेतिक प्रदर्शन कर, ज्ञापन सौपा गया है।

तो 12 अप्रैल को भोपाल में करेंगे प्रदर्शन- आशीष बिसेन

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष आशीष बिसेन ने चर्चा के दौरान बताया हमारी सेवा सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति दिनांक से नहीं की जा रही है, वही हमारी 20 वर्षों की सेवा अवधि को शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षकों की सेवा अवधि की गणना में दोहरी नीति अपनाई जा रही है। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना नहीं की जाती, बल्कि 1 जुलाई 2018 से ही नियुक्ति मानी जाती है, जबकि कई शिक्षक वर्ष1998, 2001,2003, 2006, 2009, 2011 एवं अन्य वर्षों से लगातार सेवाएं दे रहे हैं। वहीं क्रमोन्नति और पदोन्नति के समय प्रथम नियुक्ति तिथि से गणना की जाती है, लेकिन जब ग्रेच्युटी का मामला आता है तो प्रथम नियुक्ति तिथि को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जो शिक्षकों के साथ अन्याय है।उन्होंने यह भी कहा कि संघ द्वारा पुरानी पेंशन योजना की बहाली की प्रमुख मांग लगातार उठाई जा रही है। प्रदेश के 55 जिलों में एक साथ यह बैठक और पेंशन रैली प्रांतीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में आयोजित की गई है। उन्होंने बताया की जो शिक्षक 90-92 हजार रु प्रतिमाह का वेतन उठा रहा है जब वह रिटायर्ड होता है तो नई पेंशन स्कीम के तहत उसकी पेंशन महान 5000 बनती है। जिसमें परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो जाएगा।इसीलिए हम पुरानी पेंशन लागू किए जाने की मांग कर रहे हैं।उन्होंने चेतावनी देते हुए आगे कहा कि आज प्रदेश के समस्त 55जिलों में धरना प्रदर्शन व रैली का आयोजन कर ज्ञापन सौपा गया है यदि इस पर भी बात नहीं बनती, तो आगामी समय 12 अप्रैल को मध्य प्रदेश के समस्त शिक्षकों द्वारा भोपाल पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। वही अपनी इन मांगो को पूरा कराने के लिए प्रांतीय आव्हान पर आगामी रणनीति तैयार की जाएगी।

बालाघाट में भवन ठेकेदारों को अंतिम चेतावनी

अब सिर्फ 8 दिन बाकी, पंजीयन नहीं कराया तो लगेगा पेनल्टी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में भवन निर्माण कार्यों को व्यवस्थित और गुणवत्ता-युक्त बनाने के लिए भवन निर्माण ठेकेदार संघ ने अब सख्त रुख अपना लिया है। संघ द्वारा जारी सूचना के अनुसार नवीन पंजीयन और पंजीयन नवीनीकरण की अंतिम तारीख 15 फरवरी तय है, जबकि आज की तारीख से देखा जाए तो ठेकेदारों के पास केवल 8 दिन का समय शेष रह गया है।संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जो ठेकेदार तय समय सीमा में अपना पंजीयन पूरा नहीं करेंगे, उनसे बाद में अतिरिक्त पेनल्टी शुल्क वसूला जाएगा, साथ ही संघीय स्तर पर कार्रवाई भी की जा सकती है।इस बार संघ ने पंजीयन अभियान को औपचारिकता नहीं, ज़रूरत बताते हुए कहा है कि हाल ही के बीते महीनों में कई अपंजीकृत ठेकेदारों द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे मामलों में काम पूरा होने के बाद जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती, जिससे मकान मालिकों को आर्थिक और कानूनी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं।इसी वजह से अब संघ ने जिले के सभी ठेकेदारों को तत्काल पंजीयन कराने और आम नागरिकों से केवल पंजीकृत ठेकेदारों से ही निर्माण कराने की अपील दोहराई है।संघ का कहना है कि यह कदम निर्माण क्षेत्र में अनुशासन, पारदर्शिता और भरोसा कायम करने के लिए उठाया गया है।

नगर में भगवामय हुआ वातावरण, विशाल हिन्दू सम्मेलन आज

तैयारी पुर्ण, सनातन धर्म की निर्भीक विश्व प्रख्यात ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी का होगा संबोधन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के सांदीपनी स्कूल (हाई स्कूल) खेल मैदान में सकल हिन्दू समाज के तत्वाधान में आयोजित होने वाले विशाल हिंदू सम्मेलन के लिए नगर पूरी तरह से सज-धज कर तैयार है। जिससे पूरा नगर भगवामय वातावरण में नजर आ रहा है। आज ९ फरवरी को स्थानीय हाई स्कूल खेल मैदान में आयोजित होने वाले इस भव्य हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम को लेकर न केवल नगर, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी भारी उत्साह देखा जा रहा है। वहीं इस विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम को लेकर सकल हिन्दू समाज के द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर सनातन धर्म की निर्भीक विश्व प्रख्यात ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी का दोपहर १ बजे आगमन भी हो रहा है। जिनके द्वारा उपस्थित लोगों को संबोधित कर समाज को जागृत और संगठित होने का संदेश देगी।

भगवा ध्वजों से पटीं गलियां

विशाल हिन्दु सम्मेलन के स्वागत में पूरे नगर को भगवा रंग में सराबोर कर दिया गया है। मुख्य मार्गों से लेकर गलियों तक हर तरफ लहराते भगवा ध्वज और तोरण द्वार इस आयोजन की भव्यता की गवाही दे रहे हैं। कार्यक्रम स्थल सांदीपनी स्कूल (हाई स्कूल) लालबर्रा खेल मैदान में विशाल पंडाल और मंच तैयार किया जा चुका है, जहां हजारों लोगों के बैठने की सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई है। वहीं इस सम्मेलन में मुख्य आकर्षण प्रखर और ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी जी का संबोधन होगा। वहीं आयोजकों के अनुसार साध्वी सरस्वती दीदी अपने व्याख्यान के माध्यम से समाज को जागृत और संगठित होने का संदेश देंगी। उनकी लोकप्रियता को देखते हुए प्रशासन और आयोजन समिति ने सुरक्षा व सुचारू व्यवस्था के कड़े प्रबंध किये गये है। वहीं विशाल हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम को सफल बनाने में सकल हिंदू समाज के अंतर्गत आने वाले सभी संगठनों ने दिन-रात एक कर दिया है। संगठन के पदाधिकारियों ने क्षेत्रीयजनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस धार्मिक और सामाजिक समागम का हिस्सा बने। वहीं ९ फरवरी को आयोजित विशाल हिन्दु सम्मेलन कार्यक्रम में क्षेत्रभर से कलश यात्रा के माध्यम से श्रध्दालुजन पहुंचेगें। साथ ही विविध धार्मिक कार्यक्रम भी संपन्न होगें। जिसकी तैयारी आयोजन समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजक समिति संयोजक प्रशांत जैन, पालक राहुल शुक्ला, सहसंयोजक श्रीराम नागेश्वर, किरण नामदेव, कोषाध्यक्ष गगन अग्रवाल, राजेश हटवार, राकेश अवधिया, देवेन्द्र चौधरी, मुकेश पटले, राजेन्द्र मानेश्वर, रवि पंचेश्वर, डॉ अरूण पंचेश्वर, अशोक, अरूण अग्रवाल, बसंत सौलाखे, अजय कौशल सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने की है।

साध्वी सरस्वती दीदी जी का आगमन आज - राहुल

विशाल हिन्दु सम्मेलन कार्यक्रम के पालक राहुल शुक्ला ने बताया कि इस भव्य हिन्दू सम्मेलन आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी पुरी कर ली गई है और गांव-गांव में अक्षत कलश यात्रा निकालकर हिन्दु धर्मालंबियों से ९ फरवरी को लालबर्रा के सांदीपनी स्कूल (हाई स्कूल) खेल मैदान में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में पहुंचने आमंत्रण भी दिया गया है। श्री शुक्ला ने बताया कि इस सम्मेलन में सनातन धर्म की निर्भीक विश्व प्रख्यात ओजस्वी वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी का भी आगमन हो रहा है। जिनके द्वारा अपनी ओजस्वी वाणी से लोगों को हिंदुत्व की रक्षा, धर्म के प्रति गौरव और सामाजिक चेतना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। साथ ही इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना और अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। जिसके लिए कार्यकर्ताओं की टोलियां घर-घर जाकर निमंत्राण दे रही हैं। साथ ही यह भी बताया कि इस आयोजन में हर वर्ग और आयु के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि सामाजिक समरसता का संदेश दूर-दूर तक पहुंचे। साथ ही समाज के सभी प्रबुध्दजनों और युवाओं से आव्हान है कि वे इस सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाकर इसे ऐतिहासिक बनाये।

बरघाट बोरी नहर की पुलिया के पास बना गड्ढा, जिम्मेदार मौन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मानपुर से कटंगी मार्ग स्थित ग्राम बरघाट के समीप नहर के ऊपर बना पुलिया के समीप गड्ढा बन गया है। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह इसी मार्ग पर अन्य स्थानों पर भी सड़क खराब हो चुकी है एवं गड्ढे बन गये है जिससे लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। वहीं

बरघाट के समीप पुलिया के पास सड़क के बीच सड़क पर एक गहरा गड्ढा निर्मित हो गया है। जबकि यह एक व्यस्तम मार्ग है जिसके कारण हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। किन्तु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे आने-जाने वाले राहगीरों व ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीण एवं राहगीरों का आरोप है कि पुलिया के साथ ही सड़क निर्माण में अनियमितता बरती गई है और पुलिया का निर्माण सीमेन्टीकरण किया गया है उसके बाद से डामरीकरण सड़क बनी है। ऐसी स्थिति में पुलिया के समीप सड़क के बीच में गड्ढा बन चुका है। जो दुर से दिखाई नही देता है। ऐसी स्थिति में तेज गति से दुपहिया एवं चौपहिया वाहन गुजरते है तो उक्त वाहन अनियंत्रित हो सकते है और अचानक गड्ढा दिखाई देने पर वाहन कंट्रोल नही होने पर भी दुर्घटनाएं हो सकती है। जबकि यह स्थान मोड़ाई वाले भाग है इसलिए सड़क पर बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन।

रात के समय बढ़ जाता है खतरा

राहगीर एवं ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग मानपुर और कटंगी को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है और एक व्यस्तम मार्ग है। इस मार्ग से रोजाना चौपहिया सहित अन्य बड़े वाहनों का आवागमन होता है। रात के अंधेरे में दूर से यह गड्ढा दिखाई नहीं देता जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए सड़क विभाग से मांग है कि मानपुर से कटंगी मार्ग के बरघाट के पुलिया के पास बने गड्ढे सहित अन्य स्थानों पर बने गड्ढे व खराब हो चुकी सड़क वाले स्थानों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

कंजई में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

सैकड़ों ग्रामीणों के आंखों की हुई जांच, १० लोग मोतियाबिन्द आपरेशन के लिए हुए चिन्हित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मानवता की सेवा और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से देवजी नेत्रालय, तिलवारा घाट (जबलपुर)

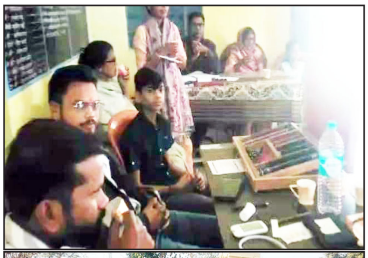

द्वारा ग्राम पंचायत कंजई के सामुदायिक भवन में रविवार को विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन के मार्गदर्शन और सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर कंजई सरपंच आनंद बिसेन की प्रमुख उपस्थिति में सर्वप्रथम भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों की टीम के द्वारा शिविर के दौरान एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों की आंखों की नि:शुल्क जांच की गई। जिसमें उपस्थित लोगें के आंखों की सामान्य जांच के साथ-साथ जरूरतमंदों को रियायती दरों पर चश्मे और दवाइयों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। जांच के दौरान १० लोगों में मोतियाबिंद के लक्षण पाये गये। इन सभी को सरपंच आनंद बिसेन के द्वारा वाहन को झंडी दिखाकर स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए ऑपरेशन के लिए देवजी नेत्रालय जबलपुर रवाना किया गया है। शिविर में देवजी नेत्रालय के अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दी। जिनमें कर्मवीर सिंह (डॉक्टर), अभिषेक सिंह, प्रकाश चौहान, रेखा चौहान, कालू सैन शामिल रहे। सरपंच अधि आनंद बिसेन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के शिविरों की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को भी आंखों का बेहतर उपचार मिल सके। श्री बिसेन ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है और मानवता की सेवा करने से पुण्य लाभ अर्जित होता है, स्वस्थ रहना ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। साथ ही देवजी नेत्रालय की टीम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के जनसेवा कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया। इस नि:शुल्क नेत्र शिविर को सफल बनाने में कंजई सरपंच प्रतिनिधि आशीष बिसेन, रोजगार सहायक सीताराम पंचेश्वर, मेट गौरीशंकर कटरे सहित पंचों व ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में ७ दिनों तक होगें विविध धार्मिक अनुष्ठान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से समीपस्थ ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कॉलोनी स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति के तत्वाधान में ८ फरवरी से ७ दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का कलशों की शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में मंदिर में भगवान भोलेनाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद डीजे की धुन पर भव्य कलश की शोभायात्रा निकाली गई। वहीं डीजे की भक्तिमय धुनों पर निकली इस यात्रा ने नगर के प्रमुख चौक-चौराहों का भ्रमण किया। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रध्दालु माताएं और बहनें सिर पर मंगल कलश लेकर इस यात्रा में सम्मिलित हुई। शोभायात्रा वापस मंदिर पहुंची तत्पश्चात ७ दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ प्रारंभ हुआ। वहीं चित्रकूट धाम (उत्तर प्रदेश) से पधारे आचार्य पंडित अशोक कुमार पाण्डेय एवं आचार्य पंडित विमल मिश्रा के द्वारा संपन्न करवाये जा रहे। इस महायज्ञ में ९ फरवरी से १४ फरवरी तक प्रात: ८ बजे से ९.३० देवपूजन, अभिषेक, प्रात: १० बजे से दोपहर १२ बजे तक विशेष हवन एवं आहुतियां, दोपहर ३ बजे से शाम ६ बजे तक श्री विष्णु श्री विष्णुसहसनाम पाठ संपन्न करवाया जायेगा। साथ ही १५ फरवरी को प्रात: १० बजे से श्री पार्थिव शिव पूजन संपन्न होगा। वहीं इस ७ दिवसीय महायज्ञ के दौरान आचार्यों के द्वारा श्रध्दालुओं को इस आयोजन के आध्यात्मिक महत्व एवं उद्देश्यों से अवगत करवाया जा रहा है और लोग धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। चर्चा में श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर (ला) के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री मनकामेश्वर मंदिर परिसर से ८ फरवरी को कलशों की शोभायात्रा निकालकर श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है एवं ९ फरवरी से १४ फरवरी तक प्रतिदिन प्रात: ८ बजे से ९.३० बजे तक देवपूजन, प्रात: १० बजे से १२ बजे तक हवन, दोपहर ३ बजे से शाम ६ बजे तक श्री विष्णुसहसनाम पाठ, हवन तत्पश्चात महाआरती की जायेगी, १५ फरवरी को प्रात: १० बजे से श्री पार्थिव शिव पूजन, शाम ५ बजे से भव्य शिव बारात प्रस्थान श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर से होगी। आगे बताया कि १६ फरवरी को शाम ५ बजे से सम्मानीय वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं ६ बजे से महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। आगे बताया कि ७ दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ कार्यक्रम चित्रकुट धाम उ.प्र. से पधारे आचार्य पं. श्री आशोक कुमार पाण्डेय, आचार्य पं. श्री विमल मिश्रा के द्वारा संपन्न करवा जा रहा है और श्रध्दालुजनों को इस महायज्ञ के आध्यात्मिक उद्देश्य व महत्व के बारे में अवगत करवाया जा रहा है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील श्री भोलेशंकर जनकल्याण समिति मानपुर-लालबर्रा के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

सिहोरा में राष्ट्रीय सेवा योजना का ७ दिवसीय शिविर जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत सिहोरा में लालबर्रा शासकीय महाविद्यालय का ७ दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर जारी है। शिविर के दुसरे दिन रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों (शिविरार्थी) के द्वारा सुबह प्रभात फेरी राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के साथ निकाली गई। जिसके बाद नालियों एवं सड़कों की सफाई कर ग्रामीणजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। आयोजित शिविर के बौध्दिक सत्र में सायबर सुरक्षा और ग्रंथालय विषय में विषय विशेषज्ञओं को आमंत्रित किया गया। जिसमें लालबर्रा के थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को सायबर सुरक्षा और हैकिंग के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही श्री चतुर्वेदी ने अपने व्याख्यान में बुनियादी शिक्षा की अनिवार्यता पर जोर देते हुए शिविर में जो सीखाया जा रहा है उसे आत्मसात कर अच्छी पढ़ाई कर आगे बढ़ने की बात कही। विशिष्ट अतिथि हेमंत मुदलियार ने अपने व्याख्यान में एआई के लाभ, हानि और वैबसाइट के उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान की। वहीं महाविद्यालय की ग्रन्थपाल श्रीमती संध्या भलावे ने अपने उद्बोधन में इ- ग्रंथालय और इन्फेलिबनेट के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. प्रदीपकुमार भीमटे ने अपने व्याख्यान में सायबर सुरक्षा के बारे में जानकारी प्रदान किया। दीपक अहिरवार स्वयं सेवकों को वित्तीय लेन-देन की प्रकिया को समझाया। राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के द्वितीय दिवस के बौध्दिक सत्र का आभार प्रदर्शन शिविर प्रभारी डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं मंच संचालन छात्र साजेंद्र लांजेवार के द्वारा किया गया। वहीं शिविर के सभी दलों द्वारा इस अवसर पर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

सैंट्रल बैंक लालबर्रा के ऊपर हमारे नवनिर्मित लॉज में दो लड़कों की रिसेप्शन में कार्य करने हेतु आवश्यकता है, योग्यता कम से कम 10 वीं पास होना चाहिए।

-: मिलने का समय :-
प्रातः 9 से 11 बजे तक
- स्थान -
रामदेव राईस मिल लालबर्रा
मोबाइल नंबर
7875129343,
6267701808

बुदबुदा-धानीटोला मार्ग पर रेल्वे अंडर ब्रिज निर्माण से ग्रामीण आक्रोशित

रेल्वे डिविजनल इंजीनियर के निरीक्षण के बाद से ग्रामीणों ने बैठक कर जताया विरोध

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बुदबूदा धानीटोला के मध्य वारासिवनी तिरोड़ी रेलवे लाइन पर पड़ने वाले बीके ३८ रेलवे क्रॉसिंग पर बनने वाले रेल्वे अंडर ब्रिज को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा ८ जनवरी को रेलवे क्रॉसिंग के पास बैठक कर विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं रेलवे अंडर ब्रिज को निरस्त कर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण की मांग की गई। इस दौरान मांग पूर्ण नही होने पर जन आंदोलन की भी चेतावनी ग्रामीणों के द्वारा दी गई है। यह आक्रोश बीते दिनों रेलवे क्रॉसिंग बीके ३८ पर हुए डिविजनल इंजीनियर के दौरे के बाद से ग्रामीणों में व्याप्त है। उनके द्वारा अंडर ब्रिज निर्माण का विरोध कर ओवर ब्रिज की मांग की जा रही है।

बीके ३८ का रेलवे अधिकारियों ने निरीक्षण कर कार्य प्रारंभ करने कही बात

बालाघाट से तिरोड़ी रेलवे मार्ग बना हुआ है इस मार्ग पर बीके ३८ रेलवे क्रॉसिंग बुदबूदा ,धानीटोला के मध्य से गुजरता है। जहां पर कुछ वर्ष पहले अंडर ब्रिज की स्वीकृति रेलवे के द्वारा दी गई थी। जहां ठेकेदार के द्वारा कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया था। जिस पर मौके की भौगोलिक स्थिति में एक तरफ नदी दूरे तरफ खेत तालाब हैं ,वहीं यह जिला स्तरीय मार्ग जो अंतरराज्यीय मार्ग के रूप में स्थित है। जिस पर संघन आवागमन ट्रांसपोर्टेशन बना रहता हैं सहित अनेक प्रकार की स्थितियों को देखते हुए ग्रामीणों के द्वारा विरोध किया गया था। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी इस पर आपत्ति जताई जिसके बाद कार्य बंद हुआ था। परंतु बीते दिनों डिविजनल इंजीनियर सहित अन्य रेलवे के अधिकारियों के द्वारा बीके ३८ रेलवे क्रॉसिंग का निरीक्षण किया गया। जहां रेलवे अंडर ब्रिज का कार्य प्रारंभ करने की बात की गई जिस पर ग्रामीणों का पुन: आक्रोश भड़क उठा है। उनके द्वारा रेलवे प्रशासन को अंडरपास निरस्त करने रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। क्योंकि देखा जाए तो बालाघाट से वारासिवनी और वारासिवनी से कटंगी मुख्य मार्ग पर चार रेलवे क्रॉसिंग पड़ती है। जहां पर गर्रा ,वारा, शेरपार में रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है ,परंतु बीके ३८ बुदबूदा धानीटोला के मध्य रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे अंडर ब्रिज के लिए स्वीकृति समझ से परे है। जबकि समीप में नदी बहती है आसपास खेत तालाब स्थित है ऐसे में जल भराव की स्थिति हमेशा बनी रहेगी। वहीं आवागमन भी कई प्रकार से बाधित होगा जबकि महानगरों को जोड़ने वाला यह मार्ग है। जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा रेलवे क्रॉसिंग के पास ८ जनवरी को बैठक कर रेलवे अंडर ब्रिज बनाने का विरोध किया गया है। वही जल्द जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन के माध्यम से समस्या संज्ञान में लाने का निर्णय लिया गया है। हालांकि वर्तमान में ग्रामीणों के अंदर रेलवे अंडर ब्रिज निर्माण की बात से काफी आक्रोश व्याप्त है।

यहां पर अंडरपास किसी भी हालत में सफल नहीं है ओवर ब्रिज ही बनाना चाहिये- लोमहर्ष बिसेन

जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन ने बताया कि बीके ३८ रेलवे क्रॉसिंग वारासिवनी कटंगी मार्ग पर है। यहां रेलवे के द्वारा रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है जो कि गांव वालों को नामंजूर है। यहां पर नदी लगी हुई है नदी में जब पानी आएगा तो आवागमन अवरुद्ध होगा। भौगोलिक स्थिति को भी अधिकारियों को देखना चाहिए यहां अंडरपास किसी भी हालत में सफल नहीं है। रेलवे ओवर ब्रिज बनना चाहिए इसके लिए हम विरोध जाहिर कर रहे हैं।

भौगोलिक स्थिति देखना चाहिए पास में नदी है अंडर ब्रिज बनेगा तो पानी भरेगा-पीतांबर नागेश्वर

पूर्व जनपद सदस्य पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि पूर्व में रेलवे अंडर ब्रिज को लेकर विरोध जताया गया था। ३ वर्ष पहले इसका काम चालू हुआ था परंतु फिर जनता की मांग पर काम बंद हो गया था। परंतु तीन दिन पहले सूचना मिली कि रेलवे के अधिकारी आए थे और काम का निरीक्षण कर काम चालू करने कहा है। यह मुख्य मार्ग है बालाघाट से कटंगी मार्ग पर चार रेलवे और ब्रिज बन रहे हैं तो बीके ३८ में अंडरपास क्यों बन रहा है। यहां भौगोलिक स्थिति देखना चाहिए पास में नदी है अंडर ब्रिज बनेगा तो पानी भरेगा। यह रेलवे अधिकारी और ठेकेदार का क्या तालमेल है तो पता नहीं जबकि यह अंडर पास निरस्त कर चुका था अब क्यों उसे बनाने में लगे हैं।

अंडर ब्रीज बनेगा तो जन आंदोलन करेंगे-हंसराज कावरे

सरपंच हंसराज कावरे ने बताया कि पिछले ४ वर्षों पहले आंध्र प्रदेश के ठेकेदार के द्वारा अंडर ब्रिज का काम चालू किया गया था। जिसे विरोध के बाद निरस्त कर दिए थे उस समय तत्कालीन सांसद और विधायक ने आकर देखा भी था और प्रयास भी किया। परंतु चार दिन पहले रेलवे अधिकारी डीएम आये मैं भी यहां मौके पर आया था तो उन्होंने मुझे अवगत कराया कि अंडरपास यहां पर बनना है। यही बात मैंने अपने गांव और क्षेत्र के लोगों को बताई जिससे जनता में आक्रोश है। क्योंकि अंडर पास यहां पर सूटेबल नहीं है यदि हमारी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जन आंदोलन करेंगे।

अंडर ब्रिज बनेगा तो जल भराव होगा यातायात बाधित होगा समस्या हर समय बनी रहेगी-कचरूलाल पंचतिलक

कचरूलाल पंचतिलक ने बताया कि हमारा विरोध बीके ३८ पर रेलवे अंडर ब्रिज बनाने की जो शासन की मंशा है। रेलवे ओवर ब्रिज की हमारी मांग है यह जिला सड़क है जो अंतरराज्यीय मार्गों को जोड़ती है संघन यातायात यहां पर बना रहता है। महादेव नाला पास में है जिसमें तेज बहाव होता है किसानों के खेत तालाब भी यहां पर लगे हुए हैं। अंडर ब्रिज बनेगा तो जल भराव होगा यातायात बाधित होगा समस्या हर समय बनी रहेगी। यह पहला नहीं है इसके पहले भी हमारे यहां ग्रामीण क्षेत्रों में अंडर ब्रिज बने हैं हमने देखा है क्या समस्या होती है। सब जगह ओवर ब्रिज बन रहे हैं यहां अंडर ब्रिज बनाना खुला अन्याय है। जब यहां पर जल भराव की स्थिति बनेगी तो वह पानी लोगों के घरों में भी घुसेगा प्रशासन को गंभीरता से इस पर विचार करना चाहिए।

सरस्वती स्कूल में बिदाई समारोह का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सरस्वती उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में ८ फरवरी को बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह बिदाई कार्यक्रम मुख्य अतिथि विद्यालय अधीक्षक जितेंद्र टेंभरे ,विद्यालय प्राचार्य राजेंद्र मिश्रा सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित जनों के द्वारा मां सरस्वती और भारत माता के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना कर सभी का तिलक वंदन किया गया। यह बिदाई कक्षा १० वीं के छात्र छात्राओं को कक्षा ९ वी के छात्र छात्राओं के द्वारा दी गई। जिसमें उपस्थिति अतिथियों ने छात्र छात्राओं को अच्छी बातें सीख कर आगे बढ़ने की बात कह कर अपने माता पिता का नाम रोशन करने की उम्मीद की गई। जिसके बाद छात्र छात्राओं के द्वारा नृत्य गीत भाषण जैसे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। वहीं कुछ खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें छात्र.छात्राओं के द्वारा भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान ओशी मेश्राम ,स्नेह बुर्डे ,करिश्मा पटले ,रिया कनोजे ने नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं प्रिंस हरिनखेड़े ,मानव सहारे ,ऋषभ भटरे ने गेम्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया। तत्पश्चात् कक्षा दसवीं के छात्र.छात्राओं को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राएं शिक्षक शिक्षिकायें मौजूद रहे।

खापा पुलिया की सेफ्टीवाल क्षतिग्रस्त, दुर्घटना को दे रही आमंत्रण

राहगीरों ने पुलिया की मरम्मत कर रेलिंग लगाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम मेहंदीवाडा से खापा मार्ग पर बहने वाली ढूटी नहर पर बने पुलियां की सेफ्टी वाल अज्ञात वाहनों की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गई है। जहां दुर्घटना की ओर संभावनाएं बढ़ गई है जिसको लेकर लंबे समय से ग्रामीण एवं राहगीरों के द्वारा पुलियां का चौडीकरण कर व्यवस्थित रेलिंग या सेफ्टी वाल बनाए जाने की मांग की जा रही है। किंतु वर्तमान तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया जिसका कारण रहा की अज्ञात वाहन पुलियां पर बनी आधी अधूरी रेलिंग को टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया है। हालांकि इस दौरान यह अच्छा रहा की कोई वाहन नहर में नहीं उतरा परंतु आवागमन कर रहे लोगों में और ज्यादा भय का वातावरण देखा जा रहा है। विदित हो कि यह पुलियां करीब १० फीट चौड़ा है जहां से एक बड़ा ट्रक आना जाना कर सकता है । इस दौरान कोई मोटरसाइकिल चालक भी नहीं निकल सकता है। इस प्रकार की मौके पर स्थित है जहां सुबह से देर रात तक भारी ट्रक प्रतिदिन खापा कैंप आना.जाना करते हैं तो वहीं करीब आधा दर्जन ग्राम के ग्रामीण भी इसी मार्ग से वारासिवनी मुख्यालय आते जाते हैं। यहां पर यदि कोई छोटा बड़ा वाहन एक तरफ से आता है तो दूसरे तरफ की स्कूल बस ट्रक टेंपो मोटरसाइकिल साईकिल सभी को रुकना पड़ता है। पुलियां पर जो सेफ्टीवाल है वह केवल बीच में ८ से १० फीट की बनी हुई है जबकि नहर की बहुत ज्यादा चौड़े है और पुलिया के दोनों ओर प्रारंभ और अंत पर सेफ्टी वाल नहीं है। जहां करीब ५ फीट सेफ्टी वाल नहीं है वहीं गहराई बनी हुई है ऐसे में गत दिवस हुए हादसे में टूटी सेफ्टी वाल देखकर हर कोई डरा हुआ है। उनके द्वारा सावधानी पूर्वक आवागमन किया जा रहा है परंतु मौके पर रात्रि के समय बहुत ज्यादा दिक्कत का विषय बना हुआ है। जिसको संबंधित विभाग गंभीरता से नहीं ले रहा है जिससे प्रतीत होता है कि वह किसी बड़े दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। ऐसे में राहगीर एवं ग्रामीण दोनों में आक्रोश व्याप्त है जिनके द्वारा यह खापा पुलियां का चौड़ीकरण करने एवं व्यवस्थित पुलियां में रेलिंग लगाने या सेफ्टी वालों का निर्माण करने साथ ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

मेंहदीवाड़ा और खापा के बीच बनी नहर की पुलियां बनाना अति आवश्यक है-झनकलाल बड़गे

ग्रामीण झनकलाल बड़गे ने बताया कि हम मेहंदीवाड़ा के रहने वाले हैं यह जो पुलियां है इसके पास में हम निवास करते हैं। वर्तमान में यह पुलियां खतरा बना हुआ है वाहनो का आना जाना बहुत ज्यादा यहां पर बना होता है। वहीं पास में हमारे जैसे कई लोग निवास करते हैं इन सभी के लड़के बच्चे हैं उनका भी खतरा है। जब एक गाड़ी आती है तो दूसरी को खड़ा रहना पड़ता है यह अभी टूट भी गया है किसी गाड़ी वाले ने टक्कर मारा है। आगे खापा कैंप है जहां से रोजाना ट्रक आते जाते हैं इस पुलियां को बनाया जाए ताकि दुर्घटना से बचाव हो सके।

नहर की पुलिया को चौड़ा कर सेफ्टीवाल बनाना चाहियें-रंगलाल कोकोटे

ग्रामीण रंगलाल कोकोटे ने बताया कि हम खापा के रहने वाले हैं और यह जो सड़क है वह सीधे खाप के आगे विभिन्न ग्रामों को जाती है। अभी तो यह पुलियां की सेफ्टी वाल टूट गई है इसके पहले ट्रैक्टर से टक्कर हुई थी फिर सब ठीक था परंतु अब कब यह टूटी पता नहीं करीब एक सप्ताह हुआ होगा। यह पुलियां को चौड़ा करना बहुत जरूरी है कई बार दुर्घटनाएं होती है लोग बच जाते हैं परंतु बड़ी दुर्घटना होने में समय नहीं लगने वाली है। सभी का भला हो यह ध्यान में रखकर काम करना चाहिए शुरू से अंतिम तक रेलिंग लगा देनी चाहिए और इसे थोड़ा चौड़ा करवा देना चाहिए।

करीम स्पोर्ट्स नागपुर के आकाश कोम्बे के तूफानी बल्लेबाजी में उड़ी हरियाणा टीम

नागपुर की टीम ने किया सेमीफाइनल में प्रवेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी के ऐतिहासिक देवधर क्रिकेट मैदान पर जब जज्बा और कौशल का मेल होता है तो परिणाम करीम स्पोर्ट्स क्लब नागपुर की जीत की तरह ही आता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के विशेष प्रयासों से आयोजित ऑल इंडिया देवधर महोत्सव २०२६ के ३२ वें वर्ष के अंतर्गत खेले गए रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नागपुर ने अपनी बादशाहत कायम करते हुए पलवल ११ हरियाणा को ३९ रनों से करारी शिकस्त दी। मैच की शुरुआत में आयोजन समिति के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। जिसके पश्चात मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों ने एक साथ राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्मिता जयसवाल, चेतना देवरस, पूनम झा, अलका खंडेलवाल, यामिनी त्रिवेदी, हर्षिका शिवहरे, अमिता पारधी, स्मिता ताठौड़, किरण शर्मा, मधु जायसवाल, पूनम गिडवानी, रितु अग्रवाल, योगिता वर्मा और शीतल अरोरा मौजूद रहे। मैच के प्रारंभ में हरियाणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। नागपुर की बल्लेबाजी में नागपुर की ओर से सलामी बल्लेबाज के रूप में तुषार काडू और रॉबिन सिंह उतरे। लेकिन टीम की शुरुआत खराब रही, पहला विकेट मात्र १ रन के योग पर गिरा और दूसरा विकेट ८ रन के स्कोर पर खोकर टीम दबाव में आ गई। इसके बाद आकाश और आर्यन मेश्राम ने मोर्चा संभाला। आकाश ने मात्र २६ गेंदों में ५ चौके और ४ छक्कों की मदद से तूफानी ५० रन बनाए। आर्यन मेश्राम ने २३ गेंदों में ३ चौके और ३ छक्कों के साथ ४० रनों का योगदान दिया। मोहम्मद करीम ने ३१ गेंदों में ३ चौके और २ छक्के लगाकर नाबाद ३७ रन जड़े। प्रेम मेहरा ने २७ गेंदों में १ चौका और २ छक्के की मदद से ३२ रन बनाए। पूरी टीम ने २० ओवर में १८४.६ रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। हरियाणा की गेंदबाजी में हरियाणा के कप्तान रवि तेवतिया ने ४७ रन देकर २ विकेट और हार्दिक वी ने २८ रन देकर २ विकेट लिए। १८५ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की ओर से बाबा और उरुज अली ने ओपनिंग की। हरियाणा का पहला विकेट ४० रन पर गिरा, मध्यक्रम में धीरज होलकर ने सर्वाधिक ३५ रन ,२ चौके,२ छक्के बनाए। बाबा ने २५ रन ,४ चौके, १ छक्का और उरुज अली ने २४ रन,३ चौके बनाए। हरियाणा की टीम २० ओवर में ९ विकेट खोकर १४५ रन ही बना सकी। नागपुर के गेंदबाज आकाश ने ४ ओवर में ३४ रन देकर ३ विकेट झटके। प्रेम मेहरा ने १८ रन देकर २ विकेट लिए। जबकि आशुतोष सिंह और मोहम्मद करीम ने १-१ विकेट हासिल किया। अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ५० और ३ विकेट लेने के लिए आकाश को मैन ऑफ मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार संस्थापक सदस्य दीपक आड़े, पार्षद पवन धुर्वे ,आयोजन समिति एवं स्कोरर योगेश वरकड़े , अभिषेक ठाकुर, सूरज बांड़ेबुचे और विजय यादव, कैलाश कसार,विनोद मिश्रा के हंस्ते दिया गया। आयोजन समिति एवं तकनीकी टीम में अरविंद शुक्ला,अरमान खान, वेद प्रकाश पटेल,अमित एरपुड़े, मिलिदं नगपूरे, मोनु लिमजे उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेंड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

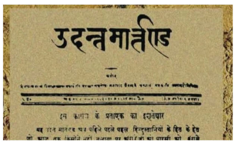

सावधानी जरूरी है

पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के नौ फरवरी, 2025 को इस्तीफे दिए जाने के उपरांत लगे राष्ट्रपति शासन के करीब एक वर्ष बाद मणिपुर में नए मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों की व्यवस्था से यह उम्मीद की जा रही थी कि अस्थिरता, हिंसा और अविश्वास के लंबे दौर के बाद अब हालात धीरे-धीरे सामान्य होंगे, लेकिन शीघ्र ही चुराचांदपुर में जिस तरह से हिंसा भड़की, उससे साफ है कि राज्य में शांति बहाली की राह आसान नहीं होने वाली। जातीय संतुलन साधने के लिए नई सरकार में मैतेई समुदाय के भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह को मुख्यमंत्री, तो कुकी नेता नेमचा किपगेन और नगा समुदाय के एल डिखो को उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि उस गहरे सामाजिक-जातीय संकट से बाहर निकलने की एक कोशिश भी है, जिसने बीते वर्षों में मणिपुर को हिंसा, अविश्वास और प्रशासनिक ठहराव की स्थिति में डाल रखा था। लेकिन, चुराचांदपुर में हुई हिंसा केंद्र और राज्य सरकार को %सावधानी जरूरी है% का संदेश देती है। ताजा हिंसा की वजह यह बताई जा रही है कि नेमचा किपगेन के उपमुख्यमंत्री बनने से कुकी समुदाय बंट गया है, और सरकार में शामिल कुकी विधायकों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, मणिपुर ने 2023 में शुरू हुई मैतेई-कुकी हिंसा में काफी कुछ खोया है। मैतेई

समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग, भूमि अधिकारों पर विवाद और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे मुद्दों ने हिंसा को भड़काया। हजारों लोग विस्थापित हुए, सैकड़ों मौतें हुईं और अर्थव्यवस्था ठप हो गई। केंद्र सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए, पर स्थानीय नेतृत्व की कमी और समुदायों के बीच अविश्वास ने समस्या को जटिल बना दिया। राष्ट्रपति शासन के दौरान सुरक्षा बलों ने भले ही कट्टरपंथी समूहों के जोश को कम किया है, लेकिन लंबे जातीय संघर्ष के बाद अनुमानित 60 हजार विस्थापितों में से सिर्फ नौ हजार लोगों का ही घर लौटना भरोसे की कमी को ही दर्शाता है। कुकी-जो समूह जिस अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं,

वह संभव नहीं और इससे विवाद बढ़ेगा ही। दरअसल, मणिपुर की समस्या केवल प्रशासनिक या सांविधानिक ढांचे की बहाली से खत्म नहीं होगी। सच्ची स्थिरता के लिए सतर्कता के साथ समुदायों के बीच संवाद और दीर्घकालिक समावेशी समाधान की जरूरत है। मणिपुर में खेमचंद सिंह के नेतृत्व वाली नई सरकार राज्य के लिए नई उम्मीद का प्रतीक है, लेकिन यह तो समय ही बताएगा कि यह

जात ही पूछो सबकी

-बलबीर पुंज

'सामाजिक न्याय' अनिवार्य है और सबको समान अवसर प्राप्त होने चाहिए। किंतु 'सामाजिक न्याय' के नाम पर हिंदू समाज को जातियों के आधार पर विभाजित करना और वैमनस्य को बढ़ावा देना अंततः किसके हित में होगा? यदि भारत इस औपनिवेशिक नैरेटिव से मुक्त नहीं हो पाता, तो क्या वह विकसित राष्ट्र बन पाएगा?

हम जाति-वर्ग विहीन समतापूर्वक समाज की कल्पना करते हैं, पर व्यवहार में जातिगत पहचान को और गाढ़ा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। जहां कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी %जितनी आबादी, उतना हक% रूपी बात करते हैं, वहीं %विश्वविद्यालय अनुदान आयोग% (यूजीसी) %समता विनियम 2026% के रूप में ऐसे नियम लेकर आता है, जिससे जातिगत वैमनस्य बढ़ने की संभावना प्रबल होती है। भारत में जाति सच है, परंतु जातिगत विद्वेष भारतीय परंपरा का हिस्सा नहीं है। इसका बीजारोपण पांच सहस्राब्दी पहले तब हुआ, जब यूरोपीय आक्रांताओं और ईसाई मिशनरियों ने भारत में अपनी जड़ें जमाना प्रारंभ किया।

यह सत्य है कि हिंदू समाज में सदियों तक अस्पृश्यता जैसी सामाजिक विकृति विद्यमान रही, किंतु इसे समाप्त करने हेतु समाज के भीतर से निरंतर सुधार आंदोलनों की आवाजें उठती रहीं। सिख गुरुओं से लेकर स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती, गांधी जी, वीर सावरकर, डॉ. आंबेडकर और डॉ. हेडगेवार आदि ने अस्पृश्यता रूपी सामाजिक व्याधि के विरुद्ध सफलतापूर्वक आंदोलन चलाया। यह किसी बाहरी दबाव से नहीं, आंतरिक चेतना से संभव हुआ। इन्हीं सतत प्रयासों के चलते स्वतंत्र भारत ने आरक्षण व्यवस्था को स्वीकार किया और बौद्धिक जगत में आज अस्पृश्यता के पक्ष में कोई वैचारिक समर्थन शेष नहीं है।

बलबीर पुंज पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य

भारत को अनेक खांचों में विभाजित करने की प्रवृत्ति बाहरी शक्तियों की दीर्घकालिक रणनीति रही है। इसी में से एक हिंदू समाज विशेषकर सवर्णों (ब्राह्मण सहित) के दानवीकरण की सुनियोजित रणनीति है, जिसका उद्देश्य समाज के वैचारिक और सांस्कृतिक नेतृत्व को संदेह के घेरे में लाकर हिंदू चेतना और स्वाभिमान को समाप्त करना था। इन साजिशों की जड़े सोलहवीं शताब्दी तक जाती हैं। दक्षिण भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर ने अपने पत्राचार में ब्राह्मणों को ईसाई धर्मांतरण के मार्ग का मुख्य बाधक बताया था। इसके उपरांत %गोवा इंक्विजिशन% का कठोर अध्याय प्रारंभ हुआ, जहां हे ती सेफ है

मजहबी असहमति को अपराध की दृष्टि से देखा गया। बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर ने भी इस कालखंड की क्रूरता का संज्ञान लिया था। फिर 18वीं शताब्दी में प्लासी युद्ध के पश्चात अंग्रेजों ने मजहबी और शैक्षिक हस्तक्षेप से धर्मांतरण और ब्राह्मण-विरोध को संस्थागत रूप दिया। वर्ष 1813 के चार्टर एक्ट के साथ मिशनरी गतिविधियों को वैधानिक संरक्षण मिला। इसी चिंतन के संगठित प्रतिपादन हेतु थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने 1835 में शिक्षा नीति का खाका प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य मैकाले के निजी पत्राचार में

मिलता है। उन्होंने 1836 में अपने पिता को लिखा था %यदि हमारी शिक्षा नीति सफल रही, तो तीस वर्षों के भीतर बंगाल में एक भी मूर्तिपूजक नहीं बचेगा। इसी कालखंड में अन्य यूरोपीय फ्रेडरिक मैक्समूलर ने वेदों, उपनिषदों और अन्य संस्कृत ग्रंथों का दुर्भावनापूर्वक अंग्रेजी अनुवाद किया। इसकी मंशा का उल्लेख मैक्समूलर ने अपनी पत्नी को 1867 में लिखे पत्र में किया था %मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे द्वारा तैयार किया गया अनुवाद भविष्य में भारत के भाग्य पर गहरा प्रभाव डालेगा। पिछले तीन हजार वर्षों में उससे जो कुछ भी उत्पन्न हुआ है, उसे जड़ से उखाड़ फेंकने का यही एकमात्र उपाय है। ऐसे पत्रों की भरमार है। कालांतर में इसी मानसिकता के गर्भ से %आर्य आक्रमण सिद्धांत% जन्मा, %जस्टिस पार्टी% का गठन और %द्रविड़ आंदोलन% का उदय हुआ। अस्पृश्यता निस्संदेह गंभीर अपराध है। किंतु इसे केवल कथित रूप से ब्राह्मणों की देन बताना इतिहास की बहुस्तरीयता को नकारना है। प्रायः इस संदर्भ में अक्सर %मनुस्मृति% को लांछित किया जाता है। पहली बात मनु स्वयं ब्राह्मण नहीं थे और दूसरी बात-हिंदू परंपरा किसी एक ग्रंथ, एक पैगंबर या संहिताबद्ध सिद्धांत से नहीं बंधी है। इसकी विशेषता निरंतर परिवर्तन और आत्मसमीक्षा है। डॉ. आंबेडकर के अनुसार, %मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मनु ने जाति कानून नहीं बनाया... यह वर्ण-व्यवस्था मनु से बहुत पहले से अस्तित्व में थी।% उन्होंने इसके लिए ब्राह्मणों को कोई दोष नहीं देते हुए लिखा, %ब्राह्मण कई दूसरी चीजों के दोषी हो सकते हैं... किंतु गैर-ब्राह्मण आबादी को जाति-व्यवस्था में बांधना उनके स्वभाव के प्रतिकूल था।% यही नहीं, डॉ. आंबेडकर %आर्य आक्रमणकारी सिद्धांत% को ब्रितानियों की मनगढंत झूठी कहानी तक बता चुके थे।

बाबासाहेब ने यह भी स्पष्ट किया था %शुद्र सूर्यवंशी आर्य समुदायों में से एक थे। एक समय ऐसा था, जब आर्य समाज केवल तीन वर्षों (ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य) को ही मान्यता देता था। शुद्र कोई पृथक वर्ण नहीं थे; वे क्षत्रिय वर्ण का ही अंग माने जाते थे। शुद्र राजाओं और ब्राह्मणों के बीच निरंतर संघर्ष चलता रहता था, जिसमें ब्राह्मणों को अनेक अत्याचारों और अपमानों का सामना करना पड़ा। डॉ. आंबेडकर ने आगे लिखाः %शूद्रों द्वारा किए गए अत्याचारों और उत्पीड़नों से अपमानित ब्राह्मणों ने शूद्रों का उपनयन (जनेऊ संस्कार) करना अस्वीकार कर दिया। इससे वंचित किए जाने के कारण, जो शूद्र मूलतः क्षत्रिय थे, वे सामाजिक रूप से बहिष्कृत हो गए, वैश्य वर्ण से भी नीचे चले गए, और इस प्रकार वे चौथे वर्ण के रूप में स्थापित हो गए।%

यह जातिप्रथा की विकृति का ही परिणाम है कि यदुकुल में जन्मे और भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण वर्तमान नैरेटिव में ओबीसी कहलाएंगे, जिनकी उपासना अनादिकाल से असंख्य हिंदू कर रहे हैं। वेदों और महाभारत का संग्रह करने वाले कृष्णद्वैपायन महर्षि वेद व्यास का जन्म मछुआरिन सत्यवती की कोख से हुआ था। 'श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण' के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अलंकृत समुदाय दलित के रूप में वर्गीकृत है। रामायण के सबसे कष्टमयी काल में श्रीराम ने उन लोगों (हनुमानजी, सुग्रीव, केवट, निषाद, भील सहित) को अपना सहयोगी-सलाहकार बनाया, जिन्हें आज की भाषा में वनवासी, आदिवासी, पिछड़ा या अति-पिछड़ा कहा जाएगा। 'सामाजिक न्याय' अनिवार्य है और प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर प्राप्त होने चाहिए। किंतु 'सामाजिक न्याय' के नाम पर हिंदू समाज को जातियों के आधार पर विभाजित करना और वैमनस्य को बढ़ावा देना अंततः किसके हित में होगा? यदि भारत आने वाले वर्षों में औपनिवेशिक नैरेटिव से मुक्त नहीं हो पाता, तो क्या वह वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य साकार कर सकेगा?

-लेखक 'ट्रिस्ट विद अयोध्या डिकॉलोनाइजेशन ऑफ इंडिया' और 'नैरेटिव का मायाजाल' पुस्तक के लेखक हैं।

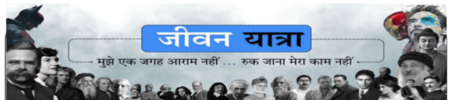

किशोर मन और आभासी दुनिया का चक्रव्यूह

तीन मासूम बेटियों की छत से कूदकर आत्महत्या करने वाली खौफनाक खबर की गहरी दुखांतिका पर किसी भी संवेदनशील हृदय का उद्वेलित होना सहज बात है। एक उम्र जिसके सामने भविष्य के सपने और वर्तमान का फलक फैला पड़ा हो, वह ऐसा घातक रास्ता क्यों चुनेगी? यह एक बहुत बड़ा प्रश्न है, समाज और व्यवस्था के सामने। इसका उत्तर मानवीय मनोविज्ञान में छुपा है, जिसे आज के परिवेश ने अभूतपूर्व रूप से विकृत कर दिया है। अब सबसे बड़ी आवश्यकता है कि मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्री इस गुत्थी की परतें खोलकर निवारक उपाय सुझाएं।

किशोर मन की बात करें तो यहां एक बड़ा पेंच है। परिपक्व मन की इच्छाएं और कामनाएं उतनी व्यापक और अव्यावहारिक नहीं होती हैं, जितनी किशोर मन की। यह मन कल्पना लोक में सीमाहीन उड़ान भर सकता है।

किशोर मन की बात करें तो यहां एक बड़ा पेंच है। परिपक्व मन की इच्छाएं और कामनाएं उतनी व्यापक और अव्यावहारिक नहीं होती हैं, जितनी किशोर मन की। किशोर मन के लिए निर्द्वंद्व होकर कल्पना लोक में सीमाहीन उड़ान भरना एक सहज और स्वाभाविक बात है। भले ही वह संभावनाओं से कोसों दूर हो। अपरिपक्व मन तो आकाश और समंदर को भी बाहों में भरने, फूल की सुगंध को छूने या हवाओं से बात करने तक की संभावनाएं तलाशने लगता है। यह उम्र ही ऐसी है। किशोर वय में उठने वाले हार्मोनल तूफान, कच्चे मन को कर्तव्य और अकर्तव्य का भेद करने में बिल्कुल अक्षम बना देते हैं। उस पर इस बात का कतई फर्क नहीं पड़ता है कि क्या संभव है या क्या असंभव है। उसकी वैचारिक उड़ान के लिए किसी तर्कसंगत अथवा व्यावहारिकता की सीमा ही नहीं होती है।

वैसे, यह लड़ाई पूरी तरह सरकारी स्तर पर नहीं लड़ी जा सकती, क्योंकि सरकार की अपनी सीमाएं हैं। इस मकड़जाल से निकलने के लिए हमारे व्यक्तिगत प्रयत्न ही एकमात्र उपाय हैं। मां-बाप, भाई-बहन जैसे तमाम रिश्तों की सम्यक भागीदारी ही कच्चे किशोर मन को इस खतरनाक रास्ते पर जाने से रोक सकती है। आज के भौतिकवाद और तकनीकी आंधी में हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

एक बहुत बड़ी सच्चाई है कि मानव स्वभाव से ही सुविधा आग्रही और स्वप्नजीवी है। बड़ों की तो बात अलग है, लेकिन अपरिपक्व मस्तिष्क यह नहीं समझ पाता है कि वास्तविक दुनिया उसके सपनों की दुनिया से बिल्कुल अलग है। सच्चाई के धरातल पर जब कच्चा स्वप्न संसार गिरता है तो वह चूर-चूर होकर जिस मनःस्थिति को जन्म देता है, उसे पलायनवाद कहा जा सकता है। इस स्थिति में अपरिपक्व मस्तिष्क, वास्तविक दुनिया से अलग जिस संसार की रचना कर लेता है, उसे आभासी संसार कहा जाता है। जो मिला नहीं, उसे प्राप्त करना ही इस आभासी संसार का हेतु है।

-राजेंद्र सारस्वत

समय

मशीन विवेक कहां से लाएगी

विवेक एक ऐसा अद्वितीय मानवीय कौशल है, जिसका स्वचालन नहीं किया जा सकता, निकट भविष्य में तो बिल्कुल नहीं। कालेज के दिनों में मुझे मध्यकालीन अध्ययन के एक सेमिनार में शामिल होने का अवसर मिला। विषय था-ब्रिटिश कॉमन लॉ की उत्पत्ति। वहां मैंने जाना कि 14वीं सदी के इंग्लैंड में न्यायाधीश किस तरह संपत्ति से जुड़े विवादों का निपटारा करते थे। जब गवाहों के अयान आपस में टकराते और दस्तावेज अधूरे या अस्पष्ट होते थे, तब न्यायाधीश अपनी तार्किक क्षमता और विवेक का इस्तेमाल करके निर्णय लेते थे। उस सेमिनार की सीख आज भी मेरे काम आती है। वह मुझे पढ़ने, शोध करने और विश्लेषण करने चाली गहरी शिक्षा की अहमियत की याद दिलाती है। मेरी कॉलेज की शिक्षा ने मुझे यह नहीं सिखाया कि 'क्या सोचना है', बल्कि यह सिखाय कि 'कैसे सोचना है'। तकनीकी प्रभुत्व वाली इस दुनिया में रणनीतिक और वित्तीय फैसले लेते समय यह नजरिया सबसे ज्यादा कारगर साबित होता है। आज जितनी भी बोर्डरूम चर्चा होती है, हरेक के केंद्र में एआई होता ही है। निस्संदेह एआई परिवर्तनकारी साबित होगा। फिर भी, बहुत कुछ ऐसा भी है, जो बिल्कुल नहीं बदलेगा। उनमें सबसे प्रमुख है इन्सानी विवेक। विवेक से मेरा तात्पर्य है-परस्पर विरोधी मूल्यों और मतभेदों के बीच मध्यस्थता करने की धमताः उन पहलुओं पर विचार करने का हुनर, जो अपने आप में,द्य महत्वपूर्ण तो हैं, पर जिन्हें एकसाथ पूरा नहीं किया जा सकता, और श्रेष्ठ विकल्प तक पहुंचने के लिए कई रास्तों पर विचार करने का कौशल। यह एक अद्वितीय मानवीय कौशल है। हाल

ही में, मेरा एक ग्राहक अपने व्यवसाय का एक हिस्सा बेचना चाहता था। उसके सामने दो विकल्प थे-या तो उस तेजी से बढ़ने वाली इकाई को बेच दिया जाए, जो अस्थिर थी व मुख्य कारोबार का केंद्र नहीं थी, या फिर उस धीमी गति से बढ़ने वाली इकाई को बेचा जाए, जो कंपनी के उद्देश्य और मिशन से अधिक मेल खाती थी। एआई आधारित विश्लेषण ने धीमी वृद्धि वाले व्यवसाय को बेचने की सिफारिश की। लेकिन मानवीय विवेक ने दूसरा रास्ता दिखाया कि उतार-चढ़ाव वाली इकाई को बेचें और दूसरी को बेहतर बनाएं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि कौन-सा रास्ता सही साबित होगा, लेकिन मैं एआई के उत्तर की निश्चितता देखकर दंग रह गया। बेशक एआई पैटर्न पहचानने, कोड बनाने और भारी मात्रा में टेक्स्ट व डाटा को संकलित करने में सक्षम है। पर किसी को यह तय तो करना ही होता है कि विश्लेषण भरोसेमंद है या नहीं, उसके निहितार्थ क्या है और उस पर अमल करना समझदारी होगी या नहीं। यही वे जगहें हैं, जहां तकनीक नहीं, बल्कि मानव विवेक निर्णायक भूमिका निभाता है। पिछले वर्ष एक बोर्ड यह जानना चाहता था कि उसे एक व्यावसायिक सौदे के लिए कितनी बोली लगानी चाहिए। एआई ने एक ऐसी राशि सुझाई, जो मुझे कम लगी। फिर चर्चा हुई कि क्या सौदे की कीमत अधिक रखनी पड़ेगी। जैसा कि अपेक्षित था, जब कंपनी ने एआई द्वारा सुझाई कीमत का प्रस्ताव दिया, तो उसे निरस्त कर दिया गया। बाद में, अधिक कीमत की पेशकश स्वीकार कर ली गई और सौदा सफल रहा। सौदे को लेकर एआई मानवीय पहलुओं को नहीं समझ सका, जिसे मानवीय निर्णय ने बखूबी समझा।

इसी वजह से मुझे संदेह है कि एआई जल्द मानवीय पहलुओं की बराबरी लेगा। उच्च शिक्षा और व्यवसाय में नैपकिन एआई यह स्मार्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल है, को साधारण टेक्स्ट को तुरंत प्रोफेशनल, कस्टमाइजेबल और देखने में आकर्षक डायग्राम और इन्फोग्राफिक्स में बदल देता है, जिन्हें प्रेजेंटेशन या डॉक्यूमेंट्स में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें उपयोगकर्ता को केवल अपना टेक्स्ट डालना होता है। इसके बाद यह एआई उस टेक्स्ट का विश्लेषण करता है और उपयुक्त आइकॉन लेआउट और कनेक्टर्स सुझता है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो कम समय में प्रभावशाली विजुअल कंटेंट बनाना चाहते हैं। यह टूल उच्च गुणवत्ता के विकुअल्स कम समय में तैयार करने की सुविधा देता है) लोगों को विशेषज्ञता की तरफ धकेलने का चलन है।

एआई इस दबाव को और बढ़ा देता है। आम सोच यह है कि अगर मशीनें सामान्य काम कर सकती हैं, तो इन्सानों को खास कामों पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मानना है कि इसका उल्टा सच है। जैसे-जैसे नियमित विश्लेषण स्वचालित होता जाएगा, पेशेवरों को जो चीज अलग बनाएगी, वह होगी अलग-अलग क्षेत्र में चीजों को समझने की क्षमता, ऐसे पैटर्न देखना, जो विशेषज्ञ नहीं देख पाते, और सही फैसला लेना।

-ब्लेयर एफ्रॉन (द न्यूयॉर्क टाइम्स)

अंतस की बातें

कमी रोशनी में नहीं, खिड़कियों में है

यदि हम समय-समय पर अपनी मान्यताओं को परखते रहें, उन्हें साफ करते रहें, तो न केवल हमारा दृष्टिकोण बदलता है, बल्कि हमारा पूरा जीवन उच्चल हो जाता है।

हमारी मान्यताएं ही संसार को देखने की खिड़कियां होती हैं। इन्हीं खिड़कियों से झांककर हम लोगों, परिस्थितियों और स्वयं को समझने की कोशिश करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब हम यह मान लेते हैं कि ये खिड़कियां हमेशा साफ ही रहेंगी। समय के साथ उन पर धूल जमती जाती है। अनुभवों की धूल, डर की परतें, असफलताओं की छाया और समाज से मिली अधूरी सीखें धीरे-धीरे हमारी दृष्टि को धुंधला कर देती हैं। तब हमें लगता है कि दुनिया अंधेरी है, जबकि सच यह है कि रोशनी आ ही नहीं पा रही।

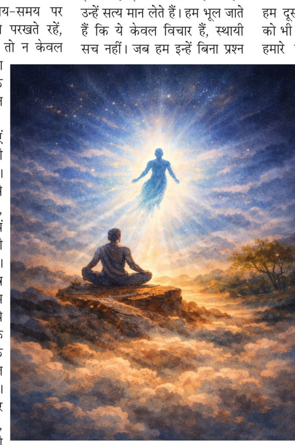

हर इन्सान अपने जीवन में कुछ धारणाएं बना लेता है। हमें सिखाया जाता है कि क्या संभव है और क्या असंभव, क्या सही है और क्या गलत। धीरे-धीरे ये बातें हमारे भीतर इतनी गहराई से बैठ जाती हैं कि हम उन्हें सत्य मान लेते हैं। हम भूल जाते हैं कि ये केवल विचार हैं, स्थायी सच नहीं। जब हम इन्हें बिना प्रश्न किए स्वीकार कर लेते हैं, तब हमारी सोच सीमित हो जाती है और हम नए रास्तों को देखने से चूक जाते हैं। मान्यताओं की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे हमें सुरक्षित महसूस कराती हैं। जब हम स्वीकार करते हैं कि हो सकता है हमने अब तक चीजों को अधूरा या गलत समझा हो। यही स्वीकार्यता ही सीख की पहली सीढ़ी है। जब हम अपनी सोच को जकड़ लेते हैं, तब हम दूसरों के बदलने की संभावना को भी नकार देते हैं। इससे न केवल हमारे रिश्ते सीमित हो जाते हैं, बल्कि हमारी समझ भी संकीर्ण हो जाती है।

अपनी मान्यताओं को साफ करना निरंतर चलने वाला अभ्यास है। जब हम अपनी खिड़कियां साफ करते हैं, तब दुनिया हमें नए रंगों में दिखाई देती है। हमें समझ आता है कि हर विचार में कुछ न कुछ सीख छिपी हो सकती है। हम अधिक सहनशील बनते हैं, अधिक संवेदनशील बनते हैं। तब ज्ञान केवल जानकारी नहीं रह जाता, वह समझ बन जाता है। और समझ हमें केवल सफल नहीं बनाती, बल्कि मानवीय भी बनाती है। रोशनी हमेशा बाहर मौजूद रहती है। कमी रोशनी में नहीं, हमारी खिड़कियों में होती है। यदि हम समय-समय पर अपनी मान्यताओं को परखते रहें, उन्हें साफ करते रहें, तो न केवल हमारा दृष्टिकोण बदलता है, बल्कि हमारा पूरा जीवन उज्ज्वल हो जाता है।

-आइजैक असिमोव

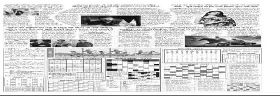

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने से आलौच्य सप्ताह के दौरान दलहनों में चना मसूर व तुअर में बाजार मंदी के रहे। खाद्य तेलों में सींगदाना तेलों में बड़त रही। तिलहनों में सोयाबीन चमका। किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूती पर रहे।

किराना - शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही नज़र आया। लग्नसरा की माँग अटकने से बाजार में ग्राहकी अटकी-अटकी रही। बाजार सूत्रों के अनुसार शक्कर में मौसम में बदलाव के साथ ही शीतल पेय वालों की माँग शुरू होने वाली है, जिससे शक्कर में मजबूती है। समीक्षा सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार 4080-4150 रू. प्रति क्व ?िटल पर रहे। जीरे में नये मालों की आवकों को देखते हुए बाजार रूके हुए है। समीक्षा सप्ताह के दौरान जीरा राजस्थान क्वालिटी मालों में 235-240 रू. प्रति किलो पर आ गये। सूखे मेवों में पूछपरख सामान्य ही है। बाजार मजबूती पर बने है। समीक्षा सप्ताह के दौरान बादाम गिरी में बाजार 900-940 रू. प्रति किलो पर आ गये। नारियल में आवकों का टोटा है। माँग अच्छी है। नारियलों में बड़े मालों में 2900-3100 रू. थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में हरि इलायची, जावत्री व जायफल बाजार में माँग देखी गयी।

तेल तिलहन - समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में सींगदाना तेल बड़त पर रहा। सोया व कपास्या तेलों में भाव मजबूती के रहे। बाजार सूत्रों का मानना है कि सींगदाना तेलों में गुजरात लाइन की पूछपरख से भावों में तेजी है। आलौच्य अवधा? में सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1670-1690 रू. प्रति 10 किलो से बढ़कर 1730-1750 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में बाजार ऊँचाइयों पर रहे। सोया तेल रिफाइंड 1390-1400 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 300-400 रू. प्रति क्व ?िंटल की बड़त पर रहे। सोयाबीन में बाजार 5500-5750 रू. प्रति क्व ?िंटल पर आ गये। सरसो व रायडे में भाव टिके रहे।

दाल दलहन - आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में कामकाज की मात्रा अच्छी रही। दलहनों में ऊपरी स्तरों पर मिलों की माँग ढ़ीली पड़ने से बाजार मंदी के रहे। चने में लेवाली अटकने से बाजार 50-150 रू. प्रति क्व ?िंटल से टूटकर 5900 से 5750-5850 रू. प्रति क्व ?िंटल पर आ गये। तुअर में भी ऊपरी स्तरों पर माँग ठंडी रहने से बाजार 300 रू. प्रति क्व ?िंटल की गिरावट से 7000-7700 रू. प्रति क्व ?िंटल पर आ गये। मसूर में बाजार 50-100 रू. प्रति क्व ?िंटल की नरमी आयी और मसूर बाजार 5700-5750 रू. प्रति क्व ?िंटल से 5650 रू. प्रति क्व ?िंटल पर आ गये।

तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। सरसों तेल का कारोबार पहले से कमजोर था, नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्र ?ति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्र ?ति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्र ?ति क्विंटल से गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्र ?ति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 50 रुपये सुधरकर 7,000-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 40 रुपये के सुधार के साथ 2,725-3,025 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। बीते समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 11,900 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,825 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गिरावट के आम रुख के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल के दाम भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एफपीआई ने इस सप्ताह किया 8,100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फरवरी के पहले सप्ताह में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार छह फरवरी तक एफपीआई ने भारतीय इक्विटी में 8,129 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह निवेश लगातार तीन महीनों की भारी निकासी के बाद आया है। एफपीआई ने नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये निकाले थे। 2025 में कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी। निकासी के पीछे मुद्रा में उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिकी शुल्क की चिंता और इक्विटी के ऊंचे मूल्यांकन जैसे कारक थे। विश्लेषकों के अनुसार, फरवरी में निवेश का रुझान बेहतर जोखिम धारणा और अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के कारण आया है।

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

नई दिल्ली। विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार ?विशेषज्ञ कहते हैं ?कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी। ?रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

अगले हफ्ते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

नई दिल्ली। आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1=10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2=1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। कुल मिलाकर, आने वाला हफ्ता शेयर बाजार में खबरों और निवेशकों की सक्रियता से भरा रहने वाला है।

मेष राशि- आज का दिन आपके रहन-सहन के स्तर में सुधार लेकर आएगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। अनजान व्यक्तियों से आप लेनदेन ना करें। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है और आप राजनीति के कामों में काफी आगे रहेंगे, जिससे आपके कुछ नए शत्रु भी उत्पन्न हो सकते हैं। जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं, जिसमें आप अपनी जेब का ख्याल अवश्य रखें।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, जिनको लेकर आप अच्छा खासा खर्चा करेंगे। अपने किसी सहयोगी से काम को लेकर सलाह ना लें। आपके बॉस से आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। आपके प्रमोशन की बात भी हो सकती है और आप अपने घर में किसी नई चीज की खरीदारी करेंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको अपनी पुरानी इन्वेस्टमेंट से अच्छा लाभ मिलेगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आपकी यश व कीर्ति में वृद्धि होगी। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा और आप धार्मिक आयोजन में भी सम्मिलित हो सकते हैं।

कर्क राशि - आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए बेहतर रहने वाला है। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा और आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। भाई व बहन भी आपको काम को लेकर अच्छी सलाह देंगे। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती हैं। लेन-देन से संबंधित मामलों को आपको समय रहते निपटाने की आवश्यकता है और अपने बेफिजूल के खर्चों को लेकर आपको लगाम लगानी होगी।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए आय के मामले में बढ़िया रहने वाला है। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई अच्छी सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों का पढ़ाई में खूब मन लगेगा और वह पढ़ाई को लेकर अच्छी सलाह दे सकते हैं। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है, लेकिन आप अपनी माताजी के सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतें, क्योंकि उनके कोई पुरानी बीमारियों उभरेगी, जिसको लेकर आपको भागदौड़ बनी रहेगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको किसी नई नौकरी का बुलवा आने से आपका मन काफी खुश रहेगा और आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट में मिल सकता है। आपको अपने कामों को लेकर जल्दबाजी बिल्कुल नहीं दिखानी है, नहीं तो इससे आपके काम बिगड़ सकते हैं। आस पड़ोस में आप किसी बात भी वाद-विवाद में ना पड़े, नहीं तो वह बेवजह कानूनी हो सकता है।

तुला राशि- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती हैं, लेकिन आपने यदि किसी से धन को लेकर कोई वादा किया है, तो ऐसा पूरा करने में आपको समस्या आ सकती है। बिजनेस को लेकर आप किसी से पार्टनरशिप करेंगे, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। यदि आपकी कोई प्रॉपर्टी को लेकर डील अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। आपको किसी कानूनी मामले को लेकर अदालत के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है। आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचान कर चलना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा और कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आस पड़ोस में आपको किसी दूसरे के मामले में पड़ने से बचना होगा। राजनीति में आपकी अच्छी छाप रहेगी और आपके दिए गए सुझाव लोगों को खूब पसंद आएंगे।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने कामों को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे और बिजनेस में भी उतार-चढ़ाव लगे रहेंगे, जिससे आप काम करने में दिन-रात मेहनत करेंगे। जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देंगे और आपकी आर्थिक स्थिति भी पहले से बेहतर होगी। कोई पारिवारिक मामला यदि आपको टेंशन दे रहा था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा। किसी नई प्रॉपर्टी की आप खरीदारी करने की योजना बनाएंगे।

कुंभ राशि - आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा और आप अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाएंगे, जिससे आपका कंसंट्रेशन भी मजबूत रहेगा। आपको अपने मित्रों का भी पूरा साथ मिलेगा। किसी नई नौकरी की लिए आपको बुलावा आ सकता है।

दैनिक पंचांग

01 जून 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.13 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	8.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	सिंह	10.43 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.55 बजे से
गुरु	कुंभ में	तुला	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.20 ब.से
शनि	मकर में	धनु	19.36 बजे से
राहु	वृष में	मकर	21.41 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कुंभ	23.28 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	01.00 बजे से
		मेष	02.31 बजे से
		वृष	04.11 बजे से

मंगलवार 2021 वर्ष का 152 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.08 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 03.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 12.51 बजे तदनन्तर बव 00.47 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870901
जूलियन दिन 2459366.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2547
हिजरी सन् 1442
महीना सव्वाल **तारीख** 19
विशेष बाल सुरक्षा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

प्रसंगतः बड़ा कौन

एक बार सम्राट अशोक अपने विश्वस्त मंत्री भ्रामात्य के साथ कहीं जा रहे थे। रास्ते में एक संत को आते देख वह घोड़े से नीचे उतरे और उन्होंने संत को दंडवत प्रणाम किया। यह बात भ्रामात्य को अच्छी नहीं लगी। संत के जाने के बाद भ्रामात्य ने अशोक से पूछा, 'राजन्, मेरी समझ में नहीं आया कि इतने बड़े सम्राट होकर आपने एक साधारण साधु को दंडवत प्रणाम क्यों किया।' उस समय अशोक ने कोई उत्तर नहीं दिया। दो दिनों के बाद उसने कई जानवरों के मुखौटों के साथ एक साधु और एक राजा का सुंदर मुखौटा भ्रामात्य को देते हुए कहा, 'गांव में जाकर इन मुखौटों को बेच दीजिए। मैं जानना चाहता हूं कि प्रजा किसे ज्यादा पसंद करती है।' भ्रामात्य उन मुखौटों को बेचने के लिए गांव में गया। साधु का मुखौटा सबसे पहले बिक गया। उसके बाद सभी जानवरों के मुखौटे भी बिक गए। मगर राजा का मुखौटा किसी ने नहीं खरीदा। भ्रामात्य उसे लेकर लौट आया। अशोक ने उसे फिर से जाने को कहा। और यह भी निर्देश दिया कि यह मुखौटा किसी को मुफ्त दे दे। भ्रामात्य दोबारा गया मगर गांव वालों ने मुखौटा लेने से इनकार कर दिया। बोले, 'इस कचरे को लेकर हम क्या करेंगे।' भ्रामात्य फिर लौट आया और सम्राट को गांव वालों की बात बताई। अशोक ने कहा, 'अब तो तुम्हारे प्रश्न का उत्तर मिल गया होगा। संत हमेशा पूजनीय होते हैं क्योंकि वे मोह माया से दूर रह कर पूरे समाज के हित की बात सोचते हैं। राजा का महत्व तात्कालिक होता है पर संत की कीर्ति हमेशा बनी रहती है।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7109

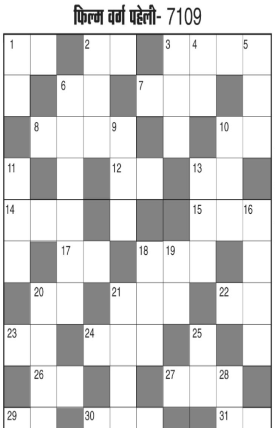

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में ग़मी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'बिल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याहला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी श्रिम्फ, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे राम हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुमसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. राखी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7108

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7418

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7417 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 8633

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8632 का हल

	स	ज	ग		ह	सी	न	
वा	दा		र		म		व	ध
प		फि	ल	हा	ल			मा
सी	र	त		नि		रु	ब	ल
		र	ज		न	ख		
नी	जा	त		जो		सा	हि	ल
र			क	र	ता	र		ह
व	श		स		मी		ता	जा
	क	ल	म		ल	की	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

जीवनारा में 20 से पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम जीवनारा में आध्यात्मिक उत्साह का माहौल छाया हुआ है। गायत्री प्रज्ञाटोली ग्राम जीवनारा के तत्वावधान में तीन दिवसीय पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन गांधी चौक, ग्राम जीवनारा में होने जा रहा है। यह महायज्ञ परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं परम वंदनीय माता जी भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष (2026) के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। अखिल विश्व गायत्री परिवार की परंपरा के अनुरूप यह यज्ञ ग्रामीण स्तर पर आध्यात्मिक जागरण, पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक साधना का माध्यम बनेगा। आयोजित कार्यक्रम के तहत प्रथम दिवस 20 फरवरी को सुबह 10 बजे से ग्रामीण स्तर पर कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा गांव में भक्ति और उत्साह का प्रसार करेगी। द्वितीय दिवस 21 फरवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक यज्ञ हवन सम्पन्न होगा, दोपहर 12 से 3 बजे तक आध्यात्मिक उद्बोधन तथा शाम को प्रकाश महोत्सव दीपयज्ञ होगा। तृतीय दिवस 22 फरवरी को सुबह 11 बजे से यज्ञ हवन, पूर्णाहुति उपरांत महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति ने आसपास के सभी गांवों के निवासियों, भक्तजनों और गायत्री परिवार के परिजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस महायज्ञ में शामिल हों, आहुतियां दें और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें। यह महायज्ञ न केवल व्यक्तिगत शुद्धि और ऊर्जा संचार का अवसर है, बल्कि सामूहिक रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम भी बनेगा।

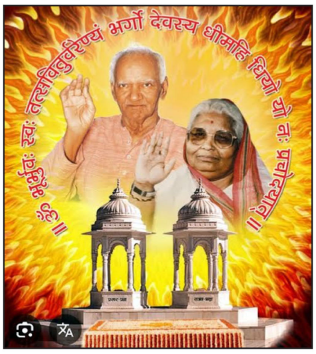

ग्रामरक्षक कोटवार चौकीदार संघ सम्मेलन कल

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश ग्रामरक्षक कोटवार चौकीदार संघ तहसील शाखा लांजी जिला-बालाघाट (म.प्र.) के तत्वावधान में कल 10 फरवरी 2026 दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजे से आशीर्वाद मंगल भवन तह. कार्यालय के सामने, लांजी में कोटवार सम्मेलन का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार कर्राहे जी (विधायक लांजी किरनापुर) तथा विशिष्ट अतिथि कमलचंद सिंहसार (अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी), हिम्मत सिंह भवेदी (तहसीलदार लांजी), संजय बारसकर (नायब तहसीलदार लांजी), सालिकराम मेश्राम (प्रांतीय उपाध्यक्ष म.प्र. ग्राम रक्षक चौकीदार संघ भोपाल), भुपेन्द्र अहिरवार (राजस्व निरीक्षक लांजी), पारस भगत (अध्यक्ष पटवारी संघ लांजी) की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न होगा। इस दौरान कोटवार संघ द्वारा अपनी मांगों का मांगपत्र प्रेषित किया जावेगा। कार्यक्रम आयोजित समिति के राजेन्द्र भालाधरे अध्यक्ष कोटवार चौकीदार संघ तह. शाखा लांजी, संतोष मेश्राम, सविता रामटेके उपाध्यक्ष, आनंदराव रामटेके सचिव, अनुसया घरडे कोषाध्यक्ष शुदोधन वासनिक महामंत्री, अनिरूद खोब्रागड़े मिडिया प्रभारी, प्रमोद नागवंशी संगठन, बसंत मड़ामे कोषाध्यक्ष विजय चन्द्रिकापुरे मनोज गेडाम, राजु गोंडाने, मयुर उके, मुरलीधर गड़पायले, मधुदास मेश्राम, रविन्द्र मेश्राम, ललीता शेंडे, वत्सला रामटेके, टिकेन्द्र गजभिये राजकुमार उके, संजय सोनटेके, आशा चौहान, गौतम गोस्वामी, माया मेश्राम, रत्नमाला वैधे, कमलेश गजभिये अध्यक्ष बालाघाट अर्चित गेड़ाम अध्यक्ष किरनापुर, भगवानदास खोब्रागड़े अध्यक्ष तिरोड़ी, राजेन्द्र उके तिरोड़ी, लक्ष्मण बोरकर बैहर, माखन गोडाने अध्यक्ष बिरसा, दिमाक उके अध्यक्ष परसवाड़ा, मधु बारमाटे अध्यक्ष खैरलांजी, इन्दल भौतिक, नरेन्द्र श्यामकुंवर एवं समस्त कोटवार साथी तहसील लांजी ने उपस्थिती की अपील की है।

हायर सेकेण्डरी की 10 फरवरी एवं हाईस्कूल की 13 फरवरी से प्रारंभ होगी बोर्ड परीक्षा

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल की कक्षा 10 हाई स?कूल एवं कक्षा 12 हायर सेकेण्डरी की बोर्ड परीक्षाओं का टाईम टेबल निर्धारित कर दिया गया है। हायर सेकेण्डरी कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से प्रारंभ होगी जबकि हाईस्कूल कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होगी। हायर सेकेण्डरी कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा के टाईम टेबल के अनुसार 10 फरवरी को अंग्रेजी, 13 फरवरी को भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनीमल हस्बेण्ड्री, मिल्क ट्रेड, पोल्ट्रीफार्म एवं फिशरीज, विज्ञान के तथ्य एवं भारतीय कला का इतिहास विषय के प्रश्न पत्र होंगे। 14 फरवरी को बायोटेक्नॉलाजी, गायनवादन एवं दबला पखावज का प्रश्न पत्र होगा। 16 फरवरी को संस्कृत, 17 फरवरी को ड्राइंग एंड डिजाईन, 18 फरवरी को रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एलिमेंट आफ साइंस एन मेथिमेटिक्स यूजफूल फॉर एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग, गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान, 19 फरवरी को मनोविज्ञान, 20 फरवरी को एनएसक्यूएफ के समस्त विषय, शारीरिक शिक्षा एवं एआई के प्रश्नपत्र होंगे। 21 फरवरी को कृषि, होमसाईंस, कला समूह एवं एकाउंटेंसी, 23 फरवरी को बायोलॉजी, 25 फरवरी को गणित, 26 फरवरी को राजनीतिशास्त्र, 27 फरवरी को इंफारमेटिक प्रेक्टिसेस, 02 मार्च को समाजशास्त्र, 05 मार्च को भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एंड हार्टिकल्चर, स्टील लाईफ एंड डिजाईन, शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्वास्थ्य, 06 मार्च को उर्दू, मराठी एवं 07 मार्च को हिंदी का प्रश्न पत्र होगा। हाईस्कूल कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होगी। 13 फरवरी को उर्दू, 14 फरवरी को एनएसक्यूएफ के समस्त विषय एवं एआई, 17 फरवरी को अंग्रेजी, 19 को संस्कृत, 20 फरवरी को मराठी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी एवं मूकबधिर तथा दृष्टिहीन छात्रों के लिए चित्रकला, गायनवादन, तबलापखावज, कम्प्युटर, 24 फरवरी को गणित स?टेंडर्ड व बेसिक, 27 फरवरी को विज्ञान, 02 मार्च को सामाजिक विज्ञान एवं 06 मार्च को हिंदी विषय के प्रश्न पत्र होंगे। सभी प्रश्न पत्र प्रात: 09 से दोपहर 12 बजे तक होंगे। समस्त परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रात: 08 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी भी छात्र को प्रवेश नही दिया जाएगा।

त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट होंगे विभिन्न कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव सम्पन्न, जापान थाईलैंड तिब्बत एवं भारत के विद्वान बौद्ध भिक्षुगण होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला स्तरीय त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट में बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट, संरक्षक संघ बालाघाट, बहुजन संघ बालाघाट, आल इंडिया समता सैनिक दल बालाघाट, धम्मराज धम्म वर्ग संघ बालाघाट, जिला स्तरीय सार्वजनिक जयंती समारोह समिति बालाघाट, दी बुद्धिष्ट सोसायटी आफ इंडिया शाखा बालाघाट, भारतीय बौद्ध महासभा बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव का आयोजन किया गया है।सोमवार 9 फरवरी को आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षता जगत विख्यात धम्मदूत पूज्य भदंत संघरत्न मानके जी (संस्थापक अध्यक्ष पज्जा मेता संघ जापान, भारत)होंगे। कार्यक्रम के उद्घाटक पूज्य भदंत खोशो तानी जी (मुख्यविहारधीपति जापान), कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य भदंत शोझेन आराहीजी (द लाइट अप ए कार्नर के निदेशक विश्व गतिविधियों के नेदाई संघ जापान), कार्यक्रम के विशेष अतिथिगण पूज्य भदंत शोताई योकोयामाजी(भिक्षु साधनाकेंद्र के प्रमुख माउंट हिऐई जापान), पूज्य भदंत डॉ. अनेक महाथेरो ज्ञानदीप (अध्यक्ष थाई स्टूडेंट्स एसोसिएशन बैंकाक थाईलैंड) पूज्यभदंत डॉ. ज्ञानदीप महाथेरो (कोषाध्यक्ष आल इंडिया भिक्षुसंघ बोधगया), पूज्य भदंत डॉ. वणण सामी (नागपुर) पूज्य भदंत खेईचि तेराशिमा (जापान), पूज्य भदंत ज्योंखा ओनो (टोकियो जापान), पूज्य भदंत लोबझाग तेपा (तिब्बती कैंप), पूज्य भदंत डॉ. चंद्रकीर्ति (राष्ट्रीय सलाहकार आल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम), पूज्य भदंत ए यू मुराखाभी (जापान), पूज्य भदंत धर्मशील जी (सारनाथ), पूज्य भिक्षुणी तेईयू ओचि (जापान), पूज्य भदंत नागसेन (भंडारा), पूज्य भदंत कुमार कश्यप (झांसी), पूज्य भदंत सुभद्रबोधी (मुरैना), पूज्य भदंत धम्मतप (राजनांदगांव), पूज्य भदंत देवानंद (नागपुर), पूज्य भदंत शद्धा तिलक (ग्वालियर), पूज्य भदंत शील रक्षित (जवाहर नगर), पूज्य भिक्षुणी श्रद्धा पुष्पआर्या (ग्वालियर), पूज्य भदंत विनय बोधी (अयाल), पूज्य भदंत रेवत धम्मो (नागपुर), पूज्य भदंत महेंद्र रत्न (नागपुर), पूज्य भदंत कौन्डय (भंडारा), पूज्य भदंत भिक्षुणी खेमा (बल्लारपुर), पूज्य भिक्षुणी सुबोधी (चंद्रपुर), उपासिका यासुको खानो (जापान), उपासिका मांत्सुखो एगुचि (जापान), उपासिका खेइखो साजाखी ने (जापान), उपासिका सीजुको मुराखामि (जापान), उपासिका योखो आओयामां (जापान), उपासिका तोमोखो ओताखे (जापान) इत्यादि बौद्ध विद्वानों व बालाघाट जिले में बुद्ध अंबेडकर मिशन को जनमानस तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करने वाले कार्यक्रम के प्रमुख मार्गदर्शक पूज्य भदंत धम्म शिखर जी (जिला स्तरीय त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट) तथा कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष उपासक रमेश थेटे जी (आरई, आईएएस) (सेवानिवृत प्रिंसिपल सेक्रेटरी मप्र शासन भोपाल), अधिवक्ता संजय खोबरागड़े (जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट), देवेंद्र (मल्ला) मेश्राम भूतपूर्व अध्यक्ष जिला स्तरीय सार्वजनिक जयंती समारोह समिति बालाघाट की उपस्थित में संपन्न होगा।

विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन- रवि पटले

बौद्ध संघ बालाघाट जिला महासचिव रवि पटले ने जारी बयान में कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में बताया कि 9 फरवरी सोमवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव कार्यक्रम में आगंतुक जापान थाईलैंड तिब्बत एवं भारत के सुप्रसिद्ध बौद्ध भिक्षुगणों द्वारा सुबह 9 बजे परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर चौक बालाघाट में संविधान निर्माता परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजा वंदना तत्पश्चात सुबह 10 बजे से परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर चौक बालाघाट से विशाल रैली शहर का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल जिला स्तरीय त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट में पहुंचकर कार्यक्रम में तब्दील होगी। दोपहर 12 बजे जिला स्तरीय नव निर्मित त्रिरत्न बुद्ध विहार कोसमी बालाघाट का लोकार्पण एवं सम्यक संबुद्ध की प्रतिमा का अनावरण व भिक्षु निवास का उद्घाटन होगा। दोपहर 12.30 बजे जापान थाईलैंड तिब्बत व भारत के सुप्रसिद्ध बौद्ध भिक्षुगणों द्वारा जापानी तिब्बती पाली भाषा में पूजा वंदना के तत्पश्चात विद्वान बौद्ध भिक्षुगण द्वारा धम्म देशना दी जाएगी। बहुजन संघ अध्यक्ष उपासिका शोभना मेश्राम, उपाध्यक्ष अंजीरा वाहने, सचिव सुरजन गजभिए, कोषाध्यक्ष अनुसूया तिरपुडे, संरक्षक संघ अध्यक्ष सुरेश चौरे, सचिव बीएन गढ़पाल, कोषाध्यक्ष केएल तिरपुडे व अमिता पटले, एस कामडे, निर्मला बोरकर, सरिता गोंडाने, मीना गोंडाने, उर्मिला मेश्राम, सरोज खांडेकर, पूजा गढ़पाल, मानतना खांडेकर, वीणा रंगारे, बीएल बंसोड, राजेश रंगारी, तानसेन वाहने, टीजे भालेवार, वंदना रंगारे, विकास खांडेकर (जिला अध्यक्ष, केएल डोंगरे (उपाध्यक्ष), पंकज डोंगरे (सचिव), हरिलाल गेडाम (सहसचिव), डॉ. उमेश डहाटे (बौद्धिक प्रमुख) मनोहर मेश्राम (कोषाध्यक्ष), आल इंडिया समता सैनिक दल बालाघाट ने जिले के तमाम बौद्ध उपासक उपासिकाओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सह परिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का

नांदी परिसर के अंतर्गत सावरी में परमात्मा एक मार्ग का नौवा हवन संपन्न

पद्मेश न्यूज। नांदी। परम पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल वर्धमान नगर नागपुर की ओर से विकासखंड कटंगी अंतर्गत नांदी परिसर के अंतर्गत ग्राम सावरी में परमात्मा एक सेवक मिथुन मूर्खे और वीरेंद्र मुर्खी के निवास पर नौवां हवन का कार्यक्रम संपन्न हुआ.हवन के पश्चात चर्चा बैठक आयोजित की गई जिसमे कार्यक्रम के संचालक मदनलाल चकोले और मनोज तुरकने मुख्य रूप से उपस्थित रहे. उसी प्रकार इस कार्यक्रम

के अध्यक्ष ताजेंद्र लांजेवार,उपाध्यक्ष मनोज पंचेश्वर रहे। इस कार्यक्रम में परम पूज्य परमात्मा एक सेवक मंडल नागपुर के मार्गदर्शक फुलेंद्र बनकर,जियालाल टांडेकर, ओमप्रकाश सूर्यवंशी,लोकचंद भौंडे,भुवनलाल कुर्वेती और दुर्गापसाद सावतकर मुख्य रूप से उपस्थित रहे और परिसर प्रमुख मार्गदर्शक संतोष चौधरी और कटंगी परिसर के अंतर्गत मार्गदर्शकगण और परमात्मा एक के सेवक सेविकाओं की उपस्तिथि में हवन कार्य और चर्चा बैठक सम्पन्न हुई. तत्पश्चात शाम में महाप्रसादी के आयोजन के बाद रात्रि में परमात्मा एक जागरण ग्रुप नांदी के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

सार्वजनिक अम्बेडकर जयंती समारोह समिति की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

सर्वसम्मति से जे पी रामटेके अध्यक्ष तो युगांश बोरकर चुने गए सचिव

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर के शाक्य मुनि बुद्ध विहार मे रविवार 8 फरवरी 2026 को सामाजिक बंधुओं की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। तथा इस बैठक में सार्वजनिक अम्बेडकर जयंती समारोह - 2026 ,आगामी 14 अप्रैल 2026 को धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाए जाने को लेकर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमे गत वर्ष के रचनात्मक एवं ऐतिहासिक कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए सर्वसम्मति से

ग्राम पंचायत किरनापुर सरपंच प्रतिनिधि भाई जे पी रामटेके को पुन: अध्यक्ष चुना गया। उसी प्रकार उपाध्यक्ष-संदेश गेडाम, करण वासनिक, सुधांशु बोरकर ,सचिव- युगांश बोरकर,सह सचिव- वंश खांडेकर, अनुज हुमनकर , कोषाध्यक्ष - एस.सी. वैद्य ,सलाहकार- अमूल भीमटे, राहुल वैद्य, स्वाकेश भीमटे, अमरदीप रामटेके, हंसराज वाहने, रमाशंकर हिरकने, मनोज भीमटे, रोहिदास मेश्राम,सदस्य -- आयुष भीमटे, अभिषेक गेडाम ,आर्यन बंजारी, सौम्या वैद्य, राज भौतेकर, आदर्श घरडे,संरक्षक - व्ही.एन.मेश्राम, एम.आर.बागड़े, एस. आर.पटले, आर.के.शेंडे, राकेश बोरकर, दुर्गेश भीमटे, राजेन्द्र वैद्य, गौतम भीमटे, एन के मेश्राम, जी एस गोंडाने, जैनेन्द्र गेडाम, दिलीप घरडे, सरोज डोंगरे, राकेश खांडेकर,जयेंद्र डोंगरे सहित समस्त ग्रामीणों को शामिल किया गया है। वही कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। जिसमें 13 से 14 अप्रैल की मध्य रात्रि बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष केक काट कर आतिशबाजी की जाएगी। तथा 14 अप्रैल को सुबह बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा वंदना की जाएगी तत्पश्चात् संविधान चौक मे बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया जाएगा।तत्पश्चात् 10 बजे से शाक्य मुनि बुद्ध विहार मे महापरित्राण पाठ किया जाएगा। एवं दोपहर 3 बजे से बस स्टैण्ड किरनापुर से विशाल रैली निकाली जाएगी जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए पुन: बस स्टैण्ड में एकत्रित होगी एवं मंचीय कार्यक्रमो की शुरुआत होगी। जिसमे वक्ताओं के उद्बोधन तथा प्रबोधनकारों द्वारा अपनी शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।

बालाघाट में पांच दिवसीय किसान कल्याण वर्ष 2026 कृषि मेले का हुआ शुभारंभ

मिलेट्स रोड शो को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, हजारों किसानों की भागीदारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज 8 फरवरी 2026 से बालाघाट जिले में किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषि मेला एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन प्रारंभ हुआ। यह आयोजन कमला नेहरू सामुदायिक भवन, सर्किट हाउस रोड बालाघाट में किया जा रहा है। मेले के साथ-साथ जिले में मिलेट्स (मोटे अनाज) के प्रचारङ्कप्रसार के उद्देश्य से मिलेट्स रोड शो का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर एवं मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। अतिथियों द्वारा मिलेट्स रोड शो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रोड शो जिले के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जिसमें मिलेट्स फसलों, उनसे बनने वाले व्यंजनों तथा उनके पोषण संबंधी महत्व की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई।

मिलेट्स रोड शो में कृषक बंधुओं, कृषि विभाग के अधिकारियोंङ्ककर्मचारियों तथा कृषि आदान विक्रेता संघ की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंडों से लगभग 1000 से 1200 किसानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रोड शो के माध्यम से कोदो, कुटकी, रागी जैसे पारंपरिक मोटे अनाजों के उत्पादन एवं उपयोगिता के प्रति जागरूकता फैलाई गई।

कृषि मेले में जिले के किसानों द्वारा उत्पादित कोदो, कुटकी, रागी के विभिन्न उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्राकृतिक खेती से संबंधित विभिन्न तकनीकों एवं तत्वों का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त जिले में स्थापित तेल उत्पादक उद्योगों की झलक भी मेले में देखने को मिली।

स्वाद स्व सहायता समूह द्वारा मिलेट्स से बने विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार कर आम जनता को उनका स्वाद चखाया गया, जिसे लोगों ने खूब सराहा। मेले का मुख्य आकर्षण जीवंत प्रदर्शनी, मिलेट्स से बने पौष्टिक व्यंजन तथा पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे।

कार्यक्रम में जिले के उपसंचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय, कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख, कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव के प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ. आर.एस. नगपुरे तथा उद्यान विभाग के सहायक संचालक क्षितिज करहाड़े सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि मेला एवं मिलेट्स रोड शो का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना, मोटे अनाजों के महत्व को बढ़ावा देना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। यह आयोजन आने वाले दिनों में किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा और जिले में कृषि विकास को नई दिशा प्रदान करेगा।

कायदी रेलवे स्टेशन बना असामाजिक तत्वों का अड्डा

शराबखोरी, तोड़फोड़ और अवैध शराब बिक्री से यात्रियों में भय, बड़ी घटना की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बालाघाट से कटंगी रेलवे लाइन पर स्थित कायदी रेलवे स्टेशन इन दिनों असामाजिक तत्वों का ठिकाना बनता जा रहा है। स्टेशन परिसर में खुलेआम शराबखोरी, तोड़फोड़ और उपद्रव की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे न केवल रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी गंभीर खतरे में पड़ गई है। स्थानीय लोगों और यात्रियों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ असामाजिक तत्व देर शाम से लेकर रात के गहरे अंधेरे तक स्टेशन परिसर में डेरा जमाए रहते हैं। शराब के नशे में धुत ये लोग रेलवे स्टेशन पर रखी कुर्सियों, बेंचों और अन्य सार्वजनिक उपयोग की वस्तुओं में तोड़फोड़ कर चुके हैं। इतना ही नहीं, स्टेशन परिसर की कई लाइटों को भी तोड़ दिया गया है, जिसके चलते रात के समय स्टेशन अंधेरे में डूबा रहता है और अपराध की आशंका और बढ़ जाती है। बताया जा रहा है कि कायदी रेलवे स्टेशन से सटी कॉलोनी में अवैध रूप से हाथ भट्टी की कच्ची शराब और देसी शराब की खुलेआम बिक्री की जा रही है। शराबी इसी कॉलोनी से शराब खरीदकर स्टेशन परिसर में पहुंचते हैं और वहीं बैठकर शराब का सेवन करते हैं। देर रात तक चलने वाले इस जमावड़े के कारण स्टेशन का माहौल पूरी तरह असुरक्षित हो गया है।रात के समय ट्रेनों की प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इन असामाजिक तत्वों से दहशत बनी रहती है। कई यात्रियों ने बताया कि नशे में धुत लोग अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो यात्री स्टेशन पर रुकने से कतराने लगे हैं।स्थानीय लोगों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन एवं पुलिस विभाग से मांग की है कि स्टेशन परिसर में नियमित पुलिस गश्त की जाए,अवैध शराब बिक्री पर तत्काल सख्त कार्रवाई हो,स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाए,असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए।लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो कायदी रेलवे स्टेशन पर कोई गंभीर हादसा या अपराध घटित हो सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन की होगी।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

विधानसभा के बजट सत्र की तैयारियां तेज

सरकार को घेरने विधायकों ने पूछे 3478 सवाल, 2253 सवाल ऑनलाइन पूछे गए

भोपाल। 16 फरवरी से होने जा रहे मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार विधायकों ने ऑफलाइन की तुलना में अधिक ऑनलाइन सवाल दायर किए हैं। विधानसभा सचिवालय को कुल 3478 सवाल प्राप्त हुए हैं, जिनमें 2253 सवाल ऑनलाइन और 1225 सवाल ऑफलाइन पूछे गए हैं। इनमें 1750 तारांकित और 1728 अतारांकित सवाल शामिल हैं। विधायकों को ऑनलाइन माध्यम से सवाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और शून्यकाल की सूचनाएं भेजने की सुविधा दी गई है। सवाल भेजने की समय-सीमा समाप्त हो चुकी है, हालांकि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, शून्यकाल की सूचनाएं, नियम 139 के तहत प्रस्ताव और याचिकाएं भेजने के लिए अभी समय शेष है।

मध्य प्रदेश सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री, वित्त एवं वाणिज्य कर मंत्री जगदीश देवड़ा 18 फरवरी को विधानसभा में बजट पेश करेंगे। सूत्रों

के मुताबिक इस बार का बजट पिछले वर्ष की तुलना में करीब 10 प्रतिशत अधिक हो सकता है। सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयक भी पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश के कई मंत्री विधानसभा में अपनी आय और संपत्ति का विवरण भी प्रस्तुत करेंगे।

विपक्ष की तैयारी, सरकार अलर्ट

बजट सत्र को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार को घेरने की व्यापक रणनीति तैयार की है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार और उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक कई मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में हैं। जिनमें प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, प्रदेश में बढ़ता भ्रष्टाचार, अवैध खनन और खनन माफिया की सक्रियता, अवैध शराब की बढ़ती बिक्री, इंदौर में दूषित पानी से हो रही मौतें, छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से हुई मौतों का मामला औरबढ़ती बेरोजगारी और निवेश की धीमी रफ्तार। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और सरकार जवाब देने से बच रही है।

भाजपा की काउंटर रणनीति

वहीं, सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा ने भी विपक्ष के हमलों से निपटने के लिए कमर कस ली है। बजट सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों और आरोपों का जवाब देने के लिए अलग-अलग भाजपा विधायकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें लगातार ब्रीफिंग दी जा रही है ताकि सत्र के दौरान सरकार का पक्ष मजबूती से रखा जा सके।

अब ईएसबी केवल लेगा सरकारी भर्तियों की पात्रता परीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी बदलाव होने जा रहा है। अब कर्मचारी चयन मंडल सीधे भर्ती परीक्षाएं आयोजित करने के बजाय केवल पात्रता परीक्षा लेगा। इस नई व्यवस्था का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है, जिसे मुख्य सचिव के समक्ष प्रस्तुतीकरण के बाद सामान्य प्रशासन विभाग से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने रखा जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार, कर्मचारी चयन मंडल समान प्रकृति के पदों के लिए साल में केवल एक बार संयुक्त पात्रता परीक्षा आयोजित करेगा। परीक्षा के बाद मंडल अभ्यर्थियों का स्कोरकार्ड अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर देगा। इसके बाद, प्रदेश के विभिन्न विभाग अपनी आवश्यकतानुसार रिक्त पदों का विज्ञापन पोर्टल पर जारी करेंगे। विभाग, ईएसबी द्वारा जारी

स्कोरकार्ड के अंकों और लागू आरक्षण नीति के आधार पर अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट तैयार करेंगे और उसी आधार पर सीधे चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

ढाई महीने में मिल जाएगी नौकरी

ईएसबी के अधिकारियों का दावा है कि इस नई प्रणाली के लागू होने से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और समय की भारी बचत होगी। वर्तमान में भर्ती प्रक्रिया पूरी होने में लगभग एक से डेढ़ साल का लंबा समय लगता है, लेकिन नई व्यवस्था के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया मात्र दो से ढाई महीने में पूरी की जा सकेगी। इससे अभ्यर्थियों को भी अलग-अलग पदों के लिए बार-बार परीक्षा देने की मशक्कत से राहत मिलेगी।

वर्तमान व्यवस्था बनाम नई व्यवस्था

अभी तक की व्यवस्था में विभाग पहले पदों का विवरण ईएसबी को भेजते हैं, जिसके बाद ईएसबी विज्ञापन निकालता है, परीक्षा लेता है और परिणाम घोषित करता है। अंत में विभाग दस्तावेज सत्यापन कर नियुक्ति देते हैं। नई व्यवस्था में ईएसबी का काम केवल पात्रता परीक्षा और स्कोरकार्ड तक सीमित हो जाएगा। शेष प्रक्रिया विभाग स्वयं करेंगे। नियम संशोधन का प्रारूप तैयार हो चुका है और इस माह के अंत तक कैबिनेट की बैठक में इस पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है।

राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के बयान पर जीतू पटवारी का पलटवार- कहा-

मप्र में भ्रष्टाचार थोड़ा नहीं चरम सीमा पर

भोपाल। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा द्वारा राजगढ़ में दो दिन पहले दिए गए बयान पर मोहन सरकार को घेरा है। पटवारी ने एक्स पर लिखा है कि आज 20 साल की भाजपा सरकार में एक भी विभाग में बिना 'चाय पानी' के आम आदमी की फाइल पास नहीं होती, क्योंकि नीचे से लेकर ऊपर तक अधिकतर विभाग भ्रष्टाचार के जाल में फंसे हुए हैं। अब मध्य प्रदेश को इस भ्रष्ट सरकार से मुक्त कराना ही कांग्रेस का प्रथम संकल्प है।

पटवारी ने एक्स पर किए गए ट्वीट में कहा है कि अब मोहन सरकार के राजस्व मंत्री कैमरे पर कह रहे हैं कि थोड़ा बहुत भ्रष्टाचार तो हर जगह ही है। जब मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री दोनों को यह बात पता ही है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है, तो फिर किसी भी व्यक्ति पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? या भाजपा के मंत्री और विधायक इस भ्रष्टाचार के सिंडिकेट में शामिल हैं?

भ्रष्ट सरकार से मुक्त कराना कांग्रेस का संकल्प

पटवारी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आप मंचों से कहते थे न खाऊंगा न खाने दूंगा, पर मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के राजस्व मंत्री और मुख्यमंत्री स्वयं स्वीकार कर चुके हैं कि पूरा प्रदेश भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि जिस 50त्र कमीशन की बात मैं लगातार करता रहा हूं, उस पर मुहर प्रदेश के मंत्री और मुख्यमंत्री लगा रहे हैं।

2029 के विजन को लेकर तैयार होगी नितिन नबीन की नई टीम

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नबीन की ताजपोशी के बाद अब उनकी टीम का इंतजार किया जा रहा है। 2029 के मिशन को लेकर तैयार होने वाली इस टीम में प्रदेश के कई दिग्गज नेताओं को जवाबदारी मिल सकती है। जल्द ही केन्द्रीय टीम का ऐलान भी होने वाला है।

इस साल और अगले साल देश के कई राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होना है। इसको लेकर भी भाजपा ने अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं प्रदेश में भी अगले साल से नगरीय निकाय चुनाव के साथ चुनाव का आगाज हो जाएगा। केन्द्रीय टीम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन प्रदेश के कई दिग्गज नेताओं को जवाबदारी देने की तैयारी में हैं, जिन्हें दूसरे राज्यों में चुनाव का प्रभारी बनाकर भेजा जा सकता है। चूंकि नितिन 45 साल के हैं और पहली बार भाजपा ने यह प्रयोग किया है, इसलिए माना जा रहा है कि टीम भी युवा होगी, लेकिन इसमें वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो मिलना तय है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे वीडी शर्मा का नाम इस फेहरिस्त में सबसे आगे है। शर्मा का प्रदेश में लंबा कार्यकाल रहा है और वे वर्तमान में खजुराहो के सांसद भी हैं। उन्हें संघ का समर्थन प्राप्त है। शर्मा लंबे समय तक विद्यार्थी परिषद और युवा मोर्चा में भी काम कर चुके हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को भी वर्तमान दायित्व के साथ-साथ केन्द्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच जाने, सामंजस्य बिठाने में उनका नाम गिना जाता है। विजयवर्गीय पार्टी के लिए कई बार संकटमोचक बनकर उभरे हैं। अगर उन्हें केन्द्र में जवाबदारी दी जाती है तो किसी राज्य का प्रभारी भी बनाया जा सकता है। सत्ता से दूर रहे नरोत्तम मिश्रा को भी बड़ी जवाबदारी मिलने की संभावना है। मिश्रा भी भाजपा के दिग्गजों में जाने जाते हैं। अनुसूचित जाति से लालसिंह आर्य, जनजाति से फग्गनसिंह कुलस्ते जैसे नेताओं को भी बड़ी जवाबदारी मिलने की संभावना है। इंदौर की एक अन्य नेता कविता पाटीदार के लिए भी पार्टी महिला मोर्चा में संभावनाएं तलाश रही है, ताकि उनके अनुभव का लाभ दूसरे राज्यों के महिला मोर्चा को मिल सके। फिलहाल वे राज्यसभा सदस्य हैं। दलित समुदाय से आने वाली सुमित्रा वाल्मीकि को भी मौका दिया जा सकता है।

अब बोर्ड परीक्षा की तरह होंगे 9वीं-11वीं के प्रश्न पत्र

भोपाल। इस बार मप्र के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षाओं के संचालन से लेकर मूल्यांकन में कई एहतियात बरती जा रहुहे हैं। परीक्षाएं बोर्ड पैटर्न पर ली जाएंगी। इन परीक्षाओं के प्रश्नपत्र भी 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा की तरह ही थानों में रखे गए हैं। साथ ही मूल्यांकन भी माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की अंक योजना के आधार पर बोर्ड परीक्षा की तरह की जाएगी। इसके अलावा इस बार उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन विकासखंड स्तर पर उपकेंद्रों पर कराएं जाएंगे। इन कक्षाओं की परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा तैयार किए गए हैं। सभी जिला शिक्षा अधिकारी और केंद्राध्यक्षों के माध्यम से स्कूलों में प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे, जो परीक्षा के दिन ही केंद्राध्यक्ष की निगरानी में प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाएं जाएंगे।

भाजपा ने घोषित किए जिला प्रभारी

- निगम-मंडल की दौड़ से बाहर हुए 62 नेता

भोपाल। मप्र भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर काम कर ही है। इसी कड़ी में पार्टी ने संगठनात्मक नियुक्तियां करते हुए 62 जिला प्रभारियों की नियुक्ति की है। प्रदेश के बड़े और प्रभावशाली जिलों की कमान संभाग के बाहर के नेता को दी गई है। इसी नियुक्ति के सहारे भाजपा ने जहां संगठन का धार देने की कोशिश की है, वहीं निगम-मंडल और प्राधिकरणों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों की कतार में लगे नेताओं की भीड़ को कम किया है। यानी पार्टी ने जिन 62 नेताओं को जिला प्रभारी बनाया है, वे निगम-मंडल की दौड़ से बाहर हो गए हैं।

गौरतलब है कि जिला प्रभारियों की जो सूची जारी की गई है उसकी सबसे बड़ी बात ये है कि इसमें पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद से लेकर मौजूदा विधायक और कई दिग्गज नेताओं को जिलों की कमान सौंपी गई है। इनमें कुछ नाम तो ऐसे हैं जो राजनीतिक नियुक्तियों की दौड़ में शामिल थे। कुछ चुनाव हारे हुए नेताओं को भी प्रभार देकर संगठन में एडजस्ट किया है। पार्टी ने 10 प्रतिशत यानी 6 जिलों का प्रभार महिला नेताओं को सौंपा है। अर्चना सिंह को दमोह, नंदिता पाठक को मैहर, मनीषा सिंह को जबलपुर ग्रामीण, राजो मालवीय को रायसेन, संगीता सोनी को खरगौन और बबीता परमार को उज्जैन ग्रामीण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ये हो गए राजनीतिक नियुक्तियों से दूर

भाजपा ने जिन नेताओं को जिला प्रभारी बनाया है उनमें से कई निगम-मंडल और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्ति की आस लगाए बैठे थे। लेकिन पार्टी ने उन्हें संगठन में जिम्मेदारी देकर उन्हें राजनीतिक नियुक्तियों से दूर कर दिया है। जिन नेताओं को प्रभारी बनाया गया है उनमें मुरैना का प्रभारी राजू बाथम, भिंड का प्रभारी हमीर सिंह पटेल, दतिया का प्रभारी गजेंद्र सिकरवार, ग्वालियर शहर का प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा, ग्वालियर ग्रामीण का प्रभारी गोपाल आचार्य, श्योपुर का प्रभारी कमल माखीजानी, शिवपुरी का प्रभारी डॉ नंदकिशोर नापित, गुना का प्रभारी राजेंद्र राजपूत, अशोकनगर का प्रभारी शैलेंद्र जैन, सागर का प्रभारी लोकेंद्र पाराशर, सागर ग्रामीण का प्रभारी सदानंद गौतम, टीमकगढ़ का प्रभारी पुष्पेंद्रनाथ पाठक, निवाड़ी का प्रभारी दीपक सिंह भदौरिया, छतरपुर का प्रभारी नीरज मनोरिया, दमोह का प्रभारी अर्चना सिंह, पन्ना का प्रभारी जाहर सिंह, रीवा का प्रभारी रविंद्र चौहान, मऊगंज का प्रभारी शशांक श्रीवास्तव, सतना का प्रभारी जीएस ठाकुर, मैहर का प्रभारी नंदिता पाठक, सीधी का प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी,सिंगरौली का प्रभारी विनोद यादव, शहडोल का प्रभारी अभिलाष पांडे, अनूपपुर का प्रभारी संजय साहू, उमरिया का प्रभारी राजेंद्र पांडे, जबलपुर शहर का प्रभारी आलोक संजर, जबलपुर ग्रामीण का प्रभारी मनीषा सिंह, कटनी का प्रभारी सुजीत जैन, डिंडोरी का प्रभारी कमल प्रताप सिंह, मंडला का प्रभारी रमेश भटेरे, नरसिंहपुर का प्रभारी शरद जैन, बालाघाट का प्रभारी अभिलाष मिश्रा, सिवनी का प्रभारी अशोक रोहाणी, छिंदवाड़ा का प्रभारी आदित्य बबला शुक्ला, पाढूर्ना का प्रभारी दीपांकर बैनर्जी, नर्मदापुरम का प्रभारी अलकेश आर्य, हरदा का प्रभारी डॉ. प्रभुराम चौधरी, बैतूल का प्रभारी सुदर्शन गुप्ता, भोपाल शहर का प्रभारी जसवंत सिंह हाड़ा, भोपाल ग्रामीण का प्रभारी प्रदीप लारिया, रायसेन का प्रभारी राजो मालवीय, विदिशा का प्रभारी सीताराम यादव, सिहोर का प्रभारी विकास विरानी, राजगढ़ का प्रभारी ध्रुवनारायण सिंह, इंदौर शहर का प्रभारी राजेश सोलंकी, इंदौर ग्रामीण का प्रभारी शैलेंद्र डागा, धार का प्रभारी सुभाष कोठारी, धार ग्रामीण का प्रभारी राधेश्याम यादव, आलीराजपुर का प्रभारी दिलीप पटोदिया, झाबुआ का प्रभारी राजेंद्र राठौड़, खंडवा का प्रभारी अंबाराम कराड़ा, बुरहानपुर का प्रभारी क्षितिज भट्ट, खरगौन का प्रभारी संगीता सोनी, बड़वानी का प्रभारी बाबूलाल यादव, उज्जैन शहर का प्रभारी बजरंग पुरोहित, उज्जैन ग्रामीण का प्रभारी बबीता परमार, शाजापुर का प्रभारी प्रभुलाल जाटव, आगरमालवा का प्रभारी जयदीप पटेल, देवास का प्रभारी धनंजय शर्मा, रतलाम का प्रभारी विवेक जोशी, मंदसौर का प्रभारी दिलीप सकलेचा और नीमच का प्रभारी सुभाष पटेल हैं।

- मप्र कांग्रेस का जिला अध्यक्षों को कमेटी गठन करने का निर्देश, कहा

पदाधिकारी भाजपा की कमजोरियों को जनता तक पहुंचाएं

भोपाल। मप्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी ने भोपाल संभाग के सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र की पंचायत और वार्ड कमेटियों का गठन 20 फरवरी तक पूरा कर संगठन को सौंपें। जिन जिलों ने अब तक मंडल की सूची नहीं भेजी है, उन्हें 5 दिन के भीतर तैयार करके संगठन को सौंपने के लिए कहा गया है। साथ ही कहा गया है कि हर पदाधिकारी भाजपा सरकार की कमजोरियों को जनता के बीच ले जाए। जिला अध्यक्षों को यह भी कहा गया है कि उनकी कार्यकारिणी का आकार छोटा किया जाए। पहले जहां किसी जिले में कार्यकारिणी में 70 सदस्य थे, उन्हें 35 सदस्यों तक सीमित करने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और प्रभारी ने स्पष्ट किया कि जिला कार्यकारिणी हर हाल में छोटी होनी चाहिए।

भोपाल जिला के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की बैठक के दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोडना और भाजपा सरकार की कमजोरियों को जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने शहर कांग्रेस अध्यक्ष को शहर की मंडल कमेटी का गठन जल्द करने के लिए भी निर्देश दिए। बैठक इंदिरा भवन, भोपाल में आयोजित की गई। इसमें भोपाल जिले के जिला अध्यक्षगण और सभी ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना और ग्राम, वार्ड एवं पंचायत समितियों का गठन सुनिश्चित करना था।बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी,एआईसीसी सचिव संजय दत्त, पूर्व विधायक रवि जोशी, भोपाल जिला अध्यक्ष (शहर) प्रवीण सक्सेना, भोपाल जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) अनोखी पटेल, विधानसभा प्रभारी एवं सभी ब्लॉक अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक रणनीति, आगामी योजनाओं और पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के गठन पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे कांग्रेस प्रदेश संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावी तैयारियों में तेजी लाई जा सके।

भाजपा अब 1 रुपए का चंदा भी बिना चैक नहीं लेगी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली मुख्यालय ने आजीवन सहयोग निधि अभियान में पूरी तरह से पारदर्शिता लाने के लिए सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि वे अभियान के तहत ली जाने वाली राशि नकद नहीं ले, बल्कि उसका चैक लें, ताकि हिसाब-किताब में कोई अड़चन न आए। यही नहीं जिन कूपनों के माध्यम से राशि एकत्रित की जाती है, उसकी छपाई भी रोक दी गई है।

हर साल भाजपा आजीवन सहयोग निधि के तहत कार्यकर्ताओं से राशि एकत्रित करती है। वैसे कहा जाता है कि यह राशि कार्यकर्ता संगठन चलाने के लिए देता है, लेकिन यह राशि चंदे के रूप में एकत्रित की जाती है, जिसमें व्यापारियों, उद्योगपतियों और अन्य वर्ग के लोगों से कूपन के माध्यम से राशि ली जाती है। अभी तक 20 हजार रुपए से अधिक की राशि चैक के माध्यम से ली जाती रही है, जबकि इससे कम राशि के कूपन प्रदेश संगठन छपवाकर देता है। इंदौर में इस बार 11 करोड़ रुपए की राशि संगठन को जमा करवाने का टारगेट रखा गया है। इसी बीच दिल्ली मुख्यालय से खबर आई है कि अब कोई भी राशि बिना चैक के माध्यम से नहीं ली जाएगी। कितनी भी छोटी से छोटी राशि हो, उसका चैक लेना होगा और उसे पार्टी के खाते में जमा करना होगा, वहीं डिजिटल पेमेन्ट को भी माध्यम बनाया जा सकता है। प्रदेश संगठन के सूत्रों का कहना है कि यह आदेश सभी राज्यों के लिए लागू होगा। फिलहाल प्रदेश में छप रहे कूपन पर भी रोक लगा दी गई है। लिखित आदेश का इंतजार किया जा रहा है और उसके बाद आजीवन सहयोग निधि की राशि किस तरह से ली जाएगी, उसकी कार्ययोजना तैयार की जाएगी। फिलहाल तो तय है कि अब बिना चैक के राशि नहीं ली जाना है।

चैक लेने से आएगी परेशानी

आजीवन सहयोग निधि अभियान से जुड़े भाजपा के नेता मानते हैं कि चैक लेने से परेशानी बढ़ेगी। प्रत्येक चैक का हिसाब रखना होगा। उसे बैंक भेजना होगा। इसमें और भी कार्यकर्ताओं की आवश्यकता पड़ेगी। कोई चैक बाउंस हो जाता है तो उसका हिसाब भी रखना होगा और संबंधित व्यक्ति को वह चैक भेजकर फिर से दूसरा चैक लेना होगा। पिछले सालों में ऐसा कई बार हुआ है, जब चैक बाउंस हो गए थे और उसको लेने के चक्कर में संबंधित व्यक्ति के चक्कर लगाना पड़े थे। कूपन से 20 हजार रुपए तक की राशि पर वर्कलोड कम हो जाता था और ज्यादा कागजी काम भी नहीं करना होते थे।

एआई और संपदा टू सर्वे के आधार पर तय होंगे प्रापर्टी के दाम

- नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से होगी लागू , इसका सीधा असर जमीन की दरों पर दिखाई देगा

भोपाल। मप्र में नई कलेक्टर गाइडलाइन बनाने की तैयारी शुरू हो गई है, इसके लिए एआई व संपदा टू सॉफ्टवेयर की मदद से सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे में पता लगाया जा रहा है कि किस जिले में कहां पर अधिक दाम पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इसी डाटा के आधार पर ही प्रापर्टी के दाम तय किए जाएंगे। बता दें कि अभी ऑनलाइन माध्यम से सर्वे किया जा रहा है, इसके बाद राजस्व व पंजीयन अधिकारी जमीनी स्तर पर भी उन क्षेत्रों का सर्वे करेंगे, जहां पर तेजी से प्रापर्टी की खरीद-फरोख्त की जा रही है। बता दें कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की कलेक्टर गाइडलाइन बनाने के महानिरीक्षक पंजीयन ने आदेश जारी कर दिए हैं, जिसके तहत फरवरी तक जिला मूल्यांकन समितियों को गाइडलाइन का प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजना है।

दरअसल, प्रदेश में जमीन की कीमतों को तय करने वाली कलेक्टर गाइडलाइन को इस बार पूरी तरह वैज्ञानिक और बाजार मूल्य के अनुरूप बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। पंजीयन विभाग पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करते हुए नई गाइडलाइन तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बीते एक वर्ष में जिन क्षेत्रों में नया विकास हुआ है, वह गाइडलाइन से बाहर न रह जाए। नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू होगी और इसका सीधा असर जमीन की दरों पर दिखाई देगा। पंजीयन विभाग द्वारा यह प्रयोग मप्र इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरिशन (एमपीएसईडीसी) के सहयोग से किया जा रहा है। इसके तहत जिलों की एक साल पुरानी और वर्तमान सैटेलाइट इमेज निकलवाई है। इनको पंजीयन मुख्यालय से संबंधित जिलों को भेजा जाएगा, ताकि जमीन में आए बदलाव को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जा सके।

जमीनों की वास्तविक स्थिति का आकलन

सैटेलाइट इमेज से यह देखा जा रहा है कि पिछले वर्ष जो जमीन खाली थी, वहां अब क्या स्थिति है। कहीं उस पर प्लॉटिंग हो चुकी है, तो कहीं कॉलोनी विकसित हो चुकी है। पंजीयन विभाग ने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग की भी मदद ली है। वहां से डायवर्सन का डेटा लिया गया है। इसमें यह पता चलेगा कि कितनी कृषि भूमि का आवासीय में डायवर्सन हो चुका है। अब वहां विकास कार्य शुरू हो जाएगा। इसलिए वहां भी कृषि भूमि की बजाय अब प्लॉट के रेट लागू किए जाएंगे। पंजीयन विभाग ने कृषि विभाग से भी डेटा लिया है। एसडीएम की अध्यक्षता वाली उप जिला मूल्यांकन समिति ऐसे क्षेत्रों का सर्वे करती है जहां गाइडलाइने से अधिक रेट पर रजिस्ट्रियां हुई हैं। इसका डेटा एआइ की महद से निकोल बहे हैं। कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिल्ला समिति उसे अंतिम रूप देकर केन्द्रीय बोर्ड को भेजती है। यहां से मुहर लगने के बाद प्रस्ताव 1 अप्रैल से लागू किया जाता है। महानिरीक्षक पंजीयन मप्र अमित तोमर का कहना है कि नई गाइडलाइन साइंटिफिक तरीके से और बाजार मूल्य के अनुरूप बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस बार सैटेलाइट इमेजरी का भी उपयोग किया है। इससे खाली पड़ी जमीन पर हुए डेवलपमेंट की पहचान हो सकेगी।

सैटेलाइट इमेज निकाली जा रही

अधिकारी खंगाल रहे डाटा सभी जिलों में कलेक्टर गाइडलाइन तय करने के लिए राजस्व अधिकारी और सब रजिस्ट्रार पिछले पांच वर्ष का डाटा खंगाल रहे हैं। इसमें यह पता लगाया जा रहा है कि किन क्षेत्रों में बढ़ी हुई दरों पर रजिस्ट्रियां हुई हैं।

रजिस्ट्री के लिए अब अनिवार्य होगा पंजीयन नंबर

रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने की कवायद

भोपाल। मध्य प्रदेश में रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश में किसी भी बिल्डर या डेवलपर को फ्लैट या मकान बेचने से पहले सार्वजनिक रूप से यह स्पष्ट करना होगा कि उसके प्रोजेक्ट का भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में पंजीयन है या नहीं। नई व्यवस्था के तहत अब विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है।

उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए इस नियम को कड़ाई से लागू किया जा रहा है। यदि किसी संपत्ति के विक्रय अनुबंध में रेरा पंजीयन नंबर का उल्लेख नहीं होगा, तो उप रजिस्ट्रार उस संपत्ति की रजिस्ट्री करने से मना कर सकेगा। इस कदम से उन बिल्डरों पर रोक लगेगी जो अब तक उपभोक्ताओं को धोखे में रखकर बिना पंजीयन के ही मकान या फ्लैट बेच देते थे।

धोखाधड़ी और अवैध कॉलोनियों पर लगाम

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में कई बिल्डर रेरा नियमों की अनदेखी कर मनमाने ढंग से कॉलोनियां विकसित कर रहे हैं। बिना पंजीयन के बेचे गए इन मकानों के कारण बाद में उपभोक्ताओं को मूलभूत सुविधाओं और मालिकाना हक के लिए कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, नियमों के उल्लंघन पर रेरा द्वारा भारी जुर्माने का प्रावधान है, लेकिन इसके बावजूद कई बड़े प्रोजेक्ट बिना पंजीयन के ही पूरे कर लिए जाते हैं। अब रजिस्ट्री के स्तर पर ही रेरा नंबर की अनिवार्यता से इस खेल पर लगाम लगेगी।

पंजीयन के आंकड़ों में बड़ा अंतर

रेरा के पास आए आवेदनों के आंकड़े बताते हैं कि बिल्डर अब भी नियमों के पालन में कोताही बरत रहे हैं। वर्ष 2021-22 से अब तक पिछले पांच वर्षों में रेरा के पास कुल 6,323 आवेदन पहुंचे, जिनमें से केवल 3,398 (लगभग आधे) ही स्वीकृत हुए। करीब 981 आवेदनों को निरस्त किया गया है। हर साल 50 से 82 प्रतिशत तक आवेदनों का निराकरण तो हो रहा है, लेकिन स्वीकृत पंजीयन की कम संख्या स्पष्ट करती है कि कई प्रमोटर अब भी बिना वैध अनुमति के निर्माण कार्य कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं के बीच विश्वास का संकट बना हुआ है।

टी20 विश्वकप

सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

चेन्नई । टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया । फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों में अर्धशतक लगाया।

उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज़ गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मेच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज़ रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिकुल्लाह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में 9 स्वर्ण पदक जीते

ला नुसिया। भारतीय मुक्केबाजों ने जबरदस्त शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में 9 स्वर्ण पदक जीते हैं। इसमें भारत की ओलंपिक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने नौ 9 स्वर्ण हासिल किया। इससे पहले शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में भाग लिया था। बॉक्सम एलीट में 20 देशों के 200 से ज़्यादा मुक्केबाज शामिल थे। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते। मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, बॉक्सम एलीट में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा। इसमें कई अलग-अलग वजन वर्ग के मुकाबले थे।

भारत की महिलाओं ने अंतिम दिन बेंचमाक 'सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की माटर लोपेज़ और नोएलिया गुटिरेज़ पर एकमत को हराया। वहीं इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60) और अरुंधति (70) ने यूक्रेनी मुक्केबाजों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की, जबकि लवलीना (75) ने इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराया। नैना (80) ने यूक्रेन की रईसा पिस्कुन पर आसान जीत के साथ स्वीप पूरा किया। पुरुषों के फाइनल में सचिन (60) ने दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में कनाडा के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया, जबकि आकाश (75) ने कज़ाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 से रोमांचक जीत के बाद एक और स्वर्ण जीता। दीपक (70) और अंकुश (80) को हालांकि हार के कारण रजत ही मिला।

सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर-19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर बेक्र के दौरान कोच कोच ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की।

नेशनल विंटर चैंपियनशिप के आयोजन स्थल में बदलाव

चमौली । उत्तराखंड के औली में 12 से 16 फरवरी तक प्रस्तावित नेशनल विंटर चैंपियनशिप के आयोजन स्थल में बदलाव किया है। औली के नंदा देवी स्कीइंग स्लोप पर तेजी से बर्फ पिघलने के चलते खेलों के आयोजन को लेकर संशय की स्थिति बनी थी। लगातार बदलती बर्फ की स्थिति को देखकर विंटर गेम संगठन ने वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किया। इसके बाद देहरादून में हुई उच्च स्तरीय बैठक में आयोजन स्थल बदलने का फैसला हुआ। अब चैंपियनशिप का आयोजन गौरसो बुग्याल या औली रोपवे के 10 नंबर टावर के समीप करने की तैयारी है।

आयोजन स्थल बदलने का निर्णय देहरादून में आयोजित बैठक में होगा। बैठक की अध्यक्षता विंटर गेम संगठन के जॉइंट सेक्रेटरी अजय भट्ट ने की। इसमें आईटीबीपी के अधिकारी, विभिन्न राज्यों से आए कोच और टीम मैनेजर भी मौजूद रहे। सभी पक्षों के साथ चर्चा के बाद सर्वसम्मति से तय हुआ कि औली में बर्फ की स्थिति अनुकूल न रहने पर वैकल्पिक स्थल को अपनाया जाएगा। जॉइंट सेक्रेटरी भट्ट ने बताया कि खिलाड़ियों और संगठन के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद फैसला हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि औली में बर्फ की स्थिति प्रतिकूल बनी रहती है, तब प्रतियोगिताएं गौरसो बुग्याल की ऊंची पहाड़ियों पर आयोजित होगी।

जॉइंट सेक्रेटरी भट्ट के अनुसार गौरसो बुग्याल में इससे पहले भी दो बार नेशनल स्कीइंग चैंपियनशिप का सफल आयोजन हो चुका है। इसी अनुभव के आधार पर इस स्थल को खेलों के लिए पूरी तरह उपयुक्त माना गया है।

विंटर गेम संगठन का मानना है कि आयोजन स्थल बदलने से खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतियोगिता की गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

विराट, रोहित पर कोच गंभीर के दबाव बनानें की बातें गलत - सैकिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के मुख्य कोच गौतम गंभीर से कोई मतभेद नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये दोनो ही उस स्तर के खिलाड़ी हैं जिन्हें कोई भी दबाव बनाकर बाहर नहीं कर सकता है। इस प्रकार बोर्ड ने एक प्रकार से कोच गौतम गंभीर के रोहित शर्मा और विराट कोहली से मतभेदों की खबरों को खारिज कर दिया है। सैकिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही है कि गंभीर इन दोनो को बाहर होने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो सही नहीं है। इससे पहले कई लोगों का आरोप था कि टी20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद रोहित और विराट ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट को भी छोड़ दिया। अब दोनों केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं और इसमें भी उनपर दबाव बनाया जा रहा है।

सैकिया ने कहा कि लोगों की अपनी धारणा हो सकती है पर गंभीर क्या कोई भी विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसी धारणा हो सकती है पर विराट हमेशा टीम में हैं। गंभीर भी टीम में हैं। हम परिणाम देखते हैं और कुछ नहीं ।'

साथ ही कहा कि विराट पर टेस्ट से संन्यास लेने के लिए दबाव नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को कोई भी किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उनके जैसे खिलाड़ी को कोई भी बदलने या कोई फैसला लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। वह भारतीय क्रिकेट के सितारे हैं। जब तक वह स्वयं चाहें, कोई भी उन्हें किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी के करियर में हस्तपेक्ष नहीं करता है।

विराट और रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके एकदिवसीय करियर को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज के बाद दोनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। दोनो ने ही काफी अच्छा खेल दिखाकर अपने आलोचकों को शांत करा दिया. साथ ही कहा कि लोग क्या कहते हैं उसपर हम न तो जवाब दे सकते हैं न ही कुछ कर सकते हैं। सैकिया ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है और कोई लड़ाई नहीं हो रही है। सैकिया ने कहा. 'मैंने कभी उन्हें लड़ते हुए नहीं देखा। दोनों के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है। '

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना - राशिद खान

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है। राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने

खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, 'भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी।' राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।

राशिद ने अफगानिस्तान की घरेलू क्रिकेट संरचना की कमजोरियों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि देश में छोटे प्रारूप के पर्याप्त मैच न होने की वजह से सीमित ओवरों की टीम चुनना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, 'अगर बल्लेबाजी में भी गेंदबाजी की तरह प्रतिस्पर्धा हो जाए, तो हम नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकते हैं। असली प्रतिभा घरेलू क्रिकेट से ही निकलती है।' अंत में, राशिद ने अफगानिस्तान महिला क्रिकेट टीम को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते देखने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि किसी भी मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात होती है।

'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत नहीं खेलने के कारण बताने कहा

आईसीसी ने भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े पीसीबी को फटकार लगायी

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्वकप में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीसी) की घोष्णा पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती हे। आईसीसी ने पीसीबी से पूछा है कि उसने 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत मैच के बहिष्कार करने का जो फैसला लिया है वह किन आधारों पर लिया है, ये उसे बताना होगा। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी ने कहा थ कि पाकिस्तान सरकार के निर्देशों के कारण वह मैच नहीं खेल सकती। वहीं आईसीसी ने अभी तक इस मामले में उम्मीद नहीं छोड़ी है। दोनो के बीच अभी बातचीत जारी है जिससे इस मामले का हल निकल सकता है। आईसीसी भी इस मामले को बातचीत से सुलझान चाहती है।

पाक बोर्ड जिस फोर्स मेज्योर प्रावधान के तरत मैच नहीं खेलने की बात कर रहा। वह अब अमल में आता है जब अप्रत्याशित हालात होते है। तब वह सरकार के आदेश का हवाला देकर फोर्स मेज्योर प्रावधान के तहत खेलने से मना कर सकता है। आईसीसी के के मेंबर्स पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट (एमपीए) के अनुसार, यदि कोई बोर्ड फोर्स मेज्योर क्लाज का हवाला देता है, तो उसे यह भी साबित करना होता है कि उसने स्थिति को संभालने के लिए क्या प्रयास किए। आईसीससी ने पाक बोर्ड से ये भी पूछा है किउसने मैच आयोजित करने के लिए कौन-कौन से वैकल्पिक उपाय अपनाए, साथ ही सबूत भी मांगे हैं। आईसीसी ने पीसीबी को चेताय है कि यदि यह मैच नहीं होता है, तो इससे खेल, को व्यवसाहिक और गवर्नेंस स्तर पर गंभीर नुकसान हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने साफ किया है कि वह टकराव नहीं चाहता, लेकिन उसके संविधान के तहत गंभीर उल्लंघन की स्थिति में किसी सदस्य को निलंबित या बाहर करने का अधिकार उसके पास है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत-पाक मैच के बहिष्कार की घोषणा करते हुए कहा कि वह ये फैसला बांग्लादेश बोर्ड के समर्थन के लिए किया है।

अंतिम गेंद पर इंग्लैंड ने नेपाल को चार रनों से हराया

मुंबई । इंग्लैंड को यहां नेपाल के साथ हुए टी20 विश्वकप क्रिकेट मुकाबले में बड़ी कठिनाई से जीत मिली। इस मैच में कप्तान हैरी ब्रूक के अर्धशतक से इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 184 रन बनाए थे। इसे बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल की टीम 180 रन ही बना पाये और उसे केवल 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में नेपाल ने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। अंतिम ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन चाहिए थे। वहीं सैम करन गेंदबाजी कर रहे थे। नेपाल ने पहली पांच गेंदों में 4 रन बना लिए। अंतिम गेंद पर जीत के लिए नेपाल को 6 रन चाहिए थे पर सैम करन की इस गेंद पर नेपाल के लोकेश छक्का नहीं लगा पाये।

आखिरी ओवर में मिली जीत पर फहीम अशरफ का बड़ा बयान, कहा - हम ऐसे हालात के आदी हैं

नई दिल्ली । पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अपने शुरुआती मुकाबले में नीदरलैंड को आखिरी ओवर में हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के नायक बने हरफनमौला खिलाड़ी फहीम अशरफ, जिन्होंने 11 गेंदों में नाबाद 29 रन जड़कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। खासतौर पर 19वें ओवर में फहीम द्वारा लगाए गए तीन छक्कों और एक चौके ने मैच की दिशा ही बदल दी। उस ओवर में कुल 24 रन आए जिसने पाकिस्तान की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद पुरस्कार समारोह में फहीम ने कहा कि वे ऐसी परिस्थितियों के आदी हो चुके हैं। उन्होंने बताया, हम पिछले एक साल से इसी तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं। दिल की धड़कन ऊपर-नीचे होती रहती है, लेकिन हमें भरोसा रहता है कि एक ओवर में जितने भी रन चाहिए हों, बना सकते हैं। फहीम ने यह भी बताया कि वह और शाहीन शाह अफरीदी विकेट बचाकर अंत तक खेलने की रणनीति पर टिके थे। दोनों ने आठवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण 34 रनों की नाबाद साझेदारी की।

148 रनों के लक्ष्य का पीछा

करते हुए पाकिस्तान एक समय मजबूत स्थिति में था, जब 10 ओवर में टीम ने दो विकेट पर 90 रन बना लिए थे। लेकिन इसके बाद विकेटों का लगातार गिरना शुरू हुआ और 16.1 ओवर तक स्कोर सात विकेट पर 114 रन हो गया। टीम को आखिरी दो ओवर में 29 रन चाहिए थे, जिसे फहीम ने अपनी विस्फोटक बैटिंग से आसान बना दिया। कप्तान सलमान आगा ने स्वीकार किया कि टीम ने यह मैच कठिन तरीके से जीता। उन्होंने कहा, हमें यह मैच मुश्किल तरीके से जीतना पड़ा, लेकिन फहीम को पूरा श्रेय जाता है। हमें पता था कि विपक्षी टीम दबाव बनाएगी। वहीं नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने कहा कि उनकी टीम ने जज्बे के साथ खेला, लेकिन अहम मौकों पर चूक गई। उनके अनुसार, यदि टीम 160 के आसपास का स्कोर बनाती, तो नतीजा अलग हो सकता था। यह जीत पाकिस्तान के अभियान की शानदार शुरुआत मानी जा रही है, खासकर इसलिए क्योंकि मैच की परिस्थितियाँ कठिन थीं और फहीम ने दबाव में परिपक्वता दिखाते हुए टीम को जीत दिलाई।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया।

उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

डेविड/ईएमएस 08 फरवरी 2026

श्रीलंका के अनुरोध पर भारत से मैच बहिष्कार पर पुनर्विचार करेगा पाकिस्तान

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने संकेत दिया है कि वह टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर पुनर्विचार करने के लिए अपनी सरकार से बातचीत करेगा। यह कदम श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के उस औपचारिक अनुरोध के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान से कहा है कि भारत से मैच न खेलने के फैसले से सह-मेजबान होने के नाते उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को टी20 विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन साथ ही निर्देश दिया है कि टीम भारत के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा नहीं लेगी। भारत-पाक मैच आईसीसी के लिए सबसे अधिक राजस्व देने वाला मुकाबला माना जाता है, जो प्रसारकों और आयोजकों के लिए भी बड़े आर्थिक लाभ का स्रोत होता है। पाकिस्तान के इस फैसले ने न सिर्फ टूर्नामेंट की वाणिज्यिक संभावनाओं पर असर डाला है, बल्कि क्रिकेट जगत में भी चिंता बढ़ा दी है। श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को ईमेल भेजकर साफ कहा है कि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें टिकट बिक्री, प्रसारण अधिकार और आतिथ्य सेवाओं से मिलने वाला बड़ा राजस्व नहीं मिल पाएगा। इसके अलावा टूर्नामेंट की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को दुनिया भर में करोड़ों दर्शक देखते हैं। श्रीलंका इस टूर्नामेंट का सह-मेजबान है और पाकिस्तान अपने सारे मैच कोलंबो और पाल्लेकल में खेल रहा है, ऐसे में यह निर्णय मेजबान बोर्ड के लिए और भी चुनौतीपूर्ण बन गया है।

पीसीबी से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि पाकिस्तान और श्रीलंका के क्रिकेट और सरकारी स्तर पर हमेशा सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं, इसलिए श्रीलंका क्रिकेट के इस अनुरोध को अनदेखा करना मुश्किल है। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी से सीधे संपर्क करके स्थिति की गंभीरता बताई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में श्रीलंका को पाकिस्तान के समर्थन की आवश्यकता है, क्योंकि भारत-पाक मैच रद्द होने से उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। अब गेंद पाकिस्तान सरकार के पाले में है कि वह इस संवेदनशील और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दे पर क्या रुख अपनाती है। क्रिकेट जगत की निगाहें इस फैसले पर टिकी हुई हैं, क्योंकि यह न सिर्फ वर्ल्ड कप के कार्यक्रम को प्रभावित करेगा, बल्कि एशियाई क्रिकेट कूटनीति पर भी बड़ा असर डाल सकता है।

लंदन में बैठे भगोड़े हीरा कारोबारी मामा-भांजे को ब्रिटेन की अदालतों ने दिया झटका

नई दिल्ली। लंदन में बैठे भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी, दोनों के लिए बुरी खबर है। अलग-अलग मामलों में ब्रिटेन की अदालतों ने साफ संकेत दे दिया कि अब देरी, बहाने और साजिश के आरोप काम नहीं आएंगे। लंदन हाई कोर्ट ने बैंक ऑफ इंडिया के बकाया ऋण मामले में नीरव मोदी की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने दृष्टिहनता, अवसाद और जेल की परेशानियों का हवाला देकर ट्रायल टालने की मांग की थी। नीरव इस समय एचएमपी पेंटनविले जेल में बंद है और वीडियो लिंक के जरिए सुनवाई में पेश हुआ।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट जज ने साफ कहा कि नीरव को ट्रायल में 'समान अवसर' मिलेगा और उसे किसी तरह की 'महत्वपूर्ण क्षति' नहीं होगी। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि यह याचिका देरी करने के पैटर्न का हिस्सा लगती है। मतलब साफ बीमारी और हालात का सहारा लेकर समय खींचने की कोशिश अब कोर्ट को मंजूर नहीं। नीरव पर भारत में पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े करीब 2 अरब डॉलर की धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और गवाहों से छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप हैं। 2019 से वह ब्रिटेन की जेल में है और प्रत्यर्पण रोकने की उसकी कई अपीलें पहले ही खारिज हो चुकी हैं।

वहीं नीरव मोदी के मामा मेहुल चोकसी को भी लंदन से करारा झटका लगा है। ब्रिटिश कोर्ट ने भारत सरकार और अन्य के खिलाफ उसके 'अपहरण' वाले मुकदमे में सिक्योरिटी ऑफ कॉस्ट का आदेश दे दिया यानी चोकसी को करीब 6 लाख पाउंड की रकम कोर्ट में जमा करनी होगी, ताकि अगर वह केस हार जाए तो विपक्ष के खर्च वसूल हो सकें। कोर्ट ने साफ कहा कि चोकसी के दावों में 'उच्च संभावना' नहीं दिखती। कोर्ट को यह भी आशंका है कि अगर चोकसी हारता है तो उससे खर्च वसूल पाना मुश्किल हो सकता है। इसलिए सुरक्षा राशि जरूरी है। चोकसी का दावा है कि 2021 में उसे एंटीगुआ से जबरन उठाकर डोमिनिका ले जाया गया। भारत सरकार ने इस आरोप को हर मंच पर नकारा है।

दो वर्षों से निर्धारित मदों की राशि नहीं मिलने से आर्थिक संकट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन एवं विभिन्न गतिविधियों के सुचारू आयोजन के लिए हर माह और हर वर्ष अलग-अलग मदों में राशि जारी किए जाने का स्पष्ट प्रावधान है। इन मदों में मंगल दिवस आयोजन के लिए 500 रुपये प्रति माह, मोबाइल रिचार्ज के लिए 200 रुपये प्रति माह, टीएचआर (टेक होम राशन) परिवहन हेतु लगभग 200 रुपये प्रति माह, आकस्मिक व्यय के लिए 75 रुपये प्रति तिमाही तथा ईसीसीई के लिए 100 रुपये प्रति वर्ष शामिल हैं। वास्तविकता यह है कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यरत कार्यकर्ताओं को इन मदों की राशि पिछले लगभग दो वर्षों से नहीं मिली है।

मानदेय से उठा रही हैं सरकारी योजनाओं का बोझ

अल्प मानदेय पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मजबूरन सरकारी योजनाओं को चलाने के लिए अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है। मंगल दिवस आयोजन हो या मोबाइल रिचार्ज, टीएचआर का परिवहन हो या अन्य आकस्मिक खर्च—सभी का भार कार्यकर्ताओं को स्वयं उठाना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनका मानदेय पहले ही बहुत कम है ऐसे में योजनाओं से जुड़ा खर्च अपनी जेब से करना उनके लिए अत्यंत कठिन हो गया है। कई कार्यकर्ता कर्ज लेकर या घर की जरूरतों में कटौती कर केंद्र संचालन कर रही हैं।

आर्थिक परेशानी और मानसिक दबाव बढ़ा

लगातार दो वर्षों से निर्धारित राशि न मिलने के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की आर्थिक स्थिति बुरी तरह प्रभावित हुई है। इससे न केवल उनके परिवार की आजीविका पर असर पड़ रहा है। बल्कि मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि स्थिति यही रही तो केंद्रों का संचालन करना और भी मुश्किल हो जाएगा।कार्यकर्ताओं ने सरकार और संबंधित विभाग से मांग की है कि लंबित राशि का तत्काल भुगतान किया जाए तथा भविष्य में नियमित रूप से सभी मदों की राशि सीधे कार्यकर्ताओं तक पहुंचाई जाए।

साहू तेली समाज की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। नगर में ८ फरवरी को साहू तेली समाज की ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा सर्वप्रथम माता कर्मा देवी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात समाज को नई दिशा व हर ग्राम पर अध्यक्ष बनाना, साप्ताहिक मासिक बैठक करना ,पंजीयन शुल्क पर विचार विमर्श कर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। वहीं समाज का धर्मान्तरण व अंतरजातीय विवाह पर रोक लगाकर शिक्षा को बढ़ावा देना समाज हित में कार्य करने पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर संतोष मदनकर, संतोष आमिलकर ,दुर्गा प्रसाद अगासे ,अनिल उराडे ,खेमराज भोंगाडे ,गुनेस तुलसीकर ,मुकेश साहू ,प्रदीप गवणे ,केशव बैस ,साहेब उराडे ,राकेश मदनकर, सेवकराम मदनकर, यशवंत खोबरागडे ,जितेंद्र राजुरकर, पवन बावनकर, रमेश साहू ,मनोज साहू ,श्रीमती नेहा गवने मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राज्य मार्ग 543 के पुल पर जानलेवा गड्ढा, प्रशासन की लापरवाही उजागर

पद्मेश न्यूज। लामता। राष्ट्रीय राज्य मार्ग क्रमांक 543 पर मगरदर्रा और टिटवा के बीच स्थित पुल पर बना एक विशाल और गहरा गड्ढा राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यह गड्ढा इतना खतरनाक है कि किसी भी समय बड़ा सड़क हादसा हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं और किसी बड़े हादसे का इंतजार करते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह मार्ग अत्यधिक व्यस्त है। नैनपुर-बालाघाट रोड पर प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है। रात के समय तेज रफ्तार वाहनों के चालकों को यह गड्ढा स्पष्ट दिखाई नहीं देता, जिससे दुर्घटना की आशंका और अधिक बढ़ जाती है। कई वाहन चालक इस गड्ढे के कारण संतुलन खो चुके हैं, हालांकि सौभाग्यवश अब तक कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई है।

प्रशासनिक उदासीनता का आलम यह है कि अब तक न तो मौके पर कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही गड्ढे की मरम्मत का कार्य शुरू किया गया है। मजबूर होकर स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए पेड़ों की हरी डालियां डालकर अस्थायी संकेतक बनाया, ताकि आने-जाने वाले वाहन चालकों को संभावित खतरे से आगाह किया जा सके।

इस लापरवाही को लेकर स्थानीय नागरिकों एवं वाहन चालकों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस जानलेवा गड्ढे की मरम्मत नहीं की गई और कोई बड़ा हादसा होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और अधिकारियों की होगी। नागरिकों ने इस मामले में लोकायुक्त जांच कराए जाने, दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने तथा पुल की तत्काल मरम्मत कर स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

अब देखना यह है कि प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के बाद जागता है या फिर समय रहते जनहित में ठोस कदम उठाकर आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

सीएम सरमा ने कांग्रेस नेता गोगोई और उनकी पत्नी पर उठाए सवाल

विस्तृत जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजा मामला

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लेकर गंभीर आरोप लगाकर कहा है कि मामले को विस्तृत जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को भेजा जाएगा। प्रेसवार्ता में सीएम सरमा ने कहा कि अगर किसी सांसद का पाकिस्तान से संबंध सामने आता है, तब यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इस मामले को सार्वजनिक रूप से उठाना जरूरी है।

सीएम सरमा के मुताबिक उन्हें जानकारी दी गई कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान हाई कमीशन के दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात तब के पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित से हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्हें याद नहीं कि कोई अन्य नेता इस तरह प्रतिनिधिमंडल लेकर हाई कमीशन पहुंचा हो।

सीएम सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस नेता गोगोई से हुई मुलाकात के कुछ दिन बाद बासित भी असम आए थे। इसके बाद उन्होंने मामले की जांच शुरू करा दी। सीएम सरमा ने कहा कि जांच के दौरान उन्हें बताया गया कि गोगोई की पत्नी ने मार्च 2011 से मार्च 2012 के बीच पाकिस्तान से जुड़े एक संस्थान के साथ काम किया था। इस दौरान उनकी नजदीकी अली तौकीर शेख नाम के व्यक्ति से होने की जानकारी भी दी गई। सीएम सरमा ने कहा कि असम एसआईटी ने अब मामले में विस्तृत जांच की है और कथित संबंधों के पहलुओं का अध्ययन किया है। इसके आधार पर राज्य सरकार ने फैसला किया है कि पूरे मामले को आगे की जांच के लिए गृह मंत्रालय को भेजा जाए। हालांकि इन आरोपों को लेकर गोगोई या कांग्रेस की ओर से अभी विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भीमाशंकर मंदिर तीन महीने के लिए दर्शन के लिए बंद, महाशिवरात्रि के दौरान भी मंदिर बंद रहेगा

पुणे। बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, श्री क्षेत्र भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर के समग्र विकास के लिए एक व्यापक विकास योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत काम चल रहा है, इसलिए मंदिर को तीन महीने के लिए बंद कर दिया गया है। जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने कहा कि श्री क्षेत्र भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर 12 फरवरी से 18 फरवरी तक महाशिवरात्रि के दौरान भी भक्तों के नियमित दर्शन के लिए बंद रहेगा। कुंभ मेले के दौरान नासिक-त्र्यंबकेश्वर आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों में से बड़ी संख्या में भक्तों के श्री क्षेत्र भीमाशंकर आने की उम्मीद है। प्रतिदिन लगभग एक लाख भक्तों के आने की संभावना को देखते हुए, महाराष्ट्र सरकार ने भीमाशंकर मंदिर विकास योजना को मंजूरी दी है। इस विकास योजना के तहत, भक्तों के लिए सुरक्षित, उपयुक्त और अच्छी तरह से सुसज्जित सुविधाएं बनाने के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचागत कार्य शुरू किए गए हैं। एक नए भव्य सभा भवन, सुरक्षित प्रवेश और निकास प्रणाली, सीढ़ियों और भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। कुंभ मेले के दौरान भक्तों की मदद के लिए बुनियादी ढांचागत सुविधाएं बनाई जा रही हैं। दरअसल नासिक-त्र्यंबकेश्वर में सिंहस्थ कुंभ मेला आयोजित किया जा रहा है। कुंभ मेले के दौरान भीमाशंकर मंदिर में अपेक्षित भीड़ को देखते हुए, विकास कार्य शुरू किया गया है। चूंकि मौजूदा सभा भवन का क्षेत्र अपर्याप्त था, इसलिए, एक नए भव्य सभा भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। इसके साथ ही, सीढ़ियों पर भी काम शुरू कर दिया गया है। चूंकि मुख्य सभा भवन को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है, और श्री भीमाशंकर में दैनिक भीड़ को देखते हुए, नए सभा भवन के निर्माण के दौरान मंदिर को दर्शन के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया। भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, महाशिवरात्रि की अवधि, 12 फरवरी से 18 फरवरी तक, को शुरू में बंद की अवधि से बाहर रखा गया था। हालांकि, चल रहे निर्माण की गति, दायरे और सुरक्षा पहलुओं की गहन समीक्षा के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि मंदिर परिसर में बड़े पैमाने पर पत्थर का निर्माण कार्य चल रहा है। चूंकि पत्थरों और कंस्ट्रक्शन मटीरियल को हटाना संभव नहीं है, इसलिए, महाशिवरात्रि के दौरान मंदिर को दर्शन के लिए खुला रखना सुरक्षित नहीं है। इसलिए, इस दौरान भी मंदिर बंद रहेगा, जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने यह जानकारी दी। जिला कलेक्टर ने आगे कहा, श्री क्षेत्र भीमाशंकर एक ऐसा इलाका है जहां भारी बारिश होती है, और जून से सितंबर तक बहुत ज्यादा बारिश होने के कारण उस दौरान कंस्ट्रक्शन का काम संभव नहीं है। इसलिए, काम को जल्दी पूरा करना ज़रूरी है। भक्तों और स्थानीय नागरिकों को इस फैसले की गंभीरता को समझना चाहिए और मंदिर ट्रस्ट, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए।

भारत की इस महिला टीचर ने जीता इंटरनेशनल अवॉर्ड, मिला 9 करोड़ का इनाम

नई दिल्ली। इन दिनों भारत की एक महिला टीचर रूबल नागी का नाम सुर्खियों में है। जिसके पीछे एक बड़ी वजह है। उन्होंने न केवल अपना बल्कि भारत का नाम रोशन कर दिया है। उन्हें ग्लोबल टीचर प्राइज 2026 अवॉर्ड से नवाजा गया है। वंचित बच्चों को अलग तरह से पढ़ाकर रूबल एक ग्लोबल सेंसेशन बनी हैं। इसके चलते उन्हें दुबई में आयोजित एक इंटरनेशनल सम्मेलन में 10 लाख डॉलर (9 करोड़) के ग्लोबल मैनी से सम्मानित किया गया है।

अपनी यात्रा को लेकर टीचर रूबल ने कहा कि मेरी यात्रा 27 साल पहले शुरू हुई थी, जब एक कला वर्कशॉप के दौरान मेरी मुलाकात एक इसतरह के बच्चे से हुई जिसने अपने जीवन में कभी पेंसिल नहीं देखी थी। राशि जीतने के बाद रूबल ने कहा कि वह इस पैसे से एक संस्थान की शुरुआत करेंगी, जिस उन बच्चों को पढ़ाया जाएगा जिन्होंने आजतक स्कूल नहीं देखा है।

बता दें कि रूबल नागी, सेवानिवृत्त कर्नल ज्ञान सिंह सूडान की बेटी हैं। शादी के बाद वह मुंबई शिफ्ट हो गईं। ग्लोबल टीचर प्राइज 2026 के लिए दुनिया भर के 139 देशों से करीब 5,000 नामांकन और आवेदन आए थे। इनमें से रूबल नागी को चुना जाना भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार जीतने के बाद रूबल नागी को भावुक करने वाला वीडियो मिला जो कश्मीर के तंगधार जिले के करनाह गांव का है, जो एलओसी के करीब है। वीडियो में उनके कंप्यूटर सेंटर में पढ़ने वाला एक बच्चा उन्हें बधाई देता दिख रहा है, वीडियो को देखकर रूबल नागी बहुत की भावुक हो गईं।

मयूर विहार पॉकेट-1 मेट्रो स्टेशन का नाम अब...श्री राम मंदिर मयूर विहार हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार पॉकेट-1 मेट्रो स्टेशन का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर श्री राम मंदिर मयूर विहार किया है। डीएमआरसी ने बताया कि दिल्ली सरकार की स्टेट नेम्स अथॉरिटी (एसएनए) की सिफारिश पर स्टेशन के नाम में बदलाव किया है।

डीएमआरसी ने मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने की पुष्टि कर स्टेशन पर लगे साइनेज, इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड्स सहित अन्य सूचना माध्यमों पर नए नाम को लिख दिया है। डीएमआरसी ने बताया कि मयूर विहार पॉकेट वन और फेज-1 दो मेट्रो स्टेशन होता था। इसके चलते लोगों को भ्रम होता था। साथ ही बीजेपी के कई नेताओं ने डीएमआरसी से मेट्रो स्टेशन का नाम बदलने की मांग की थी। डीएमआरसी ने बताया कि स्टेशन के नाम बदलने का फैसला स्टेट नेमिंग अथॉरिटी (एसएनए) की सिफारिश पर आधार पर हुआ है जो कि दिल्ली सरकार के अधीन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में काम करता है। बता दें कि दिल्ली में सड़कों, पार्कों और मेट्रो स्टेशनों के नाम बदलने का अधिकार स्टेट नेम्स अथॉरिटी (एसएनए) के पास होता है। ये दिल्ली सरकार के अधीन काम करने वाली संस्था है, जो मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में भौगोलिक स्थलों के नामकरण का निर्णय लेती है। प्राधिकरण की बैठक में मयूर विहार पॉकेट-1 के लिए इस नए नाम के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई।

हरियाणा में नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी - आप

नई दिल्ली। हरियाणा में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बीजेपी सरकार की आलोचना कर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाकर दावा किया हैं कि हरियाणा में अपराधी खुलेआम व्यापारियों से फिरौती मांग रहे हैं। उन्होंने यमुनानगर की घटना का जिक्र कर आरोप लगाया कि सैनी सरकार ने पूरे प्रदेश को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। दरअसल, यमुनानगर में दो बदमाशों ने रेलवे रोड के पास स्थित मल्टी स्पेशलिटी वरयाम अस्पताल फायरिंग की। बदमाशों ने अस्पताल के रिसेप्शन इलाके में 13 से 14 राउंड फायरिंग की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। आप नेता ढांडा ने पोस्ट में लिखा, नायब सरकार ने पूरे हरियाणा को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। यमुनानगर में अपराधी खुलेआम बेखौफ होकर गोलियां बरसा रहे हैं, जगह-जगह व्यापारियों से फिरौती मांगी जा रही है। हर दिन होती ऐसी वारदातें साफ हैं कि बीजेपी की नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी है। पोस्ट के साथ उन्होंने वीडियो साझा किया है, जिसमें 3 नकाबपोश व्यक्ति एक इमारत के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं, जो संभवत: कोई कार्यालय प्रतीत हो रहा है। इसके बाद ये लोग फायरिंग करते हुए वहां से निकल जाते हैं।

मेला हादसे में दो लोग गिरफ्तार

सूरजकुंड। सूरजकुंड मेला परिसर में 7 फरवरी को हुए झूला हादसे के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए झूला संचालक कंपनी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हादसे में घायलों को बचाते हुए, हरियाणा पुलिस के निरीक्षक जगदीश प्रसाद शहीद हो गए थे। पुलिस के अनुसार थाना सूरजकुंड में हिमाचल प्रदेश की हिमाचल फन केयर कंपनी के प्रोपराइटर मोहम्मद शाकिर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने मोहम्मद शाकिर निवासी गांव टोका नंगला, जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) व एक अन्य आरोपी नितेश निवासी धर्मपुरी सदर, मेरठ कैंट (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त अपराध के पर्यवेक्षण में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई है।

संघ के कार्यक्रम में शामिल हुए अक्षय कुमार, जैकी श्रॉफ, करण जौहर और अभिनेत्री अनन्या पांडे

मुंबई। मुंबई के वर्ली में मौजूद नेहरू सेंटर ऑडिटोरियम में मुंबई व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का दूसरा दिन संघ की 100 सालों की यात्रा-नए क्षितिज पर केंद्रित रहा। इस दौरान बॉलीवुड के कई अभिनेता और अभिनेत्री भी कार्यक्रम में नजर आए।

दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ संघ के कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। जैकी सिर पर खाकी टोपी लगाए नजर आए, जो संघ की पारंपरिक वेशभूषा का प्रतीक है। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर और अभिनेत्री अनन्या पांडे भी संघ के कार्यक्रम में शामिल हुए। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार भी खास मौके पर मौजूद रहे। उनके साथ मराठी और हिंदी सिनेमा के दिग्गज महेश मांजरेकर और अभिनेता सुबोध भावे भी दिखाई दिए। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का मकसद संघ के पिछले एक दशक के कामों का अवलोकन करना है।

औवेसी का मोदी सरकार पर तंज...पेट्रोलियम मंत्री ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी

अमेरिका ने फिर दी रुस से तेल खरीदी पर धमकी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अमेरिका के धमकी भरे बयान पर केंद्र की मोदी सरकार पर कड़ा हमला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदेगा, तब उस पर 25 प्रतिशत टैक्स लगेगा। करीमनगर में जनसभा को संबोधित कर एआईएमआईएम सांसद ओवैसी ने सीधे सवाल उठाया कि भारत का पेट्रोलियम मंत्री डोनाल्ड ट्रंप हैं या हरदीप सिंह पुरी।

सांसद ओवैसी ने कहा कि अमेरिका में बैठे एक फ़ गोरी चमड़ी वाले इंसान फ़ भारत को धमकी दे रहे हैं, जबकि देश में केंद्रीय मंत्री मौजूद हैं। उन्होंने मोदी सरकार और बीजेपी पर कटाक्ष कर कहा कि यह देशभक्ति नहीं बल्कि जनता के लिए परेशानी पैदा करने वाला राष्ट्रवाद है। उन्होंने आर्थिक पहलू पर भी ध्यान दिलाया कि अगर भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा, तब इसका फायदा चीन को मिलेगा, जो सस्ता तेल खरीद लेगा।

सांसद ओवैसी ने रूसी कंपनी 'नयारा' का उदाहरण देकर पूछा कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इस पर भी टैक्स लगाएंगे। उन्होंने बीजेपी नेताओं के पाखंडी स्वरूप का उल्लेख कर कहा कि चेहरा दाढ़ी वाला, सिर पर टोपी और शरीर पर शेरवानी हो, लेकिन उनके फैसले आम जनता के लिए परेशानी खड़ी करते हैं।

इतना ही नहीं उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को भारत की संप्रभुता पर हमला बताकर केंद्र सरकार को विदेशियों के दबाव में देश की नीतियों को प्रभावित करने वाला करार दिया। ओवैसी ने कहा कि इसतरह के केंद्रीय मंत्री हैं जो ट्रंप से डरते हैं, लेकिन रोज़ाना उनके खिलाफ गाली देते हैं। उन्होंने करीमनगर की जनता से अपील की कि वे उन नेताओं को पहचानें जो विदेशी दबाव में देश की मजबूरी पर समझौता करने को तैयार हैं। इस संबोधन में ओवैसी ने न केवल अमेरिका की धमकी को नकारा बल्कि केंद्र सरकार की नीतियों और आर्थिक फैसलों पर भी सवाल खड़े किए। उनका संदेश स्पष्ट था—देश की संप्रभुता और आम जनता के हित की रक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए।

उत्तराखंड में जहां गिरती थी बर्फ वहां जंगल में फैली है आग, 1900 फायर अलर्ट

पिथौरागढ़। उत्तराखंड में जंगल धधकते नजर आए। हालात इतने बिगड़ गए है कि नवंबर से जनवरी के बीच प्रदेश में 1900 से ज्यादा जंगल फॉरेस्ट फायर अलर्ट जारी हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान फूलों की घाटी से लेकर नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान तक जलते दिखे। पिछले दो दशकों में बदले मौसम चक्र ने उत्तराखंड के जंगलों को नई चुनौती में डाल दिया है। शीतकाल में सूखे जैसे हालात, बढ़ता तापमान और मानवीय लापरवाही ने आग की घटनाओं को सामान्य बना दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन विभाग के लिए यह संकट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि पारंपरिक फायर सीजन शुरू होने से पहले ही फायर वॉचर समेत जरूरी संसाधन झोंकने पड़ रहे हैं। वन विभाग का आधिकारिक फायर सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक होता है। पहले मार्च-अप्रैल के बाद ही जंगल सुलगते थे, लेकिन अब नवंबर से ही आग बुझाने की नौबत आने लगी है। ज्यादातर आग सड़क किनारे फेंकी गई माचिस, बीड़ी-सिगरेट या जानबूझकर लगाई गई आग से फैलती है। कंट्रोल बर्निंग में वन विभाग पहले ही सूखी घास, पिरूल और पत्तियां जला देता है, ताकि फायर लाइन बन सके और आग आगे न बढ़े।

जलवायु परिवर्तन के चलते शीतकालीन बारिश और बर्फबारी में भारी कमी आई है। 2012, 2016, 2018 और 2021-23 के बाद 2025 के नवंबर-दिसंबर भी पूरी तरह सूखे रहे। नतीजतन, नवंबर 2025 से ही वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गईं।

नवंबर से जनवरी तक विंटर फायर अलर्ट

राज्य	फायर अलर्ट
उत्तराखंड	1900
मध्य प्रदेश	940
महाराष्ट्र	883
छत्तीसगढ़	822
कर्नाटक	544

सैटेलाइट जंगल के ऊपर नजर रखते हैं। जहां तापमान अचानक बढ़ा या धुआं दिखा, वहां तुरंत चेतावनी भेजी जाती है ताकि आग फैलने से पहले कार्रवाई हो सके। इस बार आग ने दुर्गम और सुरक्षित क्षेत्रों को भी नहीं बख्शा। जनवरी 2026 में नंदा देवी नेशनल पार्क की फूलों की घाटी और गोविंद घाट रेंज के जंगल करीब एक सप्ताह तक जलते रहे। खड़ी चट्टानें और दुर्गम इलाका होने के कारण वन कर्मियों को आग बुझाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, पिथौरागढ़ के नैनीसैनी और जमतड़ी गांव के जंगलों में आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसएसबी के जवानों को मोर्चा संभालना पड़ा।

पंचाचूली क्षेत्र कस्तूरी मृग का निवास स्थान है। स्थानीय जानकारों का मानना है कि जब बर्फबारी न होने से वन्य जीव निचले इलाकों की ओर आते हैं, तो शिकारी उन्हें फंसाने के लिए झाड़ियों में आग लगा देते हैं। पिथौरागढ़ के डीएफओ आशुतोष सिंह का कहना है कि शिकारियों के पुख्ता सबूत तो नहीं मिले हैं, लेकिन रिजर्व फॉरेस्ट में निगरानी बढ़ा दी है। वन्य जीव शिकार पर 7 साल तक की सजा का प्रावधान है। पद्मश्री डॉ. शेखर पाठक के मुताबिक समय पर बारिश न होना और बढ़ता तापमान मानव जनित कारणों से भी है। वनों की आग के कारण पेड़ों को ही नहीं जलाती, बल्कि पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। 23-24 जनवरी की बारिश ने कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन यदि दोबारा लंबा सूखा पड़ा तो खतरा फिर बढ़ सकता है।

न्यूज गैलरी

प्रेम विवाह के दो साल बाद पति पर पत्नी से मारपीट और जान से मारने की धमकी का अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दत्ता में प्रेम संबंध के चलते विवाह करने वाले युवक पर उसकी पत्नी ने मारपीट, अश्लील गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता नेहाकी शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति राजकुमार मलाहे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 वर्षीय नेहा का मायका ग्राम किन्ही थाना किरनापुर में स्थित है। नेहा और ग्राम दत्ता निवासी राजकुमार मलाहे के बीच प्रेम संबंध था। इसी प्रेम संबंध के चलते लगभग दो वर्ष पूर्व नवंबर 2024 में राजकुमार ने ग्राम किन्ही जाकर नेहा को अपने साथ ले गया और अपने घर में उसकी मांग में सिंदूर भरकर पत्नी के रूप में स्वीकार किया।शादी के शुरुआती दो-तीन माह तक राजकुमार ने नेहा को ठीक से रखा।लेकिन बाद में वह उसे परेशान करने लगा। इसी दौरान दोनों पति-पत्नी मजदूरी के लिए हैदराबाद चले गए थे। हैदराबाद से वापस गांव लौटने के बाद राजकुमार का व्यवहार और बिगड़ गया। वह छोटी-छोटी बातों पर नेहा से गाली-गलौज करने लगा और कहने लगा कि वह उसके साथ नहीं रहना चाहता साथ ही उसे घर से निकालने की धमकी देने लगा।6 फरवरी को नेहा ने खाना बनाया था, लेकिन राजकुमार ने यह कहते हुए खाना खाने से इंकार कर दिया कि वह उसके हाथ का बना खाना नहीं खाता। इसके बाद वह अश्लील गालियां देने लगा। जब नेहा ने इसका विरोध किया तो राजकुमार ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की और घर से नहीं जाने पर जान से मार देने की धमकी दी।इस घटना की रिपोर्ट नेहा मलाहे ने किरनापुर थाना में दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता नेहा की शिकायत पर आरोपी पति राजकुमार मलाहे के विरुद्ध अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है।

आज हॉकफोर्स के 60 जवानों को मिलेगा 'आउट ऑफ टर्न प्रमोशन' का उपहार

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे बालाघाट जिले में माओवाद के अंत के बाद पहला बड़ा सम्मान

मध्यप्रदेश में एंटी नक्सल अभियान में लगे जवानो को सरकार ने आज बालाघाट में बड़ा इनाम दिया जाएगा। खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जवानो की हौसला आफजाई के लिए बालाघाट आ रहे

पद्मेश विशेष।

पद्मेश विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्यप्रदेश में एंटी नक्सल अभियान में लगे जवानो को सरकार ने आज बालाघाट में बड़ा इनाम दिया जाएगा। खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जवानो की हौसला आफजाई के लिए बालाघाट आ रहे हैं और वे यहाँ जवानो को बैच लगाकर प्रमोशन देंगे. यह बालाघाट जिले में तैनात रहे सुरक्षा बलों के लिए बहुत बड़ा अवसर है। जानकारी के मुताबिक पुलिस मुख्यालय ने माना है कि इन बहादुर जवानों की कार्रवाई से बालाघाट और आसपास के क्षेत्रों में नक्सल नेटवर्क को निर्णायक रूप से कमजोर किया गया है। यह प्रमोशन नक्सल विरोधी अभियानों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस बल का मनोबल बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।इस अभियान का मोहन यादव सरकार ने मनोबल भी बढ़ाया है।

आज बालाघाट में तैनात सुरक्षा बलों के उन जवानो के लिए खुशियों भरा दिन है .मध्यप्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे के बाद पुलिस मुख्यालय ने हॉक फोर्स के जवानों को बड़ी सौगात दी है। पुलिस मुख्यालय ने नक्सल मुठभेड़ों में साहसिक भूमिका निभाने वाले 61 पुलिस कर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने का फैसला किया है। इनमें से 60 पुलिसकर्मियों को शीघ्र पदोन्नति दी जाएगी, जबकि एक पुलिसकर्मी का प्रमोशन लिफाफा बंद कर दिया गया है। ये सभी पुलिसकर्मी विशेष सशस्त्र बल (व्रस्त्र) और बालाघाट जिला पुलिस बल से संबंधित हैं। इन जवानों को प्रतिबंधित माओवादी के जीआरबी(गोंदिया राजनांदगाव बालाघाट) डिवीजन के मलाजखंड दलम के चार एरिया कमेटी सदस्यों को मुठभेड़ में मार गिराने के लिए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पदोन्नति दी जा रही है। मारे गए नक्सलियों में रीता उर्फ तुब्बी श्रीरांगु हिडामी (पति चंदू उर्फ देवचंद), सुमन, इमला उर्फ तुलसी और रवि मडावी उर्फ बदरेको शामिल हैं।

पूर्व में डीजीपी मकवाना ने जारी किए थे प्रमोशन आदेश

गत दिनों भोपाल में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा द्वारा जारी आदेश में कहा गया था कि सूचीबद्ध सभी पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देने की कार्रवाई की जाएगी।

इन बहादुरों को मिलेगी पदोन्नति का ईनाम

बालाघाट में तैनात सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बने

नक्सल मोर्चे पर तैनात रहे जवानों को यह प्रमोशन मिला है। सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर पद पर प्रमोशन पाने वालों में बिपिन चंद्र खलको, इंदर सिंह बिदूरी, शुभम प्रताप सिंह तोमर, रत्नेश मीणा और नर्वदेश श्रीवास्तव शामिल हैं।

एक एएसआई को एसआई की पदोन्नति

मुनेंद्र सिंह को सहायक उप निरीक्षक से उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है।

ये जवान प्रधान आरक्षक से एएसआई बने

बालाघाट में नक्सल अभियान में लगे प्रधान आरक्षक एसएएफ से सहायक उप निरीक्षक एसएएफ बनने वालों में रुद्री चंद्र जखमोला, अनिल सिंह भदोरिया, मत्ते सिंह मरावी, उज्जवल घोरमारे, मनोज कुमार यादव, देवेंद्र धुर्वे, रविंद्र कुशवाह, हरेंद्र सिंह, प्रदीप गोसाई, विनोद कुमार मर्सकोले, उमेश कुमार पटेल और विकास कुमार राजपूत शामिल हैं।

ये जवान आरक्षक से प्रधान आरक्षक बने

एसएएफ के जिन जवानों को आरक्षक से प्रधान आरक्षक पद पर प्रमोट किया जाना तय हुआ है, उनमें मुकेश सगर, विवेक परस्ते,

राघवेंद्र सिंह गुर्जर, आशीष रजक, शिवहरि मरावी, प्रवीण धुर्वे, टीकाराम ढकालु, प्रवीण कुमार, असित यादव, राम आशीष यादव, संदीप शर्मा, लोकपाल धाकड़, कृष्णा श्रेष्ठ, जितेंद्र सिंह पटेल, वीर सिंह, शकर चंद्र सरयाम, सुनील परिवार, चंद्रकांत पांडे, सत्यम द्विवेदी, सुनील यादव, देवराज कलमे, सुरेंद्र सिंह मार्को, सुशील उइके के नाम शामिल हैं। इसके अलावा रामलाल भील, उमेश चंद्र दुबे, संतोष कुमार मरावी, प्रदीप कुमार परते, राजा मालवीय, विशाल कुमार सिंह, नरेंद्र सोनबे, दीपक पवार, कन्हैया मरकाम, सुनील सिंह कुशवाह, मुलायम सिंह, वरुण देव सिंह चाहर, मुनीष कुमार द्विवेदी, नीलेश, महेंद्र सिंह, रवि कुमार यादव, छठु यादव, सलेश कुमार द्विवेदी और संजू शर्मा को भी पदोन्नति दी जाएगी।

एक जवान संतकुमार धुर्वे थाने में प्रकरण होने से पदोन्नति का लिफाफा बंद

एक प्रधान आरक्षक संत कुमार धुर्वे के खिलाफ बालाघाट जिले के लांजी थाना क्षेत्र में प्रकरण दर्ज होने के चलते उनका पदोन्नति लिफाफा फिलहाल बंद कर दिया गया है।

बालाघाट के नक्शे से मिटा दिया था नक्सलवाद का दंश

उधर इस सन्दर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने लगभग 35 साल नक्सलवाद का दंश झेला। यह एक बड़ी चुनौती थी, पर राज्य सरकार की पुनर्वास नीति और नक्सल विरोधी अभियान में शामिल जवानों की प्रतिबद्धता से 11 दिसंबर 2025 को नक्सलवाद प्रदेश के नक्शे से पूरी तरह मिटा दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव 09 फरवरी को पुलिस लाईन बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में 100 करोड़ 90 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी करेंगें। इसमें 31 करोड़ 07 लाख रुपये के 07 कार्यों का भूमिपूजन एवं 69 करोड़ 83 लाख रुपये के 20 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस कार्यक्रम को जिले के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा तैयारियां जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री के दौरे से न केवल जवानों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि जिले में विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 09 फरवरी को बालाघाट आगमन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह भी 09 फरवरी को बालाघाट आ रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

आत्महत्या या हादसा जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले सरेखा बंदरझरिया रेलवे ट्रैक पर शनिवार की रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक यात्री ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक का नाम परसवाड़ा, लिंगा निवासी 27 वर्षीय विवेक उर्फ गोल्डी पिता सुंदरलाल बिसेन बताया गया है।जिसकी जानकारी मिलने पर नवेगांव पुलिस द्वारा मौके स्थल पर पहुचकर मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही की गई, वहीं शव बरामद कर शव को जिला अस्पताल लाया गया, जहां रविवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। हालांकि यह मौत कैसे हुई फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है जहां कोई इसे आत्महत्या तो कोई इसे महज एक घटना बता रहा है।फिलहाल नवेगांव पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्लंबर व ड्राइविंग का काम करता था गोल्डी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक युवक विवेक उर्फ गोल्डी बिसेन प्लंबर और ड्राइविंग का काम करता था वह प्रतिदिन की तरह 7 फरवरी को घर से काम करने के लिए निकला हुआ था, लेकिन देर शाम तक वह वापस घर नही पहुँचा।बताया गया कि परिजनों को रात करीब 8 बजे नवेगांव पुलिस ने फोन कर बताया कि युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है।जब परिजन मौके पर पहुंचे तो ट्रैक में गोल्डी मृत अवस्था में पड़ा था।हालांकि युवक की मौत, आत्महत्या है या हादसा, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

गोंदिया से जबलपुर की ओर जा रही ट्रेन की चपेट में आया था युवक

बताया गया कि शनिवार की शाम गोंदिया से चलकर बालाघाट से होकर जबलपुर की ओर जाने वाली गाड़ी संख्या 51708 की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है।जहा ट्रेन की चपेट में आने से उसके दोनों पैर कट चुके थे।उसकी मोटरसाइकिल रेलवे ट्रेक घटना स्थल के पास में ही खड़ी थी।जहा ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना नवेगांव ग्रामीण थाना अंतर्गत बंदरझिरिया के पास 7 फरवरी की शाम करीब 7 बजे की बताई जा रही है।उधर पुलिस द्वारा हर एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हादसा कैसे हुआ जानकारी नही है-परिजन

परिजनों ने बताया कि विवेक किसी तरह से परेशान नहीं था,वह रेलवे ट्रेक पर क्यो गया, उसकी कैसे मौत हुई है इसकी जानकारी नही है। फिलहाल, किस वजह से युवक गोल्डी ट्रेन की चपेट में आया है या फिर उसने आत्महत्या की है यह पुलिस जांच के दौरान ही पता चल पाएगा।

हादसा कैसे और क्यो हुआ इसकी जानकारी नही है-रितेश

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मृतक के भाई रितेश बिसेन ने बताया कि कुछ समय से विवेक काम धंधा छोड़कर घर पर ही था। उसे नहीं पता कि भाई, रेलवे ट्रेक पर कैसे पहुंचा। भाई की ट्रेन की चपेट में आने से मौत की सूचना, उसे फोन पर मिली थी। जिसके बाद, शव को पुलिस ने जिला अस्पताल लाया है।हादसा कैसे और क्यो हुआ इसकी जानकारी नही है।

वही मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के ग्रामीण थाना नवेगांव प्रभारी अमित अग्रवाल ने बताया कि थाना क्षेत्र के बंदरझिरिया में रेलवे ट्रेक पर युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद शव का पीएम जिला अस्पताल में कराया गया है। फिलहाल, अभी मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीसांईबाबा का वार्षिक उत्सव और श्रीसंत प्रकट्य दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के वार्ड 13 बूढ़ी स्थित श्री द्वारका माई सांई मंदिर में ,श्रीसांईबाबा का वार्षिक उत्सव और श्रीसंत प्रकट्य दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके

तहत मंदिर समिति द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।रविवार 8 फरवरी को भक्तिभाव, आस्था, श्रद्वा और विश्वास के साथ आयोजित इस कार्यक्रम के तहत प्रातः 10 बजे अभिषेक पूजन एवं सांईबाबा को चादर अर्पित किया गया। वही दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन किया गया।इसके अलावा शाम 4 बजे से भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान बडी संख्या में सांईभक्त शामिल होकर श्री सांई का आशीर्वाद और महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्यलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर श्री द्वारका माई सांई मंदिर संचालक एवं पुजारी मधु बुचुरकुंडे ने बताया कि प्रतिवर्ष यह साई बाबा का वार्षिक उत्सव व श्री संत प्रकट्य दिवस का आयोजन किया जाता है। जिसमें दोपहर में पूजा आरती तथा शाम को महाप्रसादी का वितरण होता है और हजारो श्रद्धालु इस मंदिर प्रांगण में पहुंचकर महाप्रसादी ग्रहण करते है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट